रोहतक
रविवार 18 अक्टूबर 2026
अश्विन मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 255
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 33.7°C
न्यून. 15.2°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



9 फोकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व के नंबर 2 ज्वेरेव को हराकर फाइनल में एंट्री

RERA REGISTRATION NO. HRERA-PKL-SNP-777-2025
https://haryanarera.gov.in/view_project/view_certificate/MTk4MQ==
Project Name: Laxmi City | Developer: Laxmi Son Empire Developer LLP

दीन दयाल जन आवास योजना

हरियाणा दीन दयाल आवास प्लॉट्स

(Under Deen Dayal Jan Awas Yojna 2016, Govt. of Haryana)

SECTOR-7, Kharkhauda, Sonipat

RERA APPROVED

Bank Loan | Registry | Freehold | Gated Society | Park & Play Area



KMP HIGHWAY - 1 MIN
MEERUT KHARKHAUDA HIGHWAY (334 B) - 5 MIN
DELHI - 20 MIN II DELHI KATRA EXP. WAY -7 MIN

1 LAKH+ UPCOMING JOBS Within 10mins Distance

Affordable Residential Plots

Free Hold Residential Plots With Registry

LAST DATE OF REGISTRATION: Sun, 18th October 2026
STARTING PRICE: ₹94.52 Lakh*
ALLOCATION DATE: Wed, 21st October 2026

पंजीकरण के लिए केवल 25 प्लॉट उपलब्ध

Pay Just Rs. 30,000/- for Registration

33% महिलाओं एवं सरकारी कर्मचारियों के लिए आरक्षित

(Registration Amount is fully refundable in case of Non Allocation)

40+ BIG COMPANIES NEAR BY

- MARUTI MANUFACTURING PLANT - 800 ACRES
- IMT INDUSTRIAL MODEL TOWNSHIP - 3200 ACRES
- UNO MINDA
- MOTHERSON
- JBM
- BHARAT SEATS

PAYMENT PLAN

Sl. No.	Plot Size (Sq. Yd.)	Plot Size (Sq. Mtr.)	Rate (per Sq. Yd.)	Registration Amount	10% Within 5 Days	30% Within 30 Days (Bank Loan Available)	60% As Per Construction Linked Plan (Bank Loan Available)	Total Cost
1	145.43	121.59	₹ 65,000	₹ 30,000	₹ 9,15,295	₹ 28,35,885	₹ 56,71,770	₹ 94,52,950
2	172.22	143.99	₹ 65,000	₹ 30,000	₹ 10,89,430	₹ 33,58,290	₹ 67,16,580	₹ 1,11,94,300

*PLC & Govt. Charges as Applicable

Registration of builder buyer agreement is mandatory after making a total payment of 10%

1 Sq. Mtr. = 1.196 Sq. Yd.

CONNECTIVITY



INDUSTRIAL HUB



EDUCATIONAL HUB



Gated Community | 24 Mtr. Wide Roads | Commercial Area | Reliable Water Supply
CCTV Surveillance | Electricity & Street Lights | Green Park | Kids Play Area

Helpline Number
+91 7065-594-594

For Online Registration
www.haryanadeendayalawasplots.com

Scan to REGISTER

Disclaimer: We urges every applicant to inspect the project site and shall not merely rely upon any architectural impression, plan, sales brochure, advertisements, representations, statements of whatsoever nature and, therefore, requests to make personal judgment prior to submitting an application for allotment. Journey time shown, if any, is based upon Google Maps which may vary as per the traffic at a relevant point of time..Rate mentioned above does not include GST and other statutory charges, if applicable. 1 sq. mt.= 1.196 sq. yrd.

खबर संक्षेप

हरियाणा खेल विवि के वीसी ने इस्तीफा दिया

सोनीपत। हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक कुमार (सेवानिवृत्त आईपीएस) ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 14 अक्तूबर को राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति को भेजे पत्र में पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया है। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में 31 अक्तूबर से पहले इस्तीफा स्वीकार कर आवश्यक आदेश जारी करने की प्रार्थना की है। सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार वह नए अधिकारी को कार्यभार सौंपेंगे। यहां बता दें कि कुलपति अशोक कुमार का कार्यकाल समाप्त होने के बाद वे एक्सटेंशन पर चल रहे थे।

अनिल विज ने मां मनसा देवी में की पूजा-अर्चना



पंचकूला। प्रदेश के बिजली, ट्रांसपोर्ट एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अश्विन नवरात्र के सातवें दिन माता मनसा देवी मंदिर में परिवार सहित माथा टेककर विधिवत पूजा-अर्चना की विज ने इसके उपरांत मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ में भाग लिया और आहुतियां डालीं। श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड की सचिव शारदा प्रजापति ने बिजली मंत्री को सम्मानस्वरूप माता का चित्र भेंट किया।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

गन्नौर। बीएसटी ओवरब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी चौकी गन्नौर की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। जीआरपी चौकी गन्नौर के प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि मृतक के पास मिले पहचान पत्र के अनुसार उसका नाम लल्टू ऋषिदेव है। मृतक की आयु करीब 41 वर्ष है। पहचान पत्र के अनुसार वह पारसी, चतरा, मधेपुरा, बिहार का रहने वाला है। पुलिस मृतक के परिजनों से संपर्क करने के प्रयास में जुटी है, ताकि मृतक को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जा सके।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दो साल का रिपोर्ट कार्ड पेश कर गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

संकल्प पत्र के 76 वादे पूरे, स्वीडन और सिंगापुर करेंगे ₹9500 करोड़ का निवेश

किसानों से 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद और गरीबों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़



हरियाणा में भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार की उपलब्धियों का लेखा-जोखा पेश किया। शनिवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र के 217 वादों में से 76 पूरे किए जा चुके हैं, जबकि शेष 141 पर काम जारी है। उन्होंने स्वीडन और सिंगापुर के दौरों के दौरान 9,500 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति बनने, किसानों से 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद और गरीबों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कार्यकाल से राज्य के लोग परेशान थे, इसलिए उन्होंने तीसरी बार भी भाजपा की सरकार बनाई। नायब सैनी ने कहा कि लोगों ने जो प्यार दिया था, उसे आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। स्वीडन और सिंगापुर के प्रतिनिधियों को 2027 में होने वाली ग्लोबल मीट 'हैपनिंग हरियाणा' के लिए निमंत्रण दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीनदयाल लाडो योजना, किसानों की 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद और नकली खाद बेचने वालों को 5 साल की सजा का कानून बनाने जैसे संकल्प शामिल हैं। डंकी रूट पर कानून बनाने और हर अग्निवीर को सरकारी नौकरी की गारंटी देने का संकल्प भी पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में किडनी रोगियों को मुफ्त डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 साल से अधिक उम्र के लोगों को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई है। हरियाणा राज्य के गठन से पहले पट्टेदार भूमि पर खेती करने वाले किसानों को मालिकाना हक दिया गया है। बाकी 141 संकल्पों पर तेजी से काम किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जनवरी 2025 को 6,220 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 26 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली मेट्रो कॉरिडोर का शिलान्यास किया। 14 अप्रैल 2025 को हिसार में टर्मिनल-3 की आधारशिला रखी गई। इसी दिन यमुनानगर स्थित दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की इकाई की आधारशिला रखी गई। यमुनानगर में 90 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले गोवर्धन संयंत्र का भी शिलान्यास किया गया।17 जुलाई को प्रदेश में 9,700 करोड़ रुपए की लागत से दिल्ली-कटरा हाईवे और अन्य मार्गों का उद्घाटन किया गया। इसी दिन देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन भी चली। 12 लाख किसानों के खातों में 1.88 लाख करोड़ रुपए डालने का दावा सीएम ने कहा कि अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 88 हजार करोड़ रुपए डाले जा चुके हैं। किसान की फसल का एग्जिट गेट पास कटने के बाद 48 घंटे के अंदर भुगतान उसके खाते में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में जमीनों की पेपरलेस रजिस्ट्री हो रही है। अब रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल हो गई है। इससे लोगों को सीधा फायदा मिल रहा है।

एचसीएस के रिजल्ट ने दिखाया व्यवस्था में बदलाव

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि पहले युवाओं को नौकरी पाने के लिए नेताओं की परिक्रमा करनी पड़ती थी। उनका समय पढ़ाई के बजाय सिफारिश के लिए चक्कर लगाने में बीतता था। आज युवा अपना पूरा ध्यान पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लगा रहे हैं।उन्होंने कहा कि एचसीएस परीक्षा के परिणाम ने साबित किया है कि अब युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार अब तक 46,500 युवाओं को नौकरियां दे चुकी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता भी जानते हैं कि उनकी खड़ी की हुई व्यवस्थाओं के बावजूद सरकार ने बिना पर्ची-खर्ची के नौकरियां दी हैं।

फसल खराब होने पर किसानों को दिए 1970 करोड़ : सीएम



मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय किसानों को आर्थिक मदद दी जा रही है। खरीफ सीजन 2024 में कम बारिश के कारण किसानों को 2,000 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से बोनस दिया गया। पिछले दो साल में प्राकृतिक आपदा से फसल खराब होने पर किसानों को फसल बीमा के तहत 1,970 करोड़ रुपए दिए गए। प्रदेश में पिछले 12 साल में फसल खराब होने पर किसानों को कुल 16,160 करोड़ रुपए की राशि दी जा चुकी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पिछले दो साल में प्रदेश के 16 लाख किसानों को 1,678 करोड़ रुपए दिए गए। सीएम ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक पोर्टल शुरू किया गया है। अब तक करीब 2 लाख किसानों ने इस पर रजिस्ट्रेशन कराया है।

पटवारियों का प्रशिक्षण भत्ता बढ़ा, 10 की जगह अब मिलेंगे 19 हजार

चंडीगढ़। प्रदेश में पटवारी बनने के लिए प्रशिक्षण ले रहे युवाओं को बड़ी राहत मिली है। प्रशिक्षण के दौरान अब उन्हें 10 हजार रुपये मासिक मानदेय के बजाय 19,900 रुपये शुरुआती वेतन मिलेगा। खास बात यह है कि इस बढ़ोतरी का लाभ एक जनवरी 2025 से दिया जाएगा। यानी पात्र पटवारियों को बढ़े हुए वेतन के हिसाब से पिछला बकाया एरियर भी मिलेगा। सरकार ने हरियाणा राजस्व पटवारी सेवा नियम, 2011 में संशोधन कर यह व्यवस्था की है। संशोधित नियम एक सितंबर 2026 को अधिसूचित किए गए थे। इसके बाद निदेशक भू-अभिलेख ने 16 अक्तूबर को संबंधित विभागों और सभी उपायुक्तों को पात्र पटवारियों को वेतन देने के निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के मुताबिक, जिन नवचयनित पटवारियों ने एक जनवरी 2025 के बाद पटवार प्रशिक्षण स्कूल में दाखिला लिया था, उन्हें प्रशिक्षण में ज्वाइनिंग की तारीख से 19,900 रुपये शुरुआती वेतन दिया जाएगा। वहीं, अन्य सभी नवचयनित पटवारियों की ज्वाइनिंग तिथि एक जनवरी 2025 मानी जाएगी। इस आधार पर उन्हें भी वेतन का बकाया एरियर दिया जाएगा।

■ पात्र पटवारियों को बढ़े हुए वेतन के हिसाब से पिछला बकाया एरियर भी मिलेगा

वर्मी कम्पोस्ट खरीद पर किसानों को मिलेगी 80 प्रतिशत सब्सिडी

चंडीगढ़। हरियाणा में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने और खेतों की मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए सरकार किसानों को वर्मीकम्पोस्ट खरीद पर 80 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की वर्ष 2026-27 के बजट में की गई घोषणा के तहत शुरू की गई इस योजना से किसानों को रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने और खेती की लागत घटाने में मदद मिलेगी। रबी सीजन के लिए आवेदन और खाद खरीदने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। योजना का उद्देश्य मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना, रासायनिक खादों के इस्तेमाल को कम करना और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है। योजना का लाभ लेने के लिए किसान का मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है।

हाईकोर्ट से दिव्यांग कर्मचारी को बड़ी राहत अब 58 की उम्र में नहीं होंगे सेवानिवृत्त

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के 45 प्रतिशत स्थायी शारीरिक दिव्यांगता वाले कर्मचारी को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सतिंदर पाल को 58 वर्ष की आयु पूरी होने के बावजूद फिलहाल सेवा में बने रहने की अनुमति दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह अगली सुनवाई तक सेवानिवृत्त नहीं होंगे। दिव्यांग सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु से जुड़ा विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। जस्टिस निधि गुप्ता की पीठ ने सतिंदर पाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम राहत प्रदान की। अदालत ने राज्य सरकार की ओर से जारी उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई स्वीकार की, जिसके तहत याचिकाकर्ता को 30 अक्टूबर 2026 को 58 वर्ष की आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्त करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास चतरथ ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि दिव्यांग कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु को लेकर समान स्थितaि वाले कर्मचारियों को पहले भी अंतरिम संरक्षण दिया जा चुका है। इसी आधार पर सतिंदर पाल को भी समान राहत देने का अनुरोध किया गया। याचिका में कहा गया कि कर्मचारी की 45 प्रतिशत स्थायी चलने-फिरने संबंधी दिव्यांगता के बावजूद उसे 58 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त करने का निर्णय लिया गया है।



■ दिव्यांग सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु से जुड़ा विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित

भाजपा के 12 साल के शासन में हरियाणा अपराध और कर्ज में आगे

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर सरकार को घेरते हुए उसके 12 साल के शासन पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि झूठे वादे, बढ़ती बेरोजगारी, अपराध, कर्ज और घोटाले भाजपा सरकार के कार्यकाल की पहचान बन गए हैं। हुड्डा ने सरकारी रिपोर्टों और आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि लंबे समय से सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा के पास गिनाने के लिए कोई ठोस उपलब्धि नहीं है। हुड्डा ने कहा कि प्रदेश की मंडियों में किसान परेशान हैं। सरकारी खरीद नहीं होने के कारण किसानों को धान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल और बाजरा 800 से 900 रुपये प्रति क्विंटल कम दाम पर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार भी नहीं मिल रहा।



■ नेता प्रतिपक्ष हुड्डा बोले- मंडियों में किसान हो रहे परेशान, युवा रोजगार के लिए भटक रहे

नायब सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री मान को जन्म दिन पर दी बधाई

चंडीगढ़। विदेश यात्रा स्वीडन से लौटे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के सीएम भगवंत मान को शनिवार को जहां उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं, वहीं जमकर तंज भी कसे व कहा कहा कि पांच साल चुटकुले सुनाकर ही निकाल दिए। पंजाब में नशे और ड्रग को लेकर हालात अच्छे नहीं है लेकिन इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। सैनी ने कहा कि नशा खत्म करने के साथ ही हरियाणा की तर्ज पर पंजाब में भी विकास को गति देने कानून व्यवस्था कायम करने का काम करेंगे।

पीएम के कार्यक्रम के बारे जरूर बताएंगे

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि पीएम के आने के कार्यक्रम को लेकर समय आने पर बता दिया जाएगा, पीएम हरियाणा को कई बार वक्त दे चुके हैं, उन्होंने यहां पर लंबे समय तक काम किया है, हर बार उन्होंने हरियाणा को बड़ी सौगात दी है। सीएम ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि हरियाणा भाजपा मामलों की प्रभारी स्मृति ईरानी के आने का भी कार्यक्रम है। दो दिनों तक पार्टी संगठन का कामकाज चलेगा।

आईटीबीपी जवान पर सहकर्मी और उसके दोस्तों ने तेजधार हथियार से हमला किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गांव सबोली स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के प्रशिक्षण केंद्र में एक जवान पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सहकर्मी ने चार अन्य लोगों के साथ मिलकर जवान के कमरे में घुसकर मारपीट की। हमले में जवान की बाईं आंख पर धारदार हथियार से वार किया गया, जबकि सिर पर बोतल से कई बार हमला किया गया। घायल जवान को दिल्ली के नरेला स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुंडली थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिहार के पटना निवासी राहुल कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सबोली प्रशिक्षण केंद्र में 7 सितंबर से 23 अक्टूबर तक चल रहे बुनियादी लिपिकीय पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण ले रहे हैं। 15 अक्टूबर को अध्ययन भ्रमण से लौटते समय सरकारी बस में सहकर्मी रोहित और योगेश के बीच कहासुनी हो गई। राहुल के अनुसार, विवाद बढ़ता देखकर उन्होंने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो रोहित ने उनके साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया। बाद में दीपक तेवतिया और अन्य कर्मचारियों ने मामला शांत कराया। राहुल का आरोप है कि वह शाम करीब साढ़े पांच बजे अपने कमरे में चले गए थे। करीब आधे घंटे बाद रोहित चार अन्य लोगों के साथ उनके कमरे में पहुंचा। आरोप है कि कमरे में घुसते ही सभी ने उन पर हमला कर दिया। राहुल ने दावा किया कि उनके साथ आए चारों व्यक्ति आईटीबीपी के कर्मचारी नहीं थे।

■ घायल कर्मचारी नरेला के अस्पताल में भर्ती, पुलिस ने केस दर्ज किया

सोनीपत में वकीलों और ट्रैफिक पुलिस के बीच नोकझोंक

■ वर्दी टंगी कार से एडवोकेट को घसीटने का आरोप, ट्रैफिक इंचार्ज पर दुर्व्यवहार के आरोप

सोनीपत। जिला अदालत परिसर के बाहर पुलिस लाइन गेट के सामने वकीलों और यातायात पुलिसकर्मियों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। अधिवक्ता अशोक गहलावत ने ट्रैफिक इंचार्ज इंस्पेक्टर धर्मबीर सहित अन्य पुलिसकर्मियों पर दुर्व्यवहार और पद के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। शिकायत में बिना नंबर प्लेट की मारुति सुजुकी ब्रेजा कार से एक अधिवक्ता को घसीटने का आरोप भी लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, कार में उपनिरीक्षक की वर्दी टंगी हुई थी। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विभागीय कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायतकर्ता अशोक गहलावत के अनुसार, पुलिस लाइन गेट के सामने यातायात पुलिसकर्मियों ने उन्हें और वहां मौजूद अन्य वकीलों को वाहन रोकने का इशारा किया। आरोप है कि वैध दस्तावेज होने के बावजूद चालान करने और वाहन जब्त करने की धमकी दी गई। वकीलों ने अदालत में पेशी के लिए देर होने की बात कही, लेकिन इस दौरान विवाद बढ़ गया। इसी दौरान एक वाहन की टक्कर लगने से स्कूटी सवार व्यक्ति गिर गया।



कार रुकवाने की कोशिश करता वकील।

बिना नंबर प्लेट की कार को लेकर बढ़ा विवाद

अशोक गहलावत के अनुसार, इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की ब्रेजा कार वहां पहुंची। कार में उपनिरीक्षक की वर्दी टंगी हुई थी। वकीलों ने कार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, लेकिन आरोप है कि कार को जाने दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि कार को रोकने का प्रयास करने पर चालक ने एक अधिवक्ता को घसीट दिया। उन्होंने इंस्पेक्टर धर्मबीर, संबंधित उपनिरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई की मांग की है। वहीं इंस्पेक्टर धर्मबीर ने दुर्व्यवहार के आरोपों से इनकार किया। उनका कहना है कि वाहनों के दस्तावेजों की जांच की जा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया।

सीएमओ में प्रधान सचिव की नियुक्ति जल्द, पूर्व में एपीएस रह चुके अधिकारी की वापसी की तैयारी

एचपीएससी चेयरमैन की कुर्सी भी होगी खाली, पूर्व डीजीपी का नाम चर्चा में

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं में अहम पदों पर नियुक्तियों को लेकर हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रधान सचिव (पीएस सीएम) का पद खाली होने के बाद अब हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के चेयरमैन का कार्यकाल भी 21 अक्टूबर को पूरा होने जा रहा है। इस पद पर नियुक्ति को लेकर हरियाणा के एक पूर्व डीजीपी का नाम चर्चाओं में है। हालांकि, अभी तक किसी नाम पर आधिकारिक मुहर नहीं लगी है। मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रधान सचिव अरुण गुप्ता के सितंबर में सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद खाली है। इस पर जल्द नियुक्ति होने की उम्मीद है। चर्चा है कि सीएमओ में पहले एपीएस के रूप में सेवाएं दे चुके एक अधिकारी की दोबारा एंट्री हो सकती है। मुख्यमंत्री के करीबी माने जाने वाले इस अधिकारी को अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में सोमवार तक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

उधर, भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारी आलोक वर्मा का एचपीएससी चेयरमैन के रूप में कार्यकाल 21 अक्टूबर को पूरा हो रहा है। ऐसे में आयोग के अगले चेयरमैन की नियुक्ति पर भी नजरें टिकी हैं। इस पद के लिए पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों, आईपीएस अधिकारियों, पूर्व सैन्य अधिकारियों और न्यायिक सेवा से जुड़े अधिकारियों के नामों की चर्चा है। इनमें हरियाणा के एक पूर्व डीजीपी का नाम भी शामिल बताया जा रहा है। इसके अलावा हरियाणा विद्युत नियामक आयोग (एचईआरसी) के चेयरमैन पद पर भी नियुक्ति होनी है। इसके लिए चयन समिति जल्द ही सरकार को नामों का पैनल सौंप सकती है। पैनल मिलने के बाद सरकार इस पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी। हरियाणा कैडर के भारतीय वन सेवा अधिकारी आलोक वर्मा ने एचपीएससी चेयरमैन बनने से पहले स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ली थी। राज्य सरकार ने उन्हें हरियाणा लोक सेवा आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया था। हालांकि, हरियाणा से बाहर के प्रदेश से संबंधित होने के मुद्दे पर उनकी नियुक्ति को लेकर राजनीतिक दलों ने सवाल उठाए। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) और कांग्रेस की ओर से भी उनकी नियुक्ति को लेकर आलोचना की जाती रही। संवैधानिक पद की गरिमा को देखते हुए वर्मा ने इन राजनीतिक हमलों पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से परहेज किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की मौजूदगी में उस समय के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन में उन्हें पद की निष्ठा और गोपनीयता की शपथ दिलाई थी। वर्मा से पहले पूर्व ब्रिगेडियर आरके पचनंदा आयोग के चेयरमैन थे। उम्र सीमा के कारण उनका कार्यकाल करीब सवा साल ही रहा था।

■ हरियाणा विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन पद पर भी नियुक्ति होगी

अरुण गुप्ता को भी मिल सकती है नई जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रधान सचिव रहे अरुण गुप्ता को सेवानिवृत्ति के बाद भी अहम जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें एचईआरसी या किसी अन्य महत्वपूर्ण पद पर पुनर्नियुक्ति दी जा सकती है। हालांकि, इस संबंध में अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस बीच, दिल्ली में तैनात कुछ अधिकारियों की हरियाणा वापसी को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। इनमें एक युवा और दो वरिष्ठ अधिकारियों के नाम लिए जा रहे हैं। हालांकि, इनमें से दो अधिकारियों ने वापसी की संभावनाओं से इनकार किया है। गौरतलब है कि हरियाणा सरकार ने मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की तर्ज पर अरुण गुप्ता के कार्यकाल में एक साल का विस्तार देने का प्रस्ताव भी केंद्र सरकार को भेजा था, लेकिन इसे मंजूरी नहीं मिल सकी। अब उनकी सेवानिवृत्ति के बाद नई जिम्मेदारी मिलने की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है।

टेस्ट में कम नंबर आए तो घर छोड़ वृंदावन पहुंचा नौवीं क्लास का छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के एक निजी स्कूल में नौवीं कक्षा का एक छात्र टेस्ट में कम नंबर आने पर घर छोड़कर वृंदावन पहुंच गया। वहां मंदिर के कपाट बंद होने के बाद बच्चा रातभर रोता रहा। गनीमत रही कि एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ गई।

उसने छात्र के स्कूल आईकार्ड पर लिखे फोन नंबर के जरिए उसके पिता से संपर्क किया। सूचना मिलते ही पिता रात में ही वृंदावन पहुंच गए और सुबह करीब चार बजे बेटे को सुरक्षित घर ले आए। बता दें कि शहर के एक निजी स्कूल 9वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र को टेस्ट में कम नंबर आने पर डर सता रहा था। वह सुबह करीब 8 बजे घर से निकला था। लेकिन अपनी साइकिल रेलवे स्टेशन पर खड़ी करके वृंदावन चला गया था। वहां पहुंचने के बाद जब मंदिर के कपाट बंद हो गए तो वह परेशान होकर रोने लगा। अनजान जगह पर अकेले बच्चे को रोता देख एक व्यक्ति ने उससे बातचीत की। इसके बाद उसके स्कूल आईकार्ड पर दर्ज फोन नंबर से परिवार को सूचना दी गई। बेटे के वृंदावन में होने की सूचना मिलते ही पिता बिना देर किए वहां के लिए रवाना हो गए। रात में वृंदावन पहुंचने के बाद उन्होंने बेटे को अपने साथ लिया और सुबह करीब चार बजे सुरक्षित घर लौट आए। बच्चे के सकुशल मिलने से परिवार ने राहत की सांस ली।

■ मंदिर के कपाट बंद होने पर रोने लगा, एक श्रद्धालु ने छात्र के स्कूल आईकार्ड पर लिखे फोन नंबर पर कॉल कर परिवार को बुलाया

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर अश्लील तस्वीरों से ब्लैकमेल किया

सोनीपत। इंस्टाग्राम पर अनजान व्यक्ति से दोस्ती करना सोनीपत की एक महिला को भारी पड़ गया। आरोपित ने वीडियो कॉल के दौरान महिला की तस्वीर हासिल कर उसका दुरुपयोग किया और अश्लील तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल कर 3,06,500 रुपये ठग लिए। महिला की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने पुलिस को बताया कि इंस्टाग्राम पर डॉ. अजय कुमार 028 नाम की आईडी से उसकी बातचीत शुरू हुई थी। आरोपित ने खुद को विदेश में रहने वाला बताकर विश्वास जीता और अस्पताल के दस्तावेजों में मदद मांगी। बाद में पार्सल भेजने की बात कहकर दूसरे व्यक्ति ने कस्टम अधिकारी बन महिला को फोन किया और शुल्क के नाम पर रकम मांगी। गिरफ्तारी का डर दिखाकर उससे 7 से 9 अक्टूबर के बीच 10 बार में अलग-अलग यूपीआई आईडी पर पैसे ट्रांसफर करवाए गए।

रोहतक
रविवार 18 अक्टूबर 2026
अश्विन मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 255
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 33.7°C
न्यून. 15.2°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



कोलकाता में बड़ा हादसा

दुर्गा पंडाल में भगदड़ 18 लोगों की मौत

ऐसे चला घटनाक्रम

7:00 बजे पंडाल देखने भीड़ जुटी

7:40 बारिश हुई, एंट्री गेट पर भीड़ बढ़ी

8:00 लोग कुचले गए, जमीन पर पड़े

8:30 घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया

मरने वालों में 3 पुरुष, दो बच्चे और 13 महिलाएं

हादसे में 45 से ज्यादा लोग घायल हुए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शनिवार शाम चोरबागान दुर्गा पंडाल में भगदड़ मच गई। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 पुरुष, 13 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। हालांकि, कोलकाता मेडिकल कॉलेज के सूत्रों ने 20 लोगों की मौत का दावा किया है। हादसे में 45 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कोलकाता पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम बारिश शुरू हुई। इससे बचने के लिए कई लोग पंडाल के अंदर रुक गए। इसी दौरान करीब 7:40 बजे नए दर्शकों के प्रवेश की कोशिश के बीच धक्का-मुक्की होने लगी और भगदड़ मच गई। हादसे के बाद पंडाल की लाइटें बंद कर दी गईं और लोगों की एंट्री रोक दी गई। घटना के बाद कई अन्य दुर्गा पूजा पंडाल भी बंद कर दिए गए हैं। बंगाल सरकार ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 18003455678 जारी किया है।

राष्ट्रपति ने जताया दुख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा- कोलकाता के एक दुर्गा पूजा पंडाल में लोगों की मौत की खबर अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूँ। जो लोग घायल हुए हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

पीएम बोले भगदड़ दुखद

प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि भगदड़ बेहद दुखद है। अपनों को खोने वालों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की मदद दी जाएगी।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अस्पताल पहुंचकर हालात की समीक्षा की

अमित शाह ने दौरा रद्द किया

सरकार ने टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 18003455678 किया जारी

खबर संक्षेप

अपोलो में भर्ती आडवाणी की हालत स्थिर

नई दिल्ली। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को शुक्रवार देर शाम सीने में इंफेक्शन के



चलते दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल के मुताबिक,उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है, जहां न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर विनीत सूरी की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। *एजेंसी*

महिला पत्रकार ने राहुल के खिलाफ शिकायत दी

नई दिल्ली। महिला पत्रकार, ऋचा पाराशर ने शनिवार को नई दिल्ली जिले के डीसीपी के पास एक



आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने राहुल गांधी और अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। आरोप है कि 12 अक्टूबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट के पास एक विरोध प्रदर्शन की रिपोर्टिंग करते समय, उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया, उन्हें धमकियां दी गईं। *एजेंसी*

ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ 2018 के



मानहानि मामले में जमानती वारंट जारी किया। यह मामला भाजपा आईटी सेल के सदस्य विकास पांडे ने दायर किया था। उन्होंने राठी पर अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए एक वीडियो के जरिए मानहानि करने का आरोप लगाया है। मामले की अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को होगी। *एजेंसी*

'भारत छोड़ो' नोटिस को इमरान ने दी चुनौती

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर इमरान खान बीते दिनों मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मुख्य चुनाव



आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। मुंबई पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में भी लिया था। इसके बाद पुलिस ने उन्हें 28 अक्तूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस भेजा। अभिनेता ने अब मुंबई पुलिस की ओर से जारी उस नोटिस को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। *एजेंसी*

ट्रंप ने प्रतिबंध वाला कानून रोका, बोले-ऐसा करने में हमारा फायदा

रूसी तेल प्रतिबंधों में मिली राहत

अमेरिका पहले ही कर चुका डीजल खरीद पर डील

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ का खतरा टला

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून को फिलहाल रोक दिया है। ट्रंप ने शुक्रवार को इस फैसले से जुड़े आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह कदम अमेरिका के हित में है। इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे। प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रंप ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी। ट्रंप ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल (लिंडसे ग्राहम एक्ट) पर 18 सितंबर 2026 को साइन किए थे। 16 सितंबर को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने इसे 262-159 वोटों से मंजूरी दी थी। कानून पर साइन करने के बाद ट्रंप को प्रतिबंध लगाने का फैसला 30 दिन के अंदर करना था। हालांकि, ट्रम्प ने इससे पहले ही प्रतिबंधों और टैरिफ पर छूट दे दी।

- फैसले से जुड़े आदेश पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर किए
- ट्रैरिफ लगाने वाले देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी व अजरबैजान शामिल
- भारत 85 फीसदी से ज्यादा तेल का करता है आयात, जहां से कम दामों में मिले, वहीं से करता है खरीद
- अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 45 फीसदी रही



रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 45% थी। भारत ने अगस्त में रूस से रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। ऐसे में रूस से तेल खरीदने पर 100% तक टैरिफ लगने का खतरा भारत के लिए चिंता की वजह था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत तेल की उपलब्धता और दुनिया के हालात को देखकर अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का फैसला करता है। *(संबंधित खबर पेज-10 पर)*

भारत ने उठाया था मुद्दा

भारत पहले भी अमेरिकी अधिकारियों के सामने यह मुद्दा उठा चुका है। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर असर के बीच रूस से तेल की सप्लाई कम करना दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ा सकता है। इसलिए अमेरिका के लिए रूस पर और सख्त प्रतिबंध लगाना आसान फैसला नहीं है।

मिडटर्म चुनाव से पहले तेल की कीमतों की चिंता

रूस को प्रतिबंधों से राहत देने का फैसला ट्रंप ने ऐसे समय लिया है, जब अमेरिका में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। यूक्रेन के रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमलों से तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही है। इससे दुनिया में तेल महंगा हो रहा है। ट्रंप चाहते हैं कि तेल की कीमतें कम हों, ताकि अमेरिका में पेट्रोल सस्ता हो सके।

छूट के बावजूद भारत जारी रखेगा रूसी तेल का आयात : विश्लेषक

नई दिल्ली (भाषा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर एक नए कानून के तहत अनिवार्य प्रतिबंधों और शुल्कों से छूट दिए जाने के बाद विश्लेषकों का मानना है कि भारत मौजूदा स्तर के करीब ही रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। यह छूट केवल भारत के लिए नहीं है और इससे चीन को भी लाभ मिल सकता है। यह आदेश प्रशासन को बाद में इस पर पुनर्विचार करने का अधिकार भी देता है। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाले आंकड़ों से पता चलता है कि भारत इस साल औसतन 18 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) के साथ समुद्री मार्ग से रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक रहा है, जो चीन (12 लाख बीपीडी) से अधिक है। इटली, तुर्किये और नीदरलैंड शीर्ष पांच देशों में शामिल हैं। ऊर्जा शोध संस्था केपलर को उम्मीद है कि अक्टूबर में आयात 18-19 लाख बीपीडी के आसपास बना रहेगा। हालांकि, यह मात्रा साल के मध्य के उच्चतम स्तरों से काफी कम है। भारतीय आयात जून में 26 लाख बीपीडी और जुलाई में 25.7 लाख बीपीडी के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। विश्लेषकों का कहना है कि इस छूट के साथ तेल रिफाइनरी कंपनियों द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखने की संभावना है।

■ छूट केवल भारत के लिए नहीं, इससे चीन को भी मिल सकता लाभ

ग्रेटर नोएडा में नूडल्स खाकर सोए परिवार के पांच की मौत

घर में मिले पति-पत्नी और 3 बच्चों के शव



पांचों बिस्तर पर पड़े मिले मुंह से निकल रहे थे झाग

एजेंसी ▶▶ नोएडा

यूपी में ग्रेटर नोएडा के नंगला श्रीपदम गांव में शनिवार को एक घर में पति-पत्नी और उनके 3 बच्चों की लाश मिली। पड़ोसियों ने खिड़की से देखा तो पांचों बिस्तर पर पड़े थे। मुंह से झाग निकल रहा था। मृतकों की पहचान महेश (37), पत्नी ललिता (35), बेटे लड्डू (11), साक्षत (3) और बेटी मिष्टी (7) के रूप में हुई है। वहीं, पड़ोसियों का आरोप है कि प्रॉपर्टी को लेकर महेश का अपनी मां से अक्सर झगड़ा होता था। मां कहती थी कि सब कुछ बेटी और दामाद के नाम कर देंगी। पड़ोसियों ने मां पर नूडल्स में जहर मिलाकर देने का भी आरोप लगाया।

- मौत के पीछे प्रॉपर्टी विवाद को माना जा रहा
- सास ने बनाए थे नूडल्स, इसमें जहर होने का शक
- प्रॉपर्टी को लेकर महेश का मां से होता था झगड़ा

घर में केवल मां ने नहीं खाए नूडल्स

मां चंदो ने बताया- महेश और बाकी लोगों ने शुक्रवार रात करीब 10 बजे नूडल्स खाए। फिर सभी सोने चले गए। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए मैंने नूडल्स नहीं खाए। महेश की भाभी नीरज ने बताया- मेरी सास बेटियों के लिए लड़ती रहती है। मेरे देवर-देवरानी बहुत अच्छे थे। मेरी ननदों को सजा मिलनी चाहिए।

बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना बेतुका

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, बाल यौन शोषण कंटेंट हटाने के लिए डेटाबेस बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करना हर व्यक्ति, यहां तक कि बच्चों का भी मौलिक अधिकार है। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखना बेतुका होगा। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और उनकी आजादी, दोनों का ध्यान रखना जरूरी है। कोर्ट ने कहा- इंटरनेट पर गलत कंटेंट होने के कारण बच्चों के लिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाना सही नहीं है। ऐसी रोक से बच्चे कम सुरक्षित वेबसाइटों और प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं। ऑनलाइन धमकी या शोषण का सामना करने वाले बच्चे शिकायत करने से भी डर सकते हैं। कोर्ट ने बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े ऑनलाइन कंटेंट को पहचानने और हटाने की व्यवस्था मजबूत करने के लिए केंद्र को नेशनल डेटाबेस बनाने का निर्देश दिया है।



ऐसी रोक से बच्चे कम सुरक्षित वेबसाइटों और प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं

■ 5 साल में केस 26.6 गुना बढ़े

साइबर क्राइम पोर्टल को देनी होगी रिपोर्ट

सोशल मीडिया कंपनियों को भी ऐसा कंटेंट हटाने के दो घंटे के भीतर पुलिस या साइबर क्राइम पोर्टल को रिपोर्ट देनी होगी। 5 साल में बच्चों की अश्लील सामग्री से जुड़े मामले 26.6 गुना बढ़े गृह मंत्रालय की ओर से 29 जुलाई 2025 को लोकसभा में पेश एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, बच्चों की अश्लील तस्वीरों और वीडियो से जुड़े मामले 2018 में 44 थे, जो 2022 में बढ़कर 1,171 हो गए। यानी 26.6 गुना बढ़े। वहीं, बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराध के मामले 2018 में 232 थे, जो 2022 में बढ़कर 1,823 हो गए। हालांकि, केंद्र ने 2022 के बाद का डेटा रिलीज नहीं किया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने डेटाबेस में दर्ज सामग्री की सही पहचान करने के लिए कई निर्देश दिए हैं। डेटाबेस में कंटेंट का डिजिटल हैश और उस वेबसाइट का लिंक रखा जाएगा, जहां वह मौजूद है। सामग्री को डेटाबेस में जोड़ने से पहले कम से कम तीन प्रशिक्षित विशेषज्ञ स्वतंत्र रूप से जांचेंगे कि वह बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी है या नहीं। शुरुआती जांच में सॉफ्टवेयर की मदद ली जा सकती है।

राजस्थान में भीषण हादसा

मिनी बस एक्सप्रेसवे से नाले में गिरी, 8 की मौत

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैंपो ट्रैवलर (मिनी बस) पुलिया से गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग मध्य प्रदेश के बैतूल के रहने वाले थे। हादसा शनिवार सुबह 6 बजे सिमलिया थाना क्षेत्र में हुआ। एसएचओ नंद सिंह ने बताया कि ट्रैवलर भोपाल से खाटूश्यामजी जा रहा था। कोटा शहर से 35 किलोमीटर दूर कराड़िया टोल के पास ट्रैवलर पुलिया से 15 फीट नीचे गिर गया। एक्सीडेंट में 17 पैसेंजर्स घायल हुए हैं। अंधेरे के कारण रेस्क्यू में कुछ देरी भी हुई। ग्रामीणों ने बताया कि कई डेडबॉडी सीटों के बीच फंसी थीं। उन्हें बड़ी मुश्किल से बाहर खींचा गया। घायलों को खिड़की तोड़कर निकाला गया।



सभी एमपी के रहने वाले, खाटूश्याम मंदिर जा रहे थे

■ घायलों को खिड़की तोड़कर निकाला

■ 17 यात्री घायल, सुबह 6 बजे हादसा

दुबई जा रही फ्लाइट से टकराया पक्षी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से दुबई जाने वाली एमिरेट्स की फ्लाइट ईके 517 टेकऑफ के दौरान एक पक्षी से टकरा गई। जिसके चलते विमान के आगे का हिस्सा पिचक गया। फ्लाइट को शाम 4:25 बजे उड़ान भरनी थी। घटना के बाद एयरपोर्ट पर ग्राउंड स्टाफ ने विमान की पूरी जांच की। वीडियो में एयरपोर्ट कर्मचारी विमान के नोज कोन (अगले हिस्से) की जांच करते नजर आए। बर्ड स्ट्राइक तब होती है जब उड़ान के दौरान या टेकऑफ और लैंडिंग के समय पक्षी विमान से टकराते हैं। इससे विमान के इंजन और विंडशील्ड को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। बर्ड स्ट्राइक का असर इस बात पर निर्भर करता है कि पक्षी कितना बड़ा है, कितने पक्षी हैं और वे विमान के किस हिस्से से टकराए हैं। एक छोटे पक्षी की टक्कर से मामूली नुकसान हो सकता है, जबकि बड़े पक्षी या पक्षियों के झुंड से टक्कर गंभीर हो सकती है। पक्षी इंजन में पहुंचने पर तेज गति से घूम रहे इंजन के ब्लेड से टकराते हैं। इससे इंजन के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। आधुनिक विमान इंजनों को ऐसी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन और टेस्ट किया जाता है, लेकिन बहुत बड़ी या कई पक्षियों की टक्कर फिर भी गंभीर हो सकती है।

आगे का हिस्सा डैमेज, टेकऑफ करते समय हुआ हादसा

घायलों से मिले लोकसभा अध्यक्ष बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि घटना की जांच कराई जा रही है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे सहित अन्य हाईवे पर रोड सेफ्टी के लिए स्टडी की जा रही है। उसकी अंतिम मीटिंग नवंबर में होगी। मीटिंग के बाद ब्लैक स्पॉट को ठीक कराएंगे, ताकि भविष्य में कोई दुर्घटनाएं नहीं हों।

जियो आईपीओ को लेकर निवेशकों में भारी उत्साह, 2.5 लाख करोड़ की मांग

21 से 23 तक खुलेगा आईपीओ, 19 अक्टूबर को एंकर निवेशकों की बोली

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के आगामी आईपीओ को लेकर निवेशकों के बीच काफी दिलचस्पी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक आईपीओ में निवेश के लिए घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की मांग सामने आई है। यह राशि लगभग 30,200 करोड़ रुपये के प्रस्तावित इश्यू आकार से आठ गुना से भी अधिक है। हालांकि, यह शुरुआती दिलचस्पी है, इसे आईपीओ के औपचारिक अभिदान का आंकड़ा



नहीं माना जा सकता। एक ओर संस्थागत निवेशकों की दिलचस्पी चर्चा में है, वहीं दूसरी ओर खुदरा निवेशकों के लिए भी कई ब्रोकरेज मंचों पर प्री-बुकिंग यानी प्री-अप्लाई की सुविधा शुरू हो गई है। इससे निवेशक आईपीओ खुलने से पहले ही अपना आवेदन दर्ज कर सकते हैं। हालांकि, वास्तविक अभिदान और निवेशकों की अंतिम मांग का आकलन आईपीओ खुलने के बाद ही किया जा सकेगा। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ के लिए एंकर निवेशकों की बोली 19 अक्टूबर को निर्धारित है। इसके बाद आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। एंकर निवेशकों की बोली और आवंटन से संस्थागत मांग की वास्तविक स्थिति को समझने में मदद मिलेगी। रिपोर्टों के अनुसार, जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में दिलचस्पी दिखाने वाले संस्थागत निवेशकों में विदेशी दीर्घकालिक निवेश कोष, सरकारी संपत्ति कोष, बड़े म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियां शामिल हैं।

एफएसएसएआई ने कहा- ये इंसानों के खाने लायक नहीं, केस चलाने की दी मंजूरी

प्रियागोल्ड बिस्कुट में जानवरों का चोकर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाने-पीने का सामान बनाने वाली तीन बड़ी कंपनियों पर केस चलाने की मंजूरी दी है। प्रियागोल्ड बिस्कुट, डोडला डेयरी और यूईर ऑर्गेनिक फूड्स के प्रोडक्ट जांच में फेल हो गए हैं और इन्हें इंसानों के खाने लायक नहीं माना। इसके अलावा, नरपधम फूड्स, सन रिजेस हेल्थ केयरर्स और शा कांतिलाल जयंतीलाल को भी नोटिस जारी किए गए हैं।



सूर्या फूड एंड एग्रो की जांच

प्रियागोल्ड बिस्कुट बनाने वाली कंपनी सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड की जांच में पता चला कि बिस्कुट में फाइबर के लिए वह चोकर मिलाया जा रहा था, जो जानवरों को खिलाया जाता है। जिन बोरियों में चोकर रखा था, उन पर भी 'पशु आहार' लिखा था। इसके अलावा फैक्ट्री में साफ-सफाई, पेस्ट कंट्रोल, कच्चे माल के रखरखाव और कर्मचारियों की हाइजीन में भी खामियां मिलीं। इन गड़बड़ियों के कारण कंपनी का एफएसएसएआई लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है और अब उस पर मुकदमा चलाया जाएगा।

दूध में कास्टिक सोडा

डोडला डेयरी के 'फुल क्रीम दूध' में फैट तय मानक से कम मिली। इसके बाद जब लैब में बड़े स्तर पर जांच हुई तो दूध में कास्टिक सोडा पाया गया। यह दूध पीने के लिए पूरी तरह असुरक्षित और खतरनाक है, जिस वजह से डेयरी और दूध बनाने व बेचने से जुड़े सभी लोगों पर मुकदमा चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

यूईर ऑर्गेनिक की किशमिश में कीटनाशक

यूईर ऑर्गेनिक फूड्स की पीली किशमिश को 'ऑर्गेनिक' बताकर बेचा जा रहा था, लेकिन जांच में इसके अंदर भारी मात्रा में कीटनाशक और केमिकल पाए गए हैं। कंपनी ने रेफरल फूड लैब में दोबारा जांच की मांग की तब भी किशमिश में थियामेथोक्साम और फ्लुओपायराम केमिकल तय मात्रा से अधिक होने की पुष्टि हुई।

नरपधम फूड्स को गंदगी पर नोटिस

नरपधम फूड्स की फैक्ट्री में भयंकर गंदगी और धूल पाई गई। कच्चे माल को रखने का सही तरीका नहीं था और कीड़े-मकोड़ों को रोकने का कोई इंतजाम नहीं था।

रिलायंस का 48 लाख का एक्सपायर्ड फूड जब्त, 10 पर एफआईआर दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा एक्सपायर हो चुके, खराब और रिजेक्ट किए गए खाद्य उत्पादों की बिक्री और उन्हें इधर-उधर खपाने के खिलाफ कई जिलों में की गई कार्रवाई के दौरान 48 लाख रुपये का खाद्य स्टाक जब्त किया गया। इसके बाद, पुलिस ने रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के एक डायरेक्टर और नौ अन्य लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। यह एफआइआर ठाणे के शांति नगर पुलिस थाने में दर्ज की गई है। इसमें 10 आरोपितों के नाम हैं, जिनमें रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस रिटेल, ब्लिंकइट और जोमैटो हाइपरप्योर से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं।

नवरात्र पर विशेष



अष्टम-महागौरी

भगवती दुर्गा का आठवां स्वरूप महागौरी कहलाता है। देवी के इस सौम्य और सात्विक स्वरूप की लोक कामना की जाती है, इसलिए दुर्गाष्टमी के दिन इस स्वरूप की आराधना के लिए विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। भगवान शिव की घोर तपस्या करके देवी ने शंख, इन्दु और कुंद के समान गौरवर्ण प्राप्त किया था, इसलिए वह महागौरी कहलाती हैं। महागौरी के वस्त्राभूषण श्वेत, स्वच्छ हैं। वह सुवासिनी, शांत और निर्मल चित्त वाली शांत मुद्रा में हैं। उनके एक हाथ में डमरू तो दूसरे हाथ में त्रिशूल है। इनका वाहन वृषभ (बैल) है। महागौरी ने शुम्भ नामक दानव का संहार किया था। माता महागौरी मनुष्य की वृत्तियों को सत की ओर प्रेरित करके असत का विनाश करती हैं। गृहस्थों के लिए तो महागौरी की पूजा विशेष मंगलकारी मानी जाती है। महागौरी की आराधना का मंत्र है-

श्वेते वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा॥

सरपंच ने अश्लील वीडियो बना युवती से किया दुराचार

पलवल। जिले के एक गांव के सरपंच पर युवती को ब्लैकमेल कर नकदी और सोने के गहने हड़पने और बार-बार दुराचार करने का आरोप लगा है। सदर थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी सरपंच के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी गांव का सरपंच उसके पिता का दोस्त था। इस वजह से उसका उनके घर आना-जाना लगा रहता था। एक दिन जब पीड़िता बाथरूम में नहा रही थी, तब सरपंच ने उसकी वीडियो बना ली। कुछ दिनों बाद सरपंच ने युवती को वह वीडियो दिखाकर वायरल करने की धमकी दी। उसने युवती से एक लाख रुपये और 8-10 तोले सोने के गहने ले लिए। इसके बाद आरोपी सरपंच ने ब्लैकमेल कर पीड़िता के साथ कई बार रेप किया।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर ठगने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर प्रीपेड टास्क के नाम पर 17 लाख 99 हजार रुपये की साइबर ठगी के मामले में फरीदाबाद पुलिस की साइबर थाना बल्लभगढ़ टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओमप्रकाश उर्फ मुरली और जगमीत सिंह, निवासी गांव धारंगवाला, जिला फाजिल्का, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बल्लभगढ़ फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि 9 जनवरी को उसके टेलीग्राम पर एक अनजान आईडी से पार्ट टाइम जॉब के संबंध में मैसेज आया। इसके बाद उसे एक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़कर प्रीपेड टास्क पूरे करने के नाम पर रुपये ट्रांसफर करवाए गए।

जींद के जुलाना में पार्टी करके लौट रहे युवक पर सरेराह जानलेवा हमला

गाड़ी भिड़ने की रंजिश में पूर्व सैनिक के बेटे की गोली मारकर हत्या, 6 पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुलाना

जुलाना कस्बे में शुक्रवार रात बदमाशों ने पूर्व फौजी के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए पीजीआई ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने तीन को नामजद कर तीन अन्य के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। हत्या को चार-पांच दिन पहले हुई एक सड़क दुर्घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। गाड़ी की टक्कर होने पर आरोपियों ने उसे देख लेने की धमकी दी थी।



जींद। मौके पर जांच करती पुलिस। इनसेट में मृतक का फाइल फोटो।

जानकारी के अनुसार, गांव करेला निवासी नेवी के पूर्व सैनिक जगदीश अपने परिवार के साथ जुलाना में रहते हैं। उनका 22 वर्षीय बेटा कृष्ण उर्फ डैनी शुक्रवार रात जुलाना के पुराने बस स्टैंड पर अपने छह दोस्तों के साथ पार्टी से लौट रहा था। इसी दौरान कुछ बदमाश कार में सवार होकर आए और कृष्ण को अपनी गाड़ी के पास बुलाया। कार में बैठे एक बदमाश ने उसे गोली मार दी। गोली लगने से कृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गया। सीसीटीवी फुटेज में वह गोली लगने के बाद भागता हुआ दिखाई दे रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित वहां से फरार हो गए। घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घायल कृष्ण को उपचार के लिए पीजीआईएमएस रोहतक ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। बताया जा रहा है कि मृतक कृष्ण के पिता जगदीश ने दो शादियां की थी। पहली पत्नी को एक लड़का है, जो चंडीगढ़ में गुप्तचर विभाग में कार्यरत है जबकि दूसरी पत्नी की इकलौती संतान कृष्ण ही था। पुलिस के अनुसार चार-पांच दिन पहले कृष्ण के साथ आरोपितों की कहासुनी हो गई थी। कहासुनी सड़क दुर्घटना को लेकर हुई थी। इसी कहासुनी के चलते कृष्ण की गोली मारकर हत्या कर दी।

इनके खिलाफ केस दर्ज : जुलाना थाना प्रभारी कमल ने बताया कि मृतक के पिता जगदीश की शिकायत के आधार पर गांव ब्राह्मणवास निवासी अंगद व जुलाना निवासी घोलू, लजवानां खुर्द निवासी पिन्नी व तीन अन्य के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

दोस्त गाड़ी में डालकर पीजीआई लाए

घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई। सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है कि मृतक कृष्ण अपने पांच दोस्तों के साथ खड़ा है। फुटेज में एक गाड़ी आती दिखाई देती है। गाड़ी कुछ आगे जाकर बैक आती है। गाड़ी में सवार लोगों ने कृष्ण को आवाज देकर बुलाया तो कृष्ण अपने चार दोस्तों के साथ गाड़ी के पास गया। गाड़ी में बैठे युवक ने उसे गोली मार दी तो वह भागता हुआ भी दिखाई दे रहा है। उसके पांच दोस्तों ने उसे उठाकर गाड़ी में डाला और रोहतक पीजीआई ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।



गोली लगने के बाद भागता हुआ कृष्ण।

फरीदाबाद व रेवाड़ी के जवानों की हादसे में गई जान

बेटे के जन्म पर छुट्टी आ रहे जवान की हादसे में मौत

- 28 दिन पहले घर आई थीं खुशियां, 15 दिन अस्पताल में मौत से जंग लड़कर दम तोड़ा
- सैन्य सम्मान के साथ हीरापुर गांव में जवान दिनेश का किया अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय सेना में तैनात हीरापुर गांव के जवान दिनेश वशिष्ठ (28) की सड़क हादसे में घायल होने के 15 दिन बाद मौत हो गई। उनका दिल्ली के आर्मी बेस अस्पताल में इलाज चल रहा था। शनिवार को पैतृक गांव में सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। दिनेश के जाने से पीछे पत्नी और 28 दिन का बेटा रह गए हैं। हीरापुर के जिस घर में करीब एक माह पहले बेटे के जन्म की खुशियां गूंज रही थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।



फरीदाबाद में गाड़ी की ट्रक से हुई थी टक्कर

दिनेश भारतीय सेना की 48 आर्म्ड रेजिमेंट की 22 आरआर यूनिट में एसडब्ल्यूआर रैंक (सवार) पर तैनात थे। उनकी तैनाती जम्मू-कश्मीर के बारामूला में थी। करीब 7 साल पहले वह सेना में भर्ती हुए थे। दिनेश की शादी 29 नवंबर 2022 को कोसी निवासी ज्योति से हुई थी। 28 दिन पहले ही उनके घर बेटे का जन्म हुआ था। परिवार में खुशियों का माहौल था। बेटे के जन्म पर वह 2 अक्टूबर की रात छुट्टी लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान फरीदाबाद में जेसीबी चौक के पास जिस गाड़ी में वह सवार थे, उसकी ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में दिनेश गंभीर रूप से घायल हो गए। गाड़ी में उनके अलावा 5 अन्य लोग भी सवार थे, जो घायल हुए। उनकी हालत अब ठीक बताई जा रही है।

अजमेर में हादसे का शिकार हुए सेना के हेड कांस्टेबल, सैन्य सम्मान के साथ किया संस्कार



रेवाड़ी। सड़क हादसे का शिकार हुए कंवाली निवासी सीआरपीएफ के जवान वेदप्रकाश का पार्थिव शरीर शनिवार को उनके पैतृक गांव पहुंचा, जहां पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। लगभग 46 वर्षीय वेदप्रकाश सीआरपीएफ जीसी-1 ग्रुप सेंटर अजमेर में बतौर चालक हेड कांस्टेबल तैनात थे। गत 16 अक्टूबर को वह ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद अस्पताल पहुंचाए गए थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। ग्रामीणों को उनके निधन का समाचार शुक्रवार को ही मिल गया था। इसके बाद उनके निवास पर शोक प्रकट करने के लिए ग्रामीणों का तांता लगना शुरू हो गया था। वेदप्रकाश का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह उनके गांव पहुंचा। बाद में उनका सैन्य सम्मान के अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े बेटे ने मुखाग्नि दी। सीआरपीएफ की एक टुकड़ी ने उन्हें सलामी देकर मातमी धुन बजाई। हेड कांस्टेबल वेद प्रकाश के अंतिम संस्कार के समय सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर मैनपाल, डहीना चौकी प्रभारी विक्रम सिंह, डहीना ब्लॉक समिति चेयरमैन करनपाल, सरपंच प्रतिनिधि देशराज सहित बड़ी संख्या में गांव के लोग मौजूद रहे।

पिस्तौल रखने में लापरवाही पर दोस्त का पिता पकड़ा

- आदमपुर में 12 वर्षीय बच्चे की गोली लगने से मौत मामले में आरोपी नाबालिग दोस्त को बाल सुधार गृह भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आदमपुर

दोस्त के घर गोली लगने से 12 वर्षीय दैविक गोयल की मौत के मामले में पुलिस ने नाबालिग आरोपी के पिता गौतम सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, गौतम सिंह को असलहा रखने में लापरवाही बरतने के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। मामले में संलिप्त आरोपी नाबालिग बालक पहले ही बाल सुधार गृह, फरीदाबाद भेजा जा चुका है। पुलिस ने घटनास्थल से पिस्तोल और कारतूस भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, इस संबंध में मंडी आदमपुर निवासी रवि गोयल ने शिकायत में बताया था कि उनका 12 वर्षीय बेटा दैविक गोयल 13 अक्टूबर की शाम को अपने दोस्त के घर स्कूल टूर की पैकिंग करने के लिए गया था। इसी दौरान उसकी गोली लगने से मौत हो गई।



पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

पुलिस के अनुसार, दैविक गोयल की मौत के मामले की जांच के दौरान आरोपित नाबालिग के पिता गौतम की भूमिका सामने आने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस ने उसे हथियार रखने में लापरवाही बरतने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा घर से 32 बोर का पिस्तौल और कारतूस बरामद किए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिस उक्त पिस्तौल का लाइसेंस रद करवाने के लिए आग्रह करेगी।

आदमपुर थाना प्रभारी हरिश चंद्र शर्मा ने बताया कि इस मामले में संलिप्त मृतक दैविक गोयल के सहपाठी नाबालिग छात्र को पुलिस ने शुक्रवार को बाल सुधार गृह फरीदाबाद भेज दिया। वहीं, उसके पिता की गिरफ्तारी के बाद मामले में पुलिस की कार्रवाई आगे बढ़ी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से पिता-पुत्र की मौत

कालांवाली। तारुआना के समीप ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। मृतकों की पहचान विनोद और राजेंद्र कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके से फरार हो गया। कालांवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में उत्तरप्रदेश के बदायूं के गांव कछला निवासी अमन कुमार ने बताया कि उसके पिता विनोद और दादा राजेंद्र कुमार बाइक पर सवार होकर सिंघपुरा स्थित ईंट भट्ठे से राशन लेने मंडी कालांवाली गए थे। वापस लौटते समय कालांवाली-दादू रोड पर गांव तारुआना के समीप ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में उन दोनों की मौत हो गई। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

टेप लपेटकर महिला की हत्या में परिजनों ने किया रोड जाम



गुरुग्राम। महिला की हत्या के विरोध में सड़क पर लेटकर जाम लगाते परिजन।

- लूट को केवल दिखावा मानकर भी पुलिस कर रही है जांच, पुरानी रंजिश की भी आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

दौलाह गांव में शिक्षक की पत्नी नीतू (35) की हत्या के विरोध में शनिवार दोपहर को परिजनों ने सोहना-गुरुग्राम नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया। सड़क पर लेटकर परिजनों ने कहा कि हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी तक न तो शव का पोस्टमॉर्टम करवाएंगे और न ही शव लेंगे। करीब दो घंटे बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद परिजनों ने जाम खोला।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। शुरुआती जांच में सामने आया कि हत्या को लूट का रूप देने के लिए घर का सामान बिखेरा गया था। गहने और नीतू का मंगलसूत्र सुरक्षित मिले हैं, हालांकि कुछ नकदी गायब होने की बात सामने आई है। पुलिस लूट के साथ रंजिश के एंगल से भी जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि एक सीसीटीवी फुटेज में 2 बाइक पर सवार संदिग्ध लोग दिखे हैं। इनमें से एक बाइक पर सवार 2 युवक घर के अंदर गए थे। शुक्रवार को नीतू का शव घर के बाथरूम में मिला था। उसके हाथ पीछे बंधे थे और मुंह पर पैकिंग टेप की कई परतें चिपकी थीं। वारदात के समय पति प्रशांत बच्चों को लेकर अपने स्कूल गए थे। लौटने पर उन्हें हत्या का पता चला। हत्या के 24 घंटे बाद भी मामला न सुलझने पर परिजन भड़क गए और उन्होंने नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया।

भिवानी निजी बस हादसे में घायल कंडक्टर की भी मौत

हांसी। भिवानी में शुक्रवार को हुए निजी बस के पलटने से हुए हादसे में घायल कंडक्टर नवीन (35) की भी शनिवार शाम मौत हो गई। वह हांसी की आंबेडकर कॉलोनी का रहने वाला था। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे हांसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार रात ऑपरेशन के दौरान उसका बायां पैर काटना पड़ा था। दाएं पैर की तीन उंगलियां भी काटनी पड़ी थीं। शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, हार्ट अटैक आने से उसकी मौत हुई। बता दें कि ब्रेकर पर अनियंत्रित होकर बस पलट गई थी। इस हादसे में दो सवारियों की भी जान गई थी। सवारियों ने चालक पर तेज रफ्तार में चलाने का आरोप लगाया था।

रेलवे ट्रैक के पास मिला सड़ा हुआ शव जेब में थी बाइक और घर की चाबियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

बसई धनकोट रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक के नजदीक संदिग्ध परिस्थितियों में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद हुई। शव की हालत बेहद खराब थी और वह पूरी तरह सड़-गल चुका था। मृतक की उम्र करीब 45 साल है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को प्राथमिक दृष्टि में लाश करीब आठ से दस दिन पुरानी प्रतीत हो रही थी। इतने दिनों तक खुले में पड़े रहने के कारण शव लगभग पूरी तरह से डिकंपोज हो चुका था। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हत्या का मामला है, आत्महत्या है या फिर किसी हादसे में उसकी मौत हुई है। पुलिस को तलाशी के दौरान मृतक की जेब से एक बाइक और फ्लैट की दो चाबियां मिली हैं। इसके अलावा, घटनास्थल के पास से स्टील का एक छोटा गिलास भी बरामद हुई है। पुलिस इन चाबियों के आधार पर लावारिस बाइकों की जांच कर रही है।

कलायत से भेजा 200 किलो पनीर यमुनानगर में जब्त

कैथल। कलायत से एक महिंद्रा पिकअप गाड़ी में भारी मात्रा में संदिग्ध पनीर यमुनानगर लाने की सूचना पर फूड सेफ्टी विभाग और पुलिस की टीम ने दशमेश कॉलोनी में घेराबंदी कर दी। जैसे ही गाड़ी वहां पहुंची, टीमों ने उसे रुकवा लिया। हालांकि, जिस समय टीम मौके पर पहुंची, पनीर लेने आए कुछ लोग पुलिस को देखकर रफूचक्कर हो गए। पकड़े गए चालक सोनू का कहना है कि वह पहली बार यह गाड़ी लेकर यमुनानगर आया है और उसे पनीर की गुणवत्ता के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

जांच में सामने आया है कि कलायत से यह संदिग्ध पनीर 150 से 200 रुपये प्रति किलो के हिसाब से खरीदा जाता था, जिसे आगे बाजारों और दुकानों पर 250 से 300 रुपये प्रति किलो के भाव से बेचा जाना था। टीम ने मौके से करीब 200 किलो संदिग्ध पनीर को अपने कब्जे में ले लिया। इसके तुरंत बाद पनीर के आवश्यक सैंपल लेकर जांच के लिए लैब में भेज दिए गए, जबकि जनता की सेहत से खिलवाड़ रोकने के लिए बाकी बचे पूरे पनीर को पश्चिमी यमुना नहर के किनारे जमीन में दफना दिया गया।

जमीन बेचकर भेजा था अमेरिका, मौत के बाद दोस्तों ने 20 लाख चंदा जुटा शव वापस भेजा

- चार अक्टूबर को हार्ट अटैक से हुई थी अनिल की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल। बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर चार साल पहले अमेरिका गए गांव बल्ला निवासी 21 वर्षीय अनिल मान की वहां पर हार्ट अटैक से मौत हो गई। शनिवार को उसका शव गांव पहुंचा तो परिवार में मातम छा गया। परिजनों के अनुसार, अनिल दसवीं कक्षा तक पढ़ा था। उसके भविष्य के लिए पिता शिवपाल ने करीब डेढ़ एकड़ जमीन बेचकर उसे अमेरिका भेजा था। उसे डंकी रूट से विदेश भेजने पर परिवार ने लगभग 45 लाख रुपये खर्च किए थे।

परिजनों ने बताया कि चार अक्टूबर को अमेरिका में अनिल की तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने हार्ट अटैक की जानकारी दी। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

अनिल की मौत के बाद उसका शव भारत लाने के लिए परिवार ने एजेंट से संपर्क किया। परिजनों के अनुसार, शव लाने की प्रक्रिया में करीब 25 लाख रुपये खर्च होने की बात सामने आई। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए अनिल के दोस्तों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया और करीब 20 लाख रुपये का फंड जुटाया। इस आर्थिक सहयोग से शव भारत लाने की व्यवस्था की गई। अनिल अपने पिता का इकलौता बेटा था। शनिवार को शव गांव पहुंचने पर परिजनों ने अंतिम दर्शन किए। इसके बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में शिवपुरी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

अपराध | नवी मुंबई से चला ट्रक नहीं पहुंचा दिल्ली के खारी बावली बाजार

2 करोड़ की लौंग से भरा ट्रक चोरी, असम में बेचने की थी योजना

- आरोपियों ने गुरुग्राम में ट्रक खाली करके माल दो अन्य ट्रकों में भरा
- पुलिस ने नूंह जिले के दो व असम के एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

नवी मुंबई से दिल्ली के खारी बावली बाजार जा रहे लौंग से भरे ट्रक को गुरुग्राम में चोरी कर लिया गया। इसमें करीब दो करोड़ रुपये कीमत की 20 टन 900 किलो लौंग के 300 कट्टे भरे हुए थे। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयोग किए गए दो ट्रक बरामद कर लिए हैं। आरोपियों की पहचान मनन निवासी रानियाला पटकपुर जिला नूंह, जुनैद निवासी गांव बिछोर, जिला नूंह और अजीज निवासी बिलपतरी जिला बारपेटा, असम के रूप में हुई। इस लौंग को ये लोग असम में बेचने की तैयारी में थे। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने लौंग से भरे ट्रक को गुरुग्राम में एक सुनसान जगह खाली कर माल को दो ट्रकों में शिफ्ट किया। आरोपी माल को असम में ले जाकर बेचने की फिराक में थे। बताया जा रहा है कि 14 अगस्त को एबीसी एक्सप्रेस कंपनी के मैनेजर ने थाना सेक्टर-10 में एक लिखित शिकायत देकर बताया कि इनकी कंपनी के माध्यम से नवी मुंबई से दिल्ली भेजी जाने वाली लौंग का ट्रक चोरी हो गया है। इसमें करीब 2 करोड़ रुपये का सामान था, जो महाराष्ट्र के न्हावा शेवा से एक ट्रक के माध्यम से दिल्ली भेजा गया था।

11 अक्टूबर को ट्रक चालक को माल की डिलीवरी के पते की जानकारी दी गई थी, लेकिन निर्धारित स्थान पर माल नहीं पहुंचा। कंपनी के कर्मचारियों ने चालक से मोबाइल से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उसके दोनों मोबाइल फोन बंद मिले। इसके बाद ट्रक की तलाश की गई तो वह बावल के निकट स्थित रॉयल पेपर होटल के पास खाली अवस्था में लावारिस खड़ा मिला।

जीपीएस से मिली ट्रक की लोकेशन

ट्रक की जीपीएस लोकेशन की जांच करने पर पता चला कि 12 अक्टूबर की रात को ट्रक गुरुग्राम के सेक्टर-93 क्षेत्र में था। मौके पर जांच के दौरान लौंग बिखरी हुई तथा बोरियों पर लगे मार्किंग लेबल मिले। इससे माल को इस स्थान पर उतारकर अन्य ट्रकों में लोड किया गया। क्राइम ब्रांच बिलासपुर की टीम ने राठीवास स्थित पारको फिटिंग सेंटर के नजदीक से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। वारदात में इस्तेमाल किया गया एक ट्रक आरोपी मनन का है, जबकि जुनैद उस ट्रक पर चालक के रूप में काम करता था। आरोपियों की योजना चोरी किए गए माल को असम ले जाकर बेचने की थी तथा आरोपी अजीज माल को बिकवाने में शामिल था।



लव मैरिज के बाद जमीन बेचकर पत्नी भेजी अमेरिका, लौटने पर हुई लापता

- डेढ़ साल के स्टडी वीजा पर युवती गई थी अमेरिका, छह दिन पहले ही लौटी थी
- युवक का आरोप-बेटे को छोड़कर जेवर लेकर गई है युवती दवा लेने की कहकर गई थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

उचाना थाना क्षेत्र के तहत आने वाले एक गांव से 28 वर्षीय महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। उसके पति ने बताया कि उसकी पत्नी छह दिन पहले ही विदेश से आई थी। उसे संदेह है कि उसकी पत्नी को कोई युवक भगाकर ले गया। पुलिस ने पति की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में युवक ने बताया कि पांच वर्ष पहले उसकी मुलाकात पानीपत की एक फैक्टरी में एक लड़की से हुई थी। उन्होंने प्रेम विवाह कर लिया। विवाह के बाद उन्हें एक बच्चा भी हुआ। उसकी पत्नी अमेरिका जाने की जिद करने लगी, जिस पर उसने अपनी एक एकड़ जमीन बेचकर अपनी पत्नी को स्टडी वीजा पर विदेश भेज दिया। युवक ने कहा कि उसकी पत्नी के विदेश जाने के बाद बच्चे को उसने अपने पास ही रखा और पत्नी के आने का इंतजार किया।

अमेरिका से 8 अक्टूबर को लौटी थी

अब आठ अक्टूबर को उसकी पत्नी विदेश से आई थी। 14 अक्टूबर को उसकी पत्नी दवा लेने की बात कहकर घर से गई थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। उसकी पत्नी कुछ जेवरात भी साथ ले गई। युवक ने बताया कि उन्होंने अपने स्तर पर युवती की बहुत तलाश की, लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला। उसे संदेह है कि कोई युवक उसकी पत्नी को भगाकर ले गया है। उचाना थाना के जांच अधिकारी हरिकेश ने बताया कि पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बांग्लादेश के रिजॉर्ट में आग, 10 की मौत

बिना फायर सेफ्टी लाइसेंस के चल रहा था रिजॉर्ट

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में शनिवार सुबह समुद्र किनारे बने एक रिजॉर्ट में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक ही परिवार के 6 सदस्य शामिल हैं। आग सुबह करीब 7:25 बजे टुपटुप रेस्टो एंड रिजॉर्ट में लगी। तीन मंजिला लकड़ी की इमारत आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। रिजॉर्ट के पास आग से बचाव के इंतजामों की मंजूरी नहीं थी। जून में चेकिंग के दौरान अधिकारियों ने इसे लेकर चेतावनी भी दी थी। बांग्लादेश के अखबार प्रोथोम आलो ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। इसके बाद यह आग एयर कंडीशनर में लगी। गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने की असली वजह का पता चल सकेगा। आग लगने के समय रिजॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे। इनमें से 4 से 5 लोग किसी तरह बाहर निकलने में कामयाब रहे। बाकी लोगों के बारे में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

लंदन में पीएम मोदी के समर्थन में निकाली रैली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लंदन में प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने तिरंगा लहराया और प्रधानमंत्री के पक्ष में नारे लगाए। 'भारत माता की जय', 'मोदी-मोदी' और 'जय श्री राम' नारे लगा प्रधानमंत्री और भारत सरकार के प्रति अपना समर्थन जताया। मौजूद लोगों ने कहा कि वो विदेशों में भारत की छवि बचाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उनका मानना है कि कुछ प्रदर्शन ऐसे हैं, जिनका मकसद देश की साख को नुकसान पहुंचाना है। लंदन में रहने वाले एक भारतीय न्यूज एजेंसी से बातचीत में बताया कि इस सभा का उद्देश्य उन कोशिशों का विरोध करना था, जिन्हें वे भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की कोशिश मानते हैं।

लंदन में प्रवासी भारतीयों ने कहा कि वो विदेशों में भारत की छवि बचाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उनका मानना है कि कुछ प्रदर्शन ऐसे हैं, जिनका मकसद देश की साख को नुकसान पहुंचाना है



लंदन में भारतीय दूतावास के बाहर मोदी के समर्थन में प्रदर्शन करते प्रवासी भारतीय

पेशी से पहले यूट्यूबर ध्रुव राठी निकल गए लंदन



गुरुग्राम। यूट्यूबर ध्रुव राठी से जुड़े वर्ष 2018 के आपराधिक मानहानि मामले में शनिवार को दिल्ली की साकेत कोर्ट में सुनवाई हुई। ध्रुव राठी की ओर से अधिवक्ता अदालत में पेश हुए। उन्होंने बताया कि राठी लंदन चला गया है, इस कारण वह व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश नहीं हो सकता। आपराधिक मानहानि मामले में शनिवार को साकेत कोर्ट ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। दो दिन पहले कोर्ट ने राठी को समन जारी कर व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था।

सेना ने चलाया सर्च अभियान

कश्मीर के कुपवाड़ा में दो आतंकी मार गिराए

कुपवाड़ा (एजेंसी)। कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास शनिवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई।

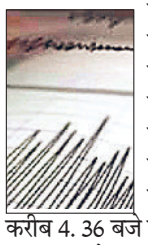
एलओसी के पास सुबह साढ़े तीन बजे हुई मुठभेड़

अधिकारियों के मुताबिक, अब तक दो आतंकी मारे गए हैं। पहले इस घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे या नहीं। सेना के मुताबिक, कुपवाड़ा स्थित केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में शनिवार सुबह करीब 3:30 बजे सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। 12 अक्टूबर को पुंछ जिले में एलओसी के पास कृष्णा घाटी सेक्टर से जुड़े इलाके में धमाका हुआ था और 4 लोग मारे गए थे।

खबर संक्षेप

शिमला जिले में 4.1 तीव्रता का भूकंप

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में शनिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके राज्य की राजधानी शिमला से लगभग 130 किलोमीटर दूर रामपुर क्षेत्र में महसूस किए गए। तड़के करीब 4. 36 बजे पर कुछ सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।



ट्रंप की नई प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया की छुट्टी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया को पद संभालने के 4 दिन के अंदर हटा दिया गया है। उनके शुरुआती कामकाज के दौरान योग्यता को लेकर सवाल उठे थे। साथ ही मीडिया के सामने उनकी प्रस्तुतियों की भी आलोचना हुई थी। जकारिया को पद से हटा दिया गया है। उनकी अचानक विदाई ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में दो हफ्ते से कुछ ज्यादा समय बचा है।



समुद्र में मिली 9000 साल पहले डूबी बस्ती

कैनबरा। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तट पर पानी के नीचे मिले पत्थर के औजारों से एक्सपर्ट को अहम जानकारी मिली है। रिसर्च से पता चलता है कि यहां कभी मीठे पानी का झरना था और यह जगह शायद आदिवासी समुदायों के इकट्ठा होने के लिए थी। यह जगह 9,000 साल पहले समुद्र में डूब गई थी। कई एक्सपर्ट का मानना है कि यहां मिली वस्तुएं उससे भी ज्यादा पुरानी हो सकती हैं। ये खोज उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के मुरुजुगा में हुई हैं। शोधकर्ताओं को पानी के नीचे दो जगहों पर पत्थर की 21 चीजें मिली हैं।

राजनाथ की चेतावनी से तिलमिलाया पाकिस्तान

इस्लामाबाद। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से सीमा पार आतंकवाद की किसी भी नई घटना पर जवाब की चेतावनी से पाकिस्तान तिलमिलाया है। उसके एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने कहा है कि किसी भी 'मिस कैलकुलेशन' का जवाब ऐसा होगा, जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। इस बयान को दोनों देशों के बीच बढ़ते बयानबाजी के तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है।

सीजेआई ने बेंगलुरु में कॉन्वोकेशन में स्टूडेंट को किया संबोधित

संस्थान में उथल पुथल चल रही थी
अनिश्चितता के बीच बाहरी ताकतों की वजह से लगा यह 'मौका' शायद न आए

सीजेआई सूर्यकांत की यह टिप्पणी हाल के हफ्तों में संस्थान के आस-पास चल रही उथल-पुथल के बीच आई है। लेकिन, ऊहापोह के बावजूद 34वां सालाना कॉन्वोकेशन तय समय पर हुआ।



एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

सीजेआई और नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के चांसलर, जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कुछ बाहरी ताकतों की वजह से अनजाने और दुर्भाग्यपूर्ण हालात ने 34वें सालाना कॉन्वोकेशन को लेकर अनिश्चितता पैदा कर दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह मौका शायद वैसा न हो जैसा हमने उम्मीद की थी। बेंगलुरु में कॉन्वोकेशन में ग्रेजुएट हो रहे स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि कुछ बाहरी ताकतों की वजह से कुछ अनचाही और दुर्भाग्यपूर्ण हालात अपने साथ अनिश्चितता की भावना लेकर आए और कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह मौका शायद वैसा न हो जैसा हमने उम्मीद की थी। सीजेआई की यह टिप्पणी हाल के हफ्तों में संस्थान के आस-पास चल रही उथल-पुथल के बीच आई है। अनिश्चितता के बावजूद 34वां सालाना कॉन्वोकेशन तय समय पर हुआ। फैकल्टी मेंबर्स, जाने-माने लोगों और ग्रेजुएट्स के परिवारों की मौजूदगी में डिग्री दी।

फैकल्टी मेंबर्स और ग्रेजुएट्स के परिवारों की मौजूदगी में डिग्री दी



कार्यक्रम के पहले राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ सीजेआई

आपके फैसले न्याय के बड़े ढांचे में योगदान देंगे

उन्होंने कहा कि कानून, जैसा कि आप जल्द ही अपने जीते-जागते रूप में देखेंगे, रुका हुआ नहीं है। यह सांस लेता है, और इसे मानने वालों के दिमाग और कामों से विकसित होता है। आप जिन मामलों में बहस करते हैं, जो कॉन्ट्रैक्ट आप बनाते हैं, जो सलाह आप देते हैं और जो फैसले आप लिखते हैं, वे सभी हमारे देश में न्याय के बड़े ढांचे में योगदान देंगे।

लॉ के छात्रों से सीजेआई ने कहा

कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं, समाज के लिए भी काम करें

सीजेआई ने छात्रों से न्याय कायम रखने, स्वतंत्रता की रक्षा करने और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में साहस, ईमानदारी और उन लोगों की बात सुनने की क्षमता जरूरी है, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है। सीजेआई ने कहा कि कानूनी शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उद्देश्य छात्रों को अलग-अलग विचारों और नजरियों को समझने तथा समाज की सेवा करने के लिए तैयार करना भी है।

न्याय के लिए साहस और संवेदनशीलता जरूरी

कानूनी पेशे की जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए सीजेआई ने कहा कि इसके लिए कानूनों और अदालती फैसलों की जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है। न्याय के पक्ष में खड़े होने का साहस और उन लोगों की चिंताओं को समझने की विनम्रता भी जरूरी है, जिनकी बातों पर ध्यान नहीं होता।

दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़कों की खराब हालत पर भड़के सुप्रीम कोर्ट के जज

तो हम धरने पर बैठ जाएंगे, जब तक काम नहीं होगा...

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के पास सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा। कोर्ट ने अधिकारियों की फटकार लगाईQj अल्टीमेटम दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर 25 नवंबर तक ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हम खुद हाई कोर्ट के मुख्य गेट के पास धरने पर बैठ जाएंगे।

काम पूरा होने तक धरने पर बैठेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की फटकार लगाते हुए कहा kf अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो हम दोनों (जेबी पारदीवाला और केवी विनोद चंद्रन) दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य गेट पर बैठ जाएंगे और तब तक घर नहीं जाएंगे, जब तक आप काम पूरा नहीं कर लेते । यह भी पक्का है हम आपकों भी घर नहीं जाने देंगे।

कासरगोड की अदालत ने सुनाया फैसला

एसडीपीआई कार्यकर्ता की हत्या मामले में 21 बरी

एजेंसी ▶▶ कासरगोड (केरलम)

कासरगोड की एक अदालत ने 2014 में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के कार्यकर्ता जैनुल आबिद की हत्या के मामले में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 21 कार्यकर्ताओं को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर आरोप साबित नहीं कर पाया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अचिंत्जय राज उन्नी ने फैसला सुनाते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया। बरी किए गए लोगों में भाजपा के स्थानीय नेता महेश के., उदयन, प्रशांत, प्रताप और हरीश बी. शामिल हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने 81 गवाहों से सवाल-जवाब किए और 20 भौतिक साक्ष्यों तथा 150 दस्तावेजों पर विचार किया। आबिद की हत्या 22 दिसंबर 2014 की रात कासरगोड में पुराने बस अड्डे के पास हुई थी। तलंगरे कुन्निल निवासी 24 वर्षीय आबिद एसडीपीआई समर्थक थे। घटना की रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने पिता के. ए. मोहम्मद कुन्ही की गद्दों की दुकान बंद करने में मदद कर रहे थे। तभी धारदार हथियारों से लैस हमलावरों के एक समूह ने कथित तौर पर दुकान में घुसकर उन पर हमला कर दिया। आबिद की चीखें सुनकर दुकानदार मौके पर पहुंचे लेकिन हमलावर फरार हो गए।

अमेरिकी सांसदों पर भड़के पूर्व विदेश सचिव

जहर उगलने वाले ये हाशिए के नेता, सिर्फ शोर मचा रहेः कंवल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को लेकर अमेरिका के 6 सांसदों की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो को लिखी गई चिट्ठी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस पहल को महज शोर-शराबा बताते हुए कहा कि इससे भारत में अमेरिका के प्रति नकारात्मक धारणा बनेगी। सिब्बल ने अमेरिकी सांसदों की आलोचना करते हुए कहा कि इस याचिका का कोई खास महत्व नहीं है।

6 अमेरिकी सांसदों ने मार्को रुबियो को लिखी चिट्ठी



अमेरिका के 6 सांसदों ने भारत में चल रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए मानवाधिकारों को लेकर चिंता जताई है। इस संबंध में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को चिट्ठी लिखी गई है। इस पर प्रमिला जयपाल, जेम्स पी. मैकगवर्न, जीसस जी. चुई गार्सिया, रशीदा तलीब, एलेनोर होम्स नॉर्टन और इल्हान उमर ने हस्ताक्षर किए हैं। सांसदों ने अपनी चिट्ठी में भारत में विरोध प्रदर्शन और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चिंता जाहिर की है।

यूक्रेनी सेना के युद्ध अभियान पर पड़ा असर
यूक्रेन में स्टारलिंक की स्पीड घटाने से भड़क गए राष्ट्रपति जेलेंस्की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी अपनी सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को भारत में लॉन्च करने के लिए काफी दिलचस्पी दिखा रही है। यही कारण है कि मस्क ने मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो को लेकर कई विवादित बयान दिए।

रिलायंस ने भी पलटवार किया। अंबानी की कंपनी ने कहा कि वह प्रतिस्पर्धा से नहीं डरती है बल्कि सभी का स्वागत करती है। इसके बाद एलन मस्क के तेवर नरम पड़े और उन्होंने आभार प्रकट किया। दोनों ही कंपनियों



के बीच फिलहाल झगड़ा खत्म हो गया है। हालांकि, रूस-यूक्रेन युद्ध में स्टारलिंक की भूमिका पर सवाल खड़े होने लगे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स द्वारा संचालित स्टारलिंक नेटवर्क ने अचानक ड्रोन उड़ानों की इंटरनेट कनेक्टिविटी स्पीड पर रोक लगा दी।

जेलेंस्की के आरोपों पर मस्क ने दी सफाई

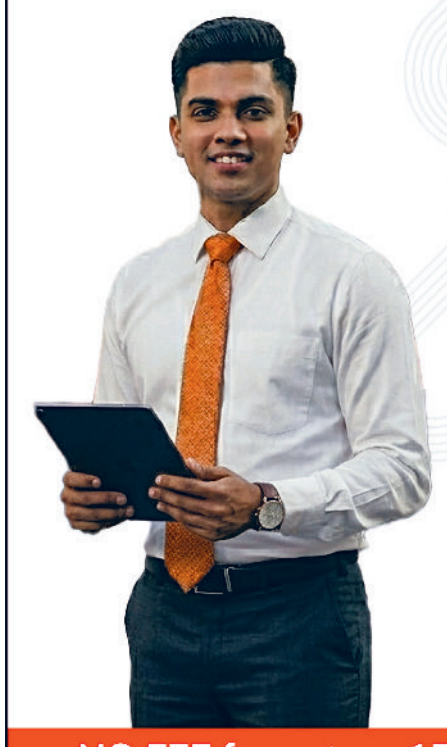
यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस कदम पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे केवल तकनीकी खराबी मानने से इनकार किया। दूसरी तरफ एलन मस्क ने एक्स पर सफाई देते हुए कहा कि सैन्य-ग्रेड सेवा स्टारशील्ड का नियंत्रण सीधे अमेरिकी रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रपति के हाथों में है। उन्होंने कहा कि स्टारलिंक का उपयोग व्यावसायिक और रक्षात्मक कार्यों तक ही सीमित है।

भारत से मदद मांगेंगे नेपाली पीएम शाह



काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की नई दिल्ली की प्रस्तावित यात्रा के दौरान, नेपाल भारत से एक बड़े सहायता पैकेज की मांग कर रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि शाह 22 या 23 नवंबर को नई दिल्ली जा सकते हैं। प्रधानमंत्री की प्रेस सलाहकार दीपा दहाल ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री के नवंबर के आखिरी दिनों में भारत जाने की संभावना है। वह भारत में कितने दिन रहेंगे, यह अभी तय नहीं हुआ है।

ITM Skills ACADEMY



Start Your Banking Career with ICICI Bank

Get trained and placed as a Relationship Manager with zero cost to you

NO FEE for Training+Stay+Food | 15 Days Residential Training | ₹ 3 lakh Onwards Annual CTC

Who can apply
- Any Full-time Graduate / Post Graduate with 50% marks or equivalent CGPA in 10th, 12th and Graduation
- Age below 25 years
- 0–11 months experience
- Open to relocation

B.Sc Agri, CAs, Engineers, MBAs & MCAs are not eligible.

Apply Online
Scan QR Code to Apply

*T&C Apply

Call for more information 7042 757 515 / 89768 38442

Recruiters / Channel Partners for ITM Skills Academy tie-ups: 7710097332.

यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का-लिंकन की प्रोफेसर का आइडिया आया काम

प्लास्टिक के बैग से सियूक्स सिटी में कर दिखाया नवाचार
अमेरिकी इंजीनियरों ने शहर के कचरे से बना दी सड़क 3 साल बाद मिले नतीजे, क्या दुनियाभर में होगा प्रयोग

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

दुनियाभर में बीते कुछ दशकों में बढ़ता कूड़ा एक बड़ी मुश्किल बन रहा है तो वहीं सड़कों का जाल बिछाना भी सभी देशों के लिए जरूरी है। ऐसे में अगर कूड़े का इस्तेमाल सड़क बनाने में हो जाए तो ये दोहरे फायदे का सौदा हो सकता है।

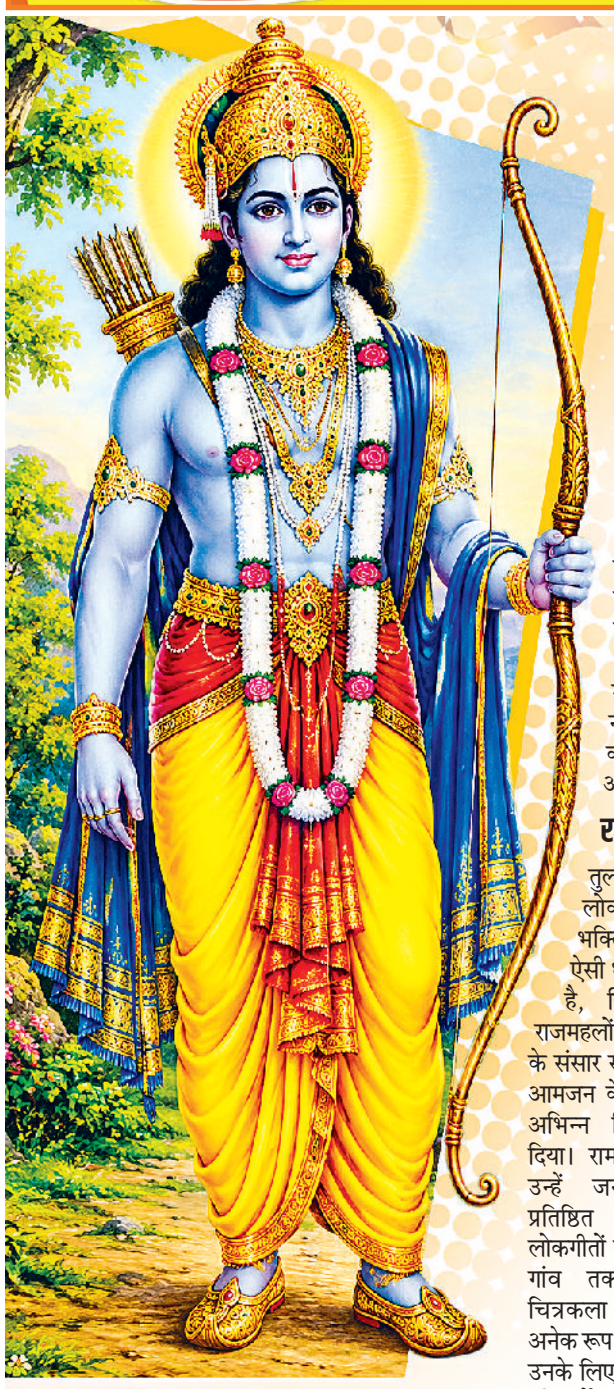
अमेरिकी स्टेट नेब्रास्का के साउथ सियूक्स सिटी में प्लास्टिक बैग से सड़क बनाई गई है। बीते साल पूरे हुए इस प्रोजेक्ट में सियूक्सलैंड फ्रीडम पार्क के पास फाउंड्री रोड



के 4,000 फीट हिस्से पर डामर की ऊपरी तीन इंच की परत में 20 लाख कटे-फटे बैग मिलाए गए हैं। सड़क में प्लास्टिक इस्तेमाल के इस विचार के पीछे यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का-लिंकन की प्रोफेसर जैमिला टेक्सीरा का दिमाग है। उन्होंने रिसर्च किया कि डामर में बेकार प्लास्टिक का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। उन्होंने इस पर काम किया कि मिश्रण दरार पड़ने, गड्ढे बनने और नमी होने पर कैसे काम करता है। इस विचार को एक असली सड़क प्रोजेक्ट में बदल दिया।

सड़क निर्माण की अनोखी सामग्री

दक्षिण-पूर्वी टेक्सास में किया गया यह प्रोजेक्ट कचरे के एक ऐसे प्रकार को निर्माण सामग्री में बदलने के शुरुआती उदाहरणों में से एक था, जिसका निपटान करना मुश्किल होता है। इस मिश्रण में वजन के हिसाब से 89% इंसिनरेटर ऐश, 9% डामर और 2% चूना शामिल था। यानी सड़क के बेस में इस्तेमाल की गई ज्यादातर सामग्री कचरे से आई थी। यह प्रयोग इसलिए खास था क्योंकि राख का इस्तेमाल किसी प्रयोगशाला में टेस्ट करने के बजाय सीधे एक असली सड़क बनाने में किया गया था। यह कचरे की बढ़ती समस्या से निपटने का एक व्यावहारिक प्रयास भी था। इसमें एक ऐसी सामग्री का उपयोग किया गया, जो अन्यथा लैंडफिल (कचरा डंप करने की जगह) में ही जाती रही है।



विशेषः विजय दशमी, 20 अक्टूबर

विजय दशमी का पर्व आततायी रावण पर श्रीराम की विजय के उल्लास में मनाया जाता है। लेकिन श्रीराम का विराट चरित्र केवल रावण का वध करने की वजह से ही हमारे लिए पूजनीय नहीं है। वे अगर युगों से आज भी भारतीय जनमानस में आदर्श पुरुषोत्तम के रूप में प्रतिष्ठित हैं, तो इसकी वजह है कि उन्होंने संपूर्ण मनुष्यता के लिए मर्यादा स्थापित की। इसीलिए अनेक भाषाओं, संस्कृति और सभ्यताओं में वे प्रतिष्ठित हैं।

भारत के जन-मन में युगों से विराजमान हैं श्रीराम

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

सदियों से विजय दशमी की रात रावण का पुतला दहन किया जाता है। आतिशबाजी थमती है। भीड़ लौट जाती है और मैदान में बच जाती है कुछ राख। लेकिन श्रीराम की कथा यहीं नहीं खत्म होती। अगले दिन भी श्रीराम मौजूद रहते हैं, अगले वर्ष भी और अगली पीढ़ी में भी। यही श्रीराम की सबसे बड़ी विशेषता है। वे किसी एक कथा के नायक नहीं हैं, समूची भारतीय सभ्यता के अविराम नायक हैं। 'अविराम' यानी जिसके प्रवाह में कोई विराम न हो। राम का यही स्वरूप उन्हें दूसरे महान चरित्रों से अलग एक विशिष्ट प्रतिष्ठा प्रदान करता है। वे किसी एक ग्रंथ में बंद नहीं हैं, किसी एक भाषा के नहीं हैं और न ही किसी एक युग भर की जरूरत हैं। वे जितने वाल्मीकि के हैं, उतने ही तुलसी के हैं। जितने संस्कृत के हैं, उतने ही अवधी के हैं। वह जितने तमिल, तेलुगू, बांग्ला, उड़िया, मराठी, मलयालम के हैं, उतने ही असंख्य लोकभाषाओं के भी हैं। वह जितने ग्रंथों में हैं, उससे कहीं ज्यादा लोकस्मृति और लोकचेतना में भी व्याप्त हैं।

आत्मसंयम की विराट चेतना

श्रीराम की पहली विराट साहित्यिक छवि हमें वाल्मीकि के रामायण में मिलती है। यहां श्रीराम का नायकत्व केवल उनके शौर्य में नहीं है, वे एक ऐसे महापुरुष के रूप में सामने आते हैं, जिसके सामने जीवन लगातार अपने कठिन से कठिन निर्णय रखता है। राजपाट छोड़ना, वन गमन, प्रिय का वियोग सहना, मित्र बनाना, युद्ध करना और विजय के बाद अयोध्या लौटना। श्रीराम की यात्रा दरअसल, बाहरी युद्ध से कहीं अधिक अंतर्संघर्ष की यात्रा है। यही कारण है कि श्रीराम के नायकत्व को आत्मसंयम की विराट चेतना माना जाता है। भारतीय सभ्यता ने उन्हें केवल पूजा नहीं, उन्हें बार-बार इसलिए पुनर्सृजित किया है कि कोई भी युग बिना श्रीराम के आदर्श नायकत्व के अधूरा है।

रामकथा का भौगोलिक विस्तार

तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' के माध्यम से राम को लोकभाषा और भक्ति की एक ऐसी धारा में उतारा है, जिसने उन्हें राजमहलों और विद्वानों के संसार से निकालकर आमजन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बना दिया। रामलीलाओं ने उन्हें जनमानस में प्रतिष्ठित किया, लोकगीतों ने उन्हें गांव-गांव तक पहुंचाया, चित्रकला ने उनके अनेक रूप गढ़े, मंदिरों ने उनके लिए असंख्य स्थापत्य रचे और श्रीराम की वर्षों तक चली यात्राओं ने रामकथा को भौगोलिक विस्तार प्रदान किया। अयोध्या से चित्रकूट, पंचवटी से रामेश्वरम तक फैला भूगोल आज भी एक ऐसी सांस्कृतिक स्मृति का विस्तार है, जिसमें रामकथा और उनके साक्षी रहे अनेक स्थल एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं, यही राम की सभ्यतागत महाशक्ति है।







स्थापित किया मर्यादा का आदर्श

भारतीय जनमानस में श्रीराम के साथ ही श्रीकृष्ण और शिव भी युगों से आराध्य हैं। श्रीकृष्ण भारतीय चेतना में जटिल परिस्थितियों के बीच, विवेक, रणनीति और जीवन की बहुरंगी लीला के नायक हैं, जबकि शिव विराग, तप, संहार और पुनर्सृजन का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्रीराम का विराट स्वरूप ऐसा है कि वे संसार से दूर नहीं जाते और न ही हर परिस्थिति को अपनी इच्छा के मुताबिक मोड़ते हैं। वे संसार के भीतर रहकर मर्यादा का अर्थ खोजते हैं। श्रीकृष्ण हमें बताते हैं कि जटिल संसार में धर्म को कैसे पहचाना जाए? शिव हमें चेताते हैं कि आसक्ति से परे उठना क्या होता है? लेकिन राम अपने जीवन से संदेश देते हैं कि मनुष्य होकर अपनी शक्ति, इच्छा और अधिकार को मर्यादा में कैसे रखा जाए? इसलिए श्रीराम का चरित्र भारतीय सभ्यता के लिए केवल धार्मिक आदर्श नहीं है, उनके जीवन से आदर्श सामाजिक संरचना का भी एक आधार रूप निर्मित होता है।

सामाजिक सहभागिता के पोषक

श्रीराम की कथा में एक और महत्वपूर्ण बात निहित है। उनकी विजय अकेले उनकी विजय नहीं है। राम जब वन में जाते हैं तो निषादराज उनके साथ मित्रवत खड़े दिखाई देते हैं। सुग्रीव और वानर समुदाय उनके संघर्ष में सहभागी बनते हैं। हनुमान, उनकी शक्ति का विस्तार बनते हैं, तो विभीषण शत्रु पक्ष से निकलकर उनके साथ आते हैं। कहने का मतलब रामकथा एक ऐसे नायक की कथा भी है, जो विविध समुदायों को साथ लेकर अपनी लोकयात्रा पूरी करता है। इस दृष्टि से भी श्रीराम भारतीय सभ्यता की बहुलतावादी स्मृति के नायक हैं।

प्रशस्त करते हैं आदर्श जीवन की राह

श्रीराम मर्यादित आदर्श जीवन की राह भी बताते हैं- शक्ति मिलने के बाद मनुष्य कैसा रहे? अधिकार मिलने के बाद उसका आचरण कैसा हो? निजी सुख और सार्वजनिक दायित्व में टकराव हो तो क्या चुना जाए? विजय के बाद अहंकार से कैसे बचा जाए और सबसे कठिन प्रश्न- क्या महान होना केवल दूसरों पर विजय पाना है या स्वयं पर नियंत्रण रखना भी महानता है? शायद इसी कारण श्रीराम की सबसे बड़ी विजय लंका पर विजय नहीं है, उनकी सबसे बड़ी विजय उस निरंतर मानवीय प्रयास में है, जिसमें मनुष्य शक्ति के बावजूद मर्यादा, संकट के बावजूद धैर्य और विजय के बावजूद आत्मसंयम बनाने की कोशिश करता है। *

विश्वव्यापी हैं श्रीराम

श्रीराम की कथा भारत की भौगोलिक सीमाओं तक ही नहीं सिमटती है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की अनेक सांस्कृतिक परंपराओं में रामायण के अलग-अलग रूप मिलते हैं। कहीं श्रीराम आदर्श राजा हैं, कहीं राम नायक हैं, कहीं सांस्कृतिक पूर्वज और कहीं लोककथा के पात्र हैं। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में कथा बदलती रही, पात्रों के नाम और अर्थ भी बदलते रहे, लेकिन श्रीराम की उपस्थिति निरंतर बनी रही। वास्तव में यही उनके अविराम होने का अर्थ है। श्रीराम, हर युग में एक जैसे नहीं रहे और शायद उन्हें एक जैसा रहना भी नहीं था। किसी युग ने उनमें मर्यादा देखी, किसी ने लोकमंगल, किसी ने आदर्श शासक, किसी ने त्याग, किसी ने करुणा और किसी ने मनुष्य के नैतिक संघर्ष का नायक।



धर्म-सत्य-आत्मविजय का प्रतीक पर्व है दशहरा

निहितार्थ / वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक माना जाता है। हिंदू परंपरा में इस पर्व से भगवान श्रीराम द्वारा रावण के वध और देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के संहार की कथाएं जुड़ी हैं। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे अपनी-अपनी परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व का धार्मिक महत्व तो है ही, इसके साथ शस्त्र पूजन, शमी पूजन और नए कार्यों के शुभारंभ जैसी परंपराएं भी जुड़ी हुई हैं।

रावण पर श्रीराम की विजयः दशहरे की सबसे प्रसिद्ध कथा रामायण से जुड़ी है। सीता हरण के बाद श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ। अंततः श्रीराम ने रावण का वध किया। इसी स्मृति में दशहरे पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाता है। इसका संदेश केवल किसी पुतले को जलाने तक सीमित नहीं है। यह अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय जैसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने के संकल्प का भी प्रतीक माना जाता है।



महिषासुर मर्दन की कथाः विजय दशमी का संबंध देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा से भी है। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित मान्यता के अनुसार महिषासुर को ऐसा वरदान प्राप्त था कि कोई पुरुष उसका वध नहीं कर सकता था। वरदान के कारण उसका अहंकार बढ़ गया और उसने तीनों लोकों में उत्पात मचा दिया। देवताओं की शक्तियों के समन्वय से देवी दुर्गा का प्राकट्य हुआ। देवी ने महिषासुर से नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया। इसी कारण विजय दशमी को शक्ति और अनिष्ट पर विजय का प्रतीक माना जाता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित कई क्षेत्रों में यह दिन विशेष उत्साह से मनाया जाता है।

श्रीराम-दुर्गा पूजनः दशहरे के दिन भगवान श्रीराम और देवी दुर्गा की पूजा करने की परंपरा है। पूजा के लिए घर के स्वच्छ स्थान को तैयार कर वहां भगवान राम अथवा देवी दुर्गा का चित्र या मूर्ति स्थापित की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण कर पूजा स्थल को साफ करें और श्रद्धानुसार कलश स्थापित करें। कलश में जल, आम के पत्ते और नारियल रखने की परंपरा है। इसके बाद भगवान श्री गणेश का पूजन करें। उन्हें फूल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। फिर श्रीराम और देवी दुर्गा को रोली, अक्षत, पुष्प अर्पित करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं। 'ॐ दुर्गायै नमः' या 'श्री रामाय नमः' मंत्र का जाप करें। अंत में आरती करें।

पांडवों और शमी वृक्ष की परंपराः दशहरे से महाभारत की एक घटना भी जोड़ी जाती है। मान्यता है कि पांडवों ने अपने 12 वर्ष के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास के दौरान अपने शस्त्र शमी के वृक्ष पर छिपा दिए थे। अज्ञातवास पूरा होने के बाद उन्होंने विजय दशमी के दिन अपने शस्त्र वापस प्राप्त किए। इसी परंपरा के कारण दशहरे पर शस्त्रपूजन और शमी पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। प्राचीन समय में योद्धा और सैनिक विजय दशमी पर अपने शस्त्रों की पूजा करते थे। आज इस परंपरा का विस्तार हो गया है। व्यापारी अपने प्रतिष्ठान, कारीगर अपने औजार, किसान कृषि उपकरण, चालक वाहन और दूसरे पेशे से जुड़े लोग अपने कार्य में उपयोग होने वाली वस्तुओं का पूजन करते हैं। पूजा के लिए उपकरणों को साफ करके स्वच्छ स्थान पर रखें। रोली, अक्षत और पुष्प अर्पित करें। दीप जलाकर अपने कार्य में सफलता, सुरक्षा और सद्बुद्धि की प्रार्थना करें। इस परंपरा का आधुनिक अर्थ यह भी हो सकता है कि हम उन साधनों का सम्मान करें, जिनसे हमारी आजीविका चलती है और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करें। दशहरे की शाम श्रद्धालु शमी वृक्ष के पास जाकर जल, अक्षत और कुमकुम अर्पित करते हैं। इन धार्मिक विधियों का पालन अपनी पारिवारिक और क्षेत्रीय परंपरा के अनुसार किया जा सकता है।

दशहरे का संदेशः दशहरे का महत्व केवल रावण दहन या पूजा तक सीमित नहीं है। आज के समय में इसका सबसे उपयोगी संदेश आत्मचिंतन और आत्मसंयम से जुड़ा है। हम अपने भीतर के अहंकार को कैसे मिटा सकते हैं? क्रोध पर कितना नियंत्रण रख सकते हैं? दूसरों के अधिकार और सम्मान का कितना ध्यान रखते हैं? अपने काम में ईमानदारी और जिम्मेदारी कितनी निभाते हैं? ये प्रश्न विजय दशमी के अवसर पर स्वयं से पूछकर आत्मविवेचन करना चाहिए। रावण का पुतला जलाने के साथ यदि हम अपने भीतर की किसी एक नकारात्मक आदत को छोड़ने का संकल्प भी लें, तो पर्व का संदेश हमारे दैनिक जीवन से जुड़ सकता है। विजय दशमी का पर्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक विजय केवल किसी बाहरी शत्रु पर नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय पर नियंत्रण पाने में भी है। यही दशहरे की परंपरा को वर्तमान जीवन में सार्थक बनाने का उचित मार्ग है। *



दोहे
प्रो. शरद नारायण खरे

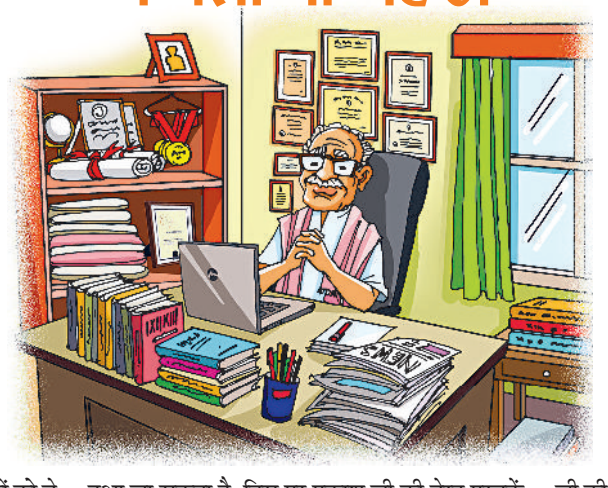
विजया दशमी के दोहे

विजया दशमी पर्व तो, कहे यही हर बार।
नीति, सत्य, सत्कर्म से, पलता है उजियार।।
अहंकार से हो सदा, इंसां की तो हार।
विनत भाव से हो सतत, मानव का सत्कार।।
मर्यादा का आचरण, करे विजय-उद्घोष।
कितना भी सामर्थ्य पर, खोना ना तुम होश।।
लंकापति मद में भरा, करता था अभिमान।
तभी हुआ संपूर्ण कुल, का देखो अवसान।।
विजया दशमी पर्व नित, देता यह संदेश।
विनत भाव से जो रहे, उससे हार क्लेश।।
निज गरिमा को त्यागकर, रावण बना असंत।
इसीलिए असमय हुआ, उस पापी का अंत।।
पुतला रावण का नहीं, जलता पाप-अधर्म।
समझ-बूझ लें आप सब, यही पर्व का मर्म।।
विजय राम की कह रही, सम्मानित हर नार।
नारी के सम्मान से, ही सुखमय संसार।।
उजियारा सबने किया, हुई राम की जीत।
आओ हम गरिमा रखें, बनें सत्य के मीत।।
कहे दशहरा मारना, अंतर का अंधियार।
भीतर जो रावण रहे, उस पर करना वार।।
बुरे कर्म ना पोसना, वरना तय अवसान।
निरभिमान की भावना, लाती है उत्थान।।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं। वह काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं।

सम्मान की शॉलें और बेनतीजा बहसें



एक हैं प्रकाश जी, दूसरे हैं परीक्षित जी। एक ही शहर में रहते हैं। दोनों में कुल जमा दो बातों को छोड़कर और कुछ भी उभयनिष्ठ नहीं है। वो ये है कि दोनों स्वयं की दृष्टि में व्यंग्य के बड़े लेखक और प्राध्यापक हैं। दूसरी बात, दोनों के नाम के आगे 'डॉक्टर' और पीछे 'जी' लगा हुआ है। ये दोनों जहां पर भी आमंत्रित होते हैं, अपने सम्मान की शॉलें घर से ओढ़कर जाते हैं। प्रकाश जी कहते हैं, 'घर पर ऐसी ही पचास शॉलें रखी हुई हैं।' परीक्षित जी कहते हैं, 'अपने पास तो इतनी शॉलें हैं कि एक ठीक-ठाक दुकान खुल सकती है।'

प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं। उनकी एक पुस्तक तीन-चार साल में प्रकाशित होती है। उसकी सरकारी खरीद हो जाती है। वह पुस्तक सार्वजनिक पुस्तकालयों में संरक्षित हो जाती है। इस तरह प्रकाशित बीस प्रतिशत पुस्तकें, प्रकाशक उनको रॉयल्टी के बदले सौंप देते हैं। इसका कुछ भाग पत्र-पत्रिकाओं में समीक्षा के नाम पर भेंट चढ़ जाता है। यथा आवश्यकता प्रकाश जी खुद ही समीक्षा लिखते हैं और अपने घनिष्ठ मित्रों के नाम से छपाने का जुगाड़ बिठाते हैं। बच गई बाकी पुस्तकों को वे सुपात्रों को 'सप्रेम भेंट' कर देते हैं। इस तरह वे सतत चर्चा में बने रहते हैं। आखिर मुफ्त की भेंट की चर्चा सभी करते हैं।

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं तो वे काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी खुद भी मानते हैं कि इतने सृजन के पश्चात साहित्य में जिसे अमर होना कहा जाता है, वह वे हो चुके हैं। दूसरे लेखक उन्हें अमर मानें न मानें, वे इसकी परवाह नहीं करते। उनकी मान्यता है कि अंतरात्मा की आवाज ही सच्ची होती है और उनकी अंतरात्मा से सतत अमर होने की ध्वनि आती रहती है।

परीक्षित जी कुछ अलग किस्म के जीव हैं। व्यवस्थित लिखाड़ हैं। प्रकाश जी कलम से लिखते हैं तो परीक्षित जी लैपटॉप में। परीक्षित जी फुटकर में लेखन करते हैं। वे पुस्तकों को घास का गट्ठर बांधना कहते हैं। उनका दावा है कि अगर वे अपने व्यंग्य लेखों को संकलित कर छपवा दें तो बीस-बाइस गट्ठर तैयार हो सकते हैं। परीक्षित जी कम-से-कम बीस समाचार पत्रों में नियमित स्तंभ लिखते हैं। वे व्यंग्य लेखन को नित्य कर्म की तरह करते हैं। कभी-कभी तो बाथरूम में भी लैपटॉप लेकर बैठ जाते हैं। अखबारों के पाठक उनके लेखों से ज्यादा परीक्षित जी के नाम से परिचित हैं, इसलिए परीक्षित जी एक सुपरिचित लेखक कहे जाते हैं।

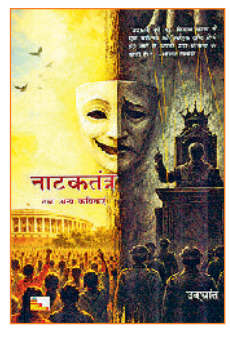
प्रकाश जी और परीक्षित जी के खेमे अलग-अलग हैं। शाश्वत लेखन और तात्कालिक लेखन की पारस्परिक श्रेष्ठता को लेकर दोनों के खेमे लगभग हर माह संगोष्ठियों के बंदनवार सजा देते हैं। कभी इस शहर में तो कभी उस शहर में पताकाएं फहरती रहती हैं। एक जैसी और बेनतीजा समाप्त होने वाली इन संगोष्ठियों से सिर्फ इतना होता है कि कभी प्रकाश जी की शॉलों की संख्या बढ़ जाती है तो कभी परीक्षित जी की।

बहरहाल, दोनों ही आश्वस्त हैं कि उनके चलते व्यंग्य लेखकों में राजनीति, गुटबाजी, मस्काबाजी, पुरस्कार के जोड़-तोड़ और फिजूल बहसबाजी की पुरातन परंपरा आज भी बदस्तूर जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

काव्यचेतना का उद्घोष

वरिष्ठ कवि उद्भ्रांत अनेक विधाओं में करीब छह दशकों से निरंतर सक्रिय हैं। काव्य सृजन के क्षेत्र में उनकी रचनाशीलता ने नए आयाम स्थापित किए हैं। लगभग पांच दशक बाद उनके चर्चित कविता संग्रह 'नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं' का पुनर्प्रकाशन हुआ है। इस संग्रह में कुल बारह कविताएं हैं। इनमें ग्यारह छोटी और एक बड़ी कविता शामिल है। 'कविता के विरुद्ध' कविता की पंक्तियां 'यह आग किसी को जला देती है/ और किसी को तपा देती है।' न केवल अपने रचे जाने के दौर में बल्कि आज के समय में भी कविता की सामर्थ्य और उसकी विवशता का आख्यान प्रस्तुत करती हैं। 'इनके गुस्से को शांत करें' कविता की ये पंक्तियां, 'सन्नाटे का शोर/इसलिए बढ़ रहा है/क्योंकि इनका पारा/सातवें आसमान पर चढ़ रहा है।' आज से पांच दशक पहले की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थिति का सटीक चित्रण प्रस्तुत करती हैं। दशकों बाद भी इन कविताओं की प्रासंगिकता बनी हुई है। *



पुस्तकः नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं, **लेखकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

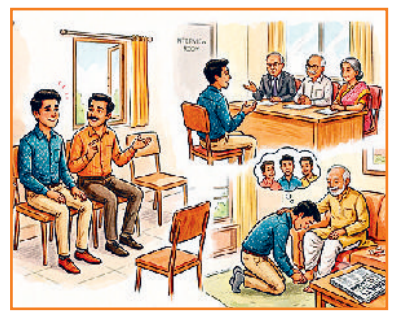
लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

कमी पूरी हो गई

जैसे ही महेंद्र वहां पहुंचा, एक युवक ने प्रशंसात्मक भाव से कहा, 'आप जिन सधे कदमों से अंदर आए वह आपके व्यक्तित्व को बताता है। आप यहां बैठिए।' उसने बगल में खाली कुर्सी की ओर इशारा किया।

उसे आश्चर्यमिश्रित प्रसन्नता हुई और बैठते हुए उसके मुंह से निकला, 'धन्यवाद।' इस बीच एक अन्य युवक कमरे में दाखिल हुआ। वह उसके बाजू वाली कुर्सी पर आकर बैठा ही था कि उसके चेहरे पर नजर पड़ते ही बोल उठा, 'आपकी हेयरस्टाइल बहुत बढ़िया है, आपके चेहरे पर जंच रही है।'

महेंद्र फूलकर कुप्पा हो गया और बोला, 'शुक्रिया।' उसके स्वर में आत्मविश्वास झलक रहा था। इंटरव्यू प्रारंभ होने वाला था। इस बीच सामने वाली कुर्सी पर बैठा युवक कुछ देर उसे ध्यान से देखता रहा, फिर कहने लगा, 'आपके कपड़ों की फिटिंग और आपकी कलर चॉइस लाजवाब है। मैं भी कुछ इसी तरह से पसंद करता हूं।' फिर उसने पूछा, 'आप कपड़े कहां से सिलवाते हैं?'



महेंद्र ने मुस्कराते हुए उसे टेलर का नाम बताया, फिर कुछ खुलकर कहा, 'तारीफ के लिए धन्यवाद। जानकर खुशी हुई कि आपकी पसंद भी मेरी तरह है।' तभी महेंद्र का नाम पुकारा गया। वह साक्षात्कार कक्ष की ओर बढ़ा तो महसूस हुआ कि उसकी चाल कुछ सधी हुई है। वह अनुमति लेकर साक्षात्कारकर्ताओं के सामने की कुर्सी पर धीरे से बैठ गया। उसके होंठों पर सहज स्मित थी। उसने पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिए। हालांकि इक्का-दुक्का सवालों के सटीक जवाब वह नहीं जानता था, फिर भी हड़बड़ाया या हकलाया नहीं। बाहर निकला तो सोचा कि तारीफ करने वालों का एक बार फिर आभार व्यक्त कर दूं, किंतु उनमें से कोई चेहरा नजर नहीं आया।

महेंद्र को आश्चर्य तो हुआ कि वे लोग इंटरव्यू के बिना ही कैसे चले गए, पर उसने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं। एक महीने बाद अंतिम परिणाम घोषित हुआ तो महेंद्र अच्छी रैंक के साथ चयनित हो गया था। उसे आठ अलग-अलग प्रयासों के बाद अंततः नवीं कोशिश में नौकरी मिल गई थी। जब वह पिता का आशीर्वाद लेने पहुंचा तो दिल में उमड़ता प्रश्न होंठों पर आ ही गया, 'पापा, पता नहीं क्यों मैं पहले इंटरव्यू के दौरान हताश हो जाता था, परंतु इस बार तो जैसे चमत्कार हो गया। मुझे थोड़ी-सी भी झिझक या भय महसूस नहीं हुआ।' पिता उसे गले लगाते हुए बोले, 'बेटा, तुम्हारी समझ और जानकारी कभी कम नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ आत्मविश्वास की। यह कमी मेरे भेजे लोगों ने पूरी कर दी।'

सहसा महेंद्र की आंखों के सामने वे तारीफ करने वाले चेहरे उभर आए। *

पर्व-संस्कृति / शिखर चंद जैन

यहां होती हैं भव्य-अनूठी रामलीलाएं

देश के अनेक स्थानों पर नवरात्र के साथ ही रामलीलाओं का मंचन भी आरंभ हो जाता है। भक्ति, पर्व संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम इनमें दिखता है। इनमें से कुछ रामलीलाएं बहुत भव्य और अनोखी हैं। आइए, भारत समेत दुनिया के कुछ अन्य देशों में रामलीला के कुछ अनूठे आयोजनों पर एक नजर डालते हैं।



परंपरा-तकनीक से सजी रामलीला अयोध्या

भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या की यह रामलीला परंपरा और आधुनिक 3-डी तकनीक का मिश्रण है। यह दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल रामलीलाओं में से एक है। इस रामलीला में बॉलीवुड और टीवी जगत के नामी कलाकार हिस्सा लेते हैं। साथ ही, दृश्यों को भव्य और जादुई बनाने के लिए अत्याधुनिक वीएफएक्स, सराउंड साउंड और डिजिटल बैकग्राउंड स्क्रीन का इस्तेमाल किया जाता है। इस रामलीला को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से करोड़ों लोग अपने घरों पर लाइव देखते हैं। *

सुर-संगीत से सजी रामलीला कुमाऊं



उत्तराखंड की कुमाऊंनी रामलीला अभिनय से अधिक शास्त्रीय, अर्धशास्त्रीय संगीत, राग-रागिनियों तथा लोक कलाओं के अनूठे संगम पर आधारित विश्व की सबसे पुरानी जीवित ओपेरा परंपराओं में से एक है। इसकी शुरुआत सबसे पहले वर्ष 1860 में अल्मोड़ा के प्रसिद्ध भद्रेश्वर मंदिर में हुई थी। रामचरितमानस पर आधारित इस कुमाऊंनी रामलीला को देवीदत्त जोशी द्वारा लिखा गया था। कुछ समय बाद इसका आयोजन नंदा देवी प्रांगण, अल्मोड़ा में होने लगा, जहां आज भी यह उसी परंपरा के साथ इसका आयोजन किया जाता है। इसमें संवाद साधारण बोलने के बजाय राग मालकौंस, भैरवी, जैजवंती, बिहाग और मांड जैसे पारंपरिक रागों में गाए जाते हैं। पात्र मंच पर अभिनय के साथ-साथ स्वयं अपने संवादों व चौपाइयों का गायन करते हैं। *

बख्शी तालाब की रामलीला लखनऊ



लखनऊ के ग्रामीण इलाके 'बख्शी का तालाब' में होने वाली यह रामलीला हिंदू-मुस्लिम एकता का सुंदर प्रतीक है। इस रामलीला में अधिकांश मुख्य पात्रों का अभिनय, निर्देशन और पटकथा लेखन मुस्लिम कलाकारों द्वारा किया जाता है। यहां मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को दोनों समुदायों के लोग मिलकर मंच पर उतारते हैं। *

विश्व की सबसे प्राचीन रामलीला वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रामनगर नामक स्थान की रामलीला दुनिया की सबसे पुरानी और भव्य रामलीला मानी जाती है। इसे यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किया गया है। इस



रामलीला में किसी कृत्रिम आधुनिक लाइट या लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं होता। पूरी प्रस्तुति मशालों, लालटेन और बिना माइक के होती है। यह करीब एक महीने तक चलती है। रामलीला के अलग-अलग दृश्यों के लिए पूरा रामनगर ही रंगमंच बन जाता है। दर्शक कलाकारों के साथ-साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा करते हैं। *

काकाविन रामलीला इंडोनेशिया



दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया में रामलीला वहां की संस्कृति का अटूट हिस्सा है। यहां रामलीला को 'रामायण काकाविन' कहा जाता है। इसमें मुख्य रूप से जावा और बाली द्वीप की पारंपरिक नृत्य शैली (वायंग वोंग) का प्रयोग होता है। कलाकार बिना बोले, केवल अपनी आंखों, अंगुलियों के इशारों और कथकली जैसे नृत्य के स्टेप्स से पूरी रामायण मंचित करते हैं। *

शाही संस्कृति वाली 'खोन' रामलीला थाईलैंड



थाईलैंड की 'खोन' रामलीला एक प्रसिद्ध शास्त्रीय मुखौटा नृत्य-नाटक है, जो वहां के राष्ट्रीय महाकाव्य 'रामाकियन', जो भारतीय रामायण का थाई रूप है, पर आधारित है। इसकी जड़ें 15वीं शताब्दी (अयुत्या काल) से जुड़ी हैं। यह लंबे समय तक केवल शाही दरबारों तक सीमित था, जहां राजा, राजकुमार और शाही कलाकार इसमें हिस्सा लेते थे। इस मंचन में कलाकार खुद संवाद नहीं बोलते हैं। पृष्ठभूमि में कथावाचक कहानी गाते हैं और संगीत व कोरियोग्राफी के साथ नर्तक मूक अभिनय करते हैं। सभी पात्र रत्नों से जड़े हुए शानदार, पारंपरिक और जटिल मुखौटे पहनते हैं। वर्ष 2018 में यूनेस्को ने खोन को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी। पात्रों के नाम, इसमें भगवान श्रीराम को 'फ्रा राम', माता सीता को 'सीदा' और रावण को 'तोसाकन' कहा जाता है। हनुमान जी को यहां एक चंचल, पराक्रमी और रक्षक योद्धा के रूप में पूजा जाता है। *

शक्ति साधना का महापर्व महानवमी

आस्था का महापर्व शारदीय नवरात्र का अंतिम पड़ाव यानी नवम दिन मां सिद्धिदात्री को समर्पित है। इस दिन श्रद्धा से पूजन करने पर साधक को भौतिक-आध्यात्मिक सिद्धि यानी पूर्णता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। महानवमी के निहितार्थ एवं इसके महात्म्य के बारे में जानिए।

आस्था

आर. सी. शर्मा



सनातन पौराणिक मान्यताओं और आस्था में शक्ति की उपासना का अर्थ केवल देवी से सुख, समृद्धि और मनोकामनाओं की प्राप्ति भर नहीं होता है, बल्कि इसका गहरा आशय उस चेतना को जागृत करने से भी है, जो मनुष्य को भय से निर्भयता, अज्ञान से ज्ञान, अधीरता से विवेक और दुर्बलता से आत्मविश्वास की ओर ले जाती है। महानवमी का पर्व, इसी अतिरिक्त आंतरिक परिवर्तन की साधना को पूर्णता की ओर ले जाने का संदेश देता है।

मां सिद्धिदात्री की पूजा का महत्वः नवरात्र के नौ दिन देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना को समर्पित हैं। इसी क्रम में नवें यानी अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। उनके नाम में ही उनकी उपासना का केंद्रीय भाव निहित है। सिद्धि का अर्थ उपलब्धि, सामर्थ्य और साधना से प्राप्त पूर्णता है, जबकि दात्री का अर्थ प्रदान करने वाली है। धार्मिक मान्यता के अनुसार मां सिद्धिदात्री अपने भक्तों को सिद्धियां प्रदान करती हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से इस स्वरूप को समझें तो सिद्धि का आशय केवल अलौकिक शक्तियों की प्राप्ति भर से नहीं है बल्कि आत्मबोध, विवेक, धैर्य और जीवन को सार्थक दिशा देने की क्षमता तक विस्तृत हो जाता है।

माता के स्वरूप का अर्थः मां सिद्धिदात्री कमल पर विराजमान, चार भुजाओं वाली देवी के रूप में पूजित हैं। उनके हाथों में शंख, चक्र, गदा और कमल हैं। उनका स्वरूप इस विश्वास का प्रतीक है कि साधना का अंतिम लक्ष्य मनुष्य को सामर्थ्यवान बनाने के साथ उसके भीतरी संतुलन और विवेक का विकास करना भी है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में सिद्धि को मनमानी प्राप्ति का स्रोत नहीं माना जाता बल्कि इस उपलब्धि को अनुशासन से जोड़कर देखा जाता है। कोई भी सार्थक उपलब्धि निरंतर अभ्यास, धैर्य, एकाग्रता और आत्मसंयम के बिना नहीं मिलती। यही बात आध्यात्मिक जीवन पर भी लागू होती है।



आत्मनिरीक्षण की प्रेरणाः केवल अनुष्ठान कर लेने भर से मनुष्य के भीतरी विकार समाप्त नहीं होते। इसके लिए अपने विचारों, इच्छाओं और व्यवहार का निरंतर निरीक्षण करना पड़ता है। महानवमी इसी आत्मनिरीक्षण की प्रेरणा देती है कि हम नौ दिनों की उपासना के बाद अपने भीतर आए परिवर्तन को परखें। देवी की आराधना में शक्ति का अर्थ केवल सामर्थ्यवान होना भर नहीं है, सामर्थ्य का उचित उपयोग करना भी है। आध्यात्मिक सिद्धि का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वह मनुष्य को अधिक विवेकशील, संवेदना से भरा और उत्तरदायी बनाती है।

आत्मनियंत्रण और परिवर्तन का समयः व्रत, जप, ध्यान और पूजा के साथ व्यवहार में भी सकारात्मक परिवर्तन आए तो ये सब गहरे अर्थ ग्रहण करते हैं। यदि पूजा के बाद भी मनुष्य दूसरों के प्रति असहिष्णु, अहंकारी बना रहता है तो उसे अपनी साधना के उद्देश्य पर विचार करना चाहिए। महानवमी का संदेश यही है कि बाहरी संसार में विजय प्राप्त करने से पहले अपने भीतर के अहंकार को पहचानना जरूरी है। आत्मविजय का अर्थ इच्छाओं का पूर्ण निषेध नहीं बल्कि उन पर विवेकपूर्ण नियंत्रण है।

शिव-शक्ति का अंतर्संबंधः शाक्त दर्शन में देवी को परम शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। यहां शक्ति केवल किसी देवी प्रतिमा या धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित अवधारणा नहीं है बल्कि सृष्टि की गतिशीलता और परिवर्तन की सामर्थ्य का दार्शनिक प्रतीक भी है। शिव और शक्ति की अवधारणा इसी गहरे अंतर्संबंध को अभिव्यक्त करती है। शिव चेतना के प्रतीक हैं और शक्ति उस चेतना की सक्रिय अभिव्यक्ति हैं। इस दृष्टि से शक्ति की उपासना जीवन की सक्रियता, सृजन और परिवर्तन की संभावनाओं को स्वीकार करने का माध्यम है।

सिद्धि की यात्रा का वास्तविक मर्मः मां सिद्धिदात्री की आराधना में श्रद्धालु सिद्धि की कामना करते हैं, लेकिन इस कामना का सबसे सुंदर विस्तार तब होता है, जब व्यक्ति अपने ज्ञान को विवेक, अपने सामर्थ्य को सेवा और अपनी सफलता को लोकमंगल से जोड़ता है। देवी से शक्ति मांगना तभी सार्थक है, जब उस शक्ति से किसी निर्बल को सहारा मिले, किसी निराश मन में आशा जागे और किसी भटके हुए जीवन को सही दिशा मिले। यही शक्ति की साधना से सिद्धि की यात्रा का वास्तविक मर्म है। *



क्षिप्रा नदी बहुत विशाल नहीं है लेकिन इसकी धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ें भारतीयता की मूल भावना में निहित हैं। यही वजह है कि इसकी बहुत अधिक महत्ता है। इसकी पवित्रता को बनाए रखने के लिए समुचित प्रयास करने की आवश्यकता है।

आस्था-लोकजीवन का अद्वितीय सांस्कृतिक प्रवाह क्षिप्रा नदी

नदी गाथा

वीना गौतम

मध्य प्रदेश के मालवा अंचल में बहने वाली क्षिप्रा नदी आकार में भले ही गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र या नर्मदा जैसी विराट नदी न हो, लेकिन भारतीय संस्कृति में इसका स्थान इसकी जलराशि से कहीं बड़ा है। उज्जैन के किनारे बहती क्षिप्रा नदी ने एक से बढ़कर एक तीर्थ, आस्था, सभ्यता, व्यापार, साहित्य और लोकजीवन की धारा का रूप ले लिया है। यही कारण है कि क्षिप्रा नदी को समझना केवल एक नदी को जानना नहीं बल्कि मालवा की सांस्कृतिक आत्मा को समझना है।

उद्गम और जल प्रवाहः क्षिप्रा नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के इंदौर जिले की विंध्य पर्वतमाला स्थित ककड़ी बड़ली (काकरी-टेकड़ी) नामक पहाड़ी से होता है। क्षिप्रा नदी मालवा के पठार को पार करते हुए सामान्यतः उत्तर-पश्चिम दिशा में बहती है। लगभग 190 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यह चंबल नदी में मिल जाती है। इसका चंबल में मिलने से पहले का जलग्रहण क्षेत्र लगभग 5,600 वर्ग किलोमीटर है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में खान और गंभीर शामिल है। क्षिप्रा नदी मूलतः वर्षा आधारित नदी है। इसके प्रवाह का बड़ा आधार मानसूनी वर्षा और नदी के जलग्रहण क्षेत्र से मिलने वाला सतही जल है।



क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित भर्तृहरि गुफा

अस्तित्व पर बढ़ता संकटः केंद्रीय जल आयोग के अध्ययन के मुताबिक मानवीय हस्तक्षेप और बदलती जलवायु परिस्थितियों के कारण क्षिप्रा ने अपना पुराना बारहमासी स्वरूप किसी हद तक खो दिया है। वर्ष के लगभग 5 से 6 महीने तक इसके कुछ हिस्से सूख जाते हैं। यही क्षिप्रा का आधुनिक विरोधाभास है कि जिस नदी के किनारे लाखों-करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था संतुष्ट होती है, वह स्वयं पर्याप्त प्राकृतिक जलप्रवाह के संकट से जूझ रही है। इसका पानी, पेय जल, औद्योगिक जरूरतों और सिंचाई के लिए भी उपयोग में लाया जाता है। इसके किनारे का प्रमुख भू-उपयोग कृषि है। इसलिए क्षिप्रा केवल धार्मिक नदी नहीं है बल्कि मालवा के ग्रामीण जीवन और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जुड़ी है।

सनातन संस्कृति की संवाहकः उज्जैन ने क्षिप्रा नदी को सांस्कृतिक रूप प्रदान किया है और यही क्षिप्रा की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसका संबंध सनातन संस्कृति के एक प्रमुख केंद्र उज्जैन से है। वास्तव में प्राचीन उज्जयिनी इसी नदी के किनारे विकसित हुई, आज भी रामघाट सहित इसके अनेक घाट धार्मिक आस्था और अनुष्ठानों के केंद्र हैं। उज्जैन को भारत के प्रमुख तीर्थ नगरों में गिना जाता है और क्षिप्रा यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए केवल नदी नहीं बल्कि पवित्र स्नान और धार्मिक अनुष्ठान का माध्यम है। यही वह नदी है, जिसके तट पर सिंहस्थ कुंभ आयोजित होता है। 12 वर्षों के अंतराल पर होने वाला यह आयोजन क्षिप्रा को दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागमों में से एक का केंद्र बना देता है। साल 2016 के सिंहस्थ के दौरान यहां 6 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं और साधु-संतों की उपस्थिति दर्ज हुई थी। जबकि साल 2028 में आने वाले सिंहस्थ में अनुमान है कि 8 करोड़ से ज्यादा लोग यहां आएंगे। इस दृष्टि से क्षिप्रा का जल एक साथ धार्मिक आस्था, समुदायिक जीवन और विशाल अस्थाई अर्थव्यवस्था को संभालता है।

साहित्य-ज्ञान परंपरा का केंद्रः क्षिप्रा का सांस्कृतिक संसार केवल स्नान और तीर्थ तक सीमित नहीं है। उज्जैन, भारतीय साहित्य और ज्ञान परंपरा का भी महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उज्जैन और क्षिप्रा का संबंध कालिदास, विक्रमादित्य, ज्योतिष, खगोल और संस्कृत साहित्य की असंख्य स्मृतियों से जुड़ा है। उज्जैन के सांस्कृतिक इतिहास में क्षिप्रा की उपस्थिति साहित्यिक कल्पना में भी दिखाई देती है। नदी के किनारे सिद्धवट, रामघाट, मंगलनाथ और भर्तृहरि गुफा जैसे स्थल इसके धार्मिक, सांस्कृतिक भूगोल को और विस्तृत करते हैं। इस तरह क्षिप्रा के तट पर नदी, मंदिर, घाट, आख्यान और लोकविश्वास एक-दूसरे में घुलते दिखाई देते हैं।

कम नहीं पारिस्थितिकी महत्वः क्षिप्रा नदी का पारिस्थितिकी महत्व भी उसकी धार्मिक पहचान से कम नहीं है। नदी और उसका जलग्रहण क्षेत्र मालवा के कृषि प्रधान भू-दृश्य से जुड़ा है। वर्षा का पानी, छोटे नाले, सहायक धाराएं, तटवर्ती वनस्पति और कृषि क्षेत्र मिलकर एक नदी परितंत्र बनाते हैं। स्वस्थ नदी में जलीय सूक्ष्मजीवों से लेकर मछलियां और अन्य जलीय जीवों तथा किनारे की वनस्पतियों तक एक खाद्य जाल कायम रहता है। लेकिन यही पारिस्थितिकी प्रदूषण और कम प्राकृतिक प्रवाह के कारण दबाव में आती हैं। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दस्तावेजों में उज्जैन क्षेत्र की क्षिप्रा के कुछ हिस्सों को प्रदूषित नदी खंड के रूप में चिन्हित किया गया है। नदी में आने वाला शहरी अपशिष्ट, औद्योगिक गतिविधियां और सहायक धाराओं से मिलने वाला प्रदूषित जल, इसकी पारिस्थितिकी सेहत को प्रभावित करते हैं। इसलिए क्षिप्रा की सफाई का अर्थ केवल तीर्थस्थल की सुंदरता बढ़ाना नहीं है, इसका अर्थ है पूरे नदी परितंत्र को पुनर्जीवित करना। क्षिप्रा नदी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां आस्था और पारिस्थितिकी आमने-सामने नहीं बल्कि एक-दूसरे की पूरक हैं। यदि इसका जल स्वच्छ नहीं होगा, तो करोड़ों लोगों की आस्था भी संकट में पड़ जाएगी। इसलिए क्षिप्रा को बचाने के लिए कई स्तरों पर प्रयास करने होंगे। *



धार्मिक आस्था का केंद्र है क्षिप्रा नदी का रामघाट

हाल में रिलीज फिल्म 'हनुमान अंश' की अप्रत्याशित सफलता ने फिल्म मेकर्स और दर्शकों के साथ-साथ फिल्म क्रिटिक्स, एनालिस्ट सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। हालांकि बेहद कम बजट में बनी फिल्मों की सफलता का सिलसिला नया नहीं है। आखिर वो कौन से फैक्टर्स हैं, जो छोटे बजट की फिल्मों को सफल बनाते हैं?

बहुत कुछ साबित करती है हनुमान अंश की सफलता

सिने ट्रेंड

डी. जे. नंदन

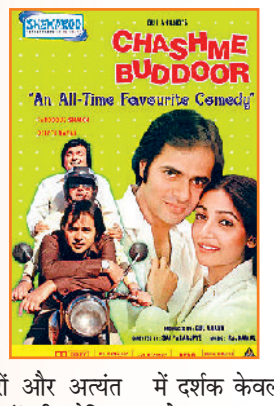




हाल में बॉक्स ऑफिस पर 'हनुमान अंश' की रिकॉर्डतोड़ सफलता, सिर्फ एक छोटे बजट की फिल्म की बड़ी कमाई का मामला नहीं है। नीम करौली (नीब करौरी) बाबा के जीवन और आध्यात्मिक विरासत से प्रेरित 'हनुमान अंश' की सफलता एक बड़ा सवाल खड़ा करती है- क्या सिने दर्शक वास्तव में वही देखना चाहते हैं, जो उन्हें फिल्मों में परोसा जा रहा है? अंतहीन हिंसा, उत्तेजना, गोलाबारी, विस्फोट और कृत्रिम रूप से गढ़े गए दृश्यों के बीच क्या हिंदी सिने दर्शक कहीं अधिक मानवीय, सरल और जीवन के निकट कहानी की तलाश में हैं?

अप्रत्याशित सफलता ने तोड़े रिकॉर्डः अगस्त 2026 में बेहद मामूली शुरुआत करने वाली यह फिल्म लगभग 10 लाख रुपए की ओपनिंग तक सीमित रही। लेकिन फिर फिल्म को लेकर दर्शकों की मुंह जुबानी तारीफ ने ऐसा काम किया कि चौथे सप्ताह तक फिल्म की कमाई कई गुना बढ़ गई। सीमित शो से शुरू होकर इसके प्रदर्शन का दायरा हजारों शो तक पहुंच गया। लगभग दो करोड़ रुपए के मामूली बजट वाली फिल्म ने अपने प्रदर्शन के 30 दिन बाद देश के अंदर ही 100 करोड़ की कमाई का आंकड़ा छू लिया था। अब तक फिल्म अपने देश में 338 करोड़ और वर्ल्डवाइड 440 करोड़ की कमाई कर चुकी है।

याद आई 'जय संतोषी मां' की सफलताः यह स्वाभाविक ही है कि 'हनुमान अंश' फिल्म की सफलता की तुलना साल 1975 की फिल्म 'जय संतोषी मां' से की जा रही है। उसी वर्ष 'शोले' और 'दीवार' जैसी बड़े कलाकारों की प्रभावशाली फिल्में आईं थीं। एक तरफ एक्शन, अपराध, बदले और 'एंग्री यंग मैन' का नया दौर था, दूसरी ओर कम बजट, अपेक्षाकृत अनजान कलाकारों और अत्यंत सरल कथा वाली 'जय संतोषी मां' थी। लेकिन फिल्म ने असाधारण सफलता हासिल की। वह 1975 की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई और ज्यादातर स्त्रोतों के अनुसार इसने लागत के मुकाबले बहुत ज्यादा मुनाफा कमाया था। खास बात यह थी कि 'जय संतोषी मां' की सफलता को केवल धार्मिक फिल्म की सफलता नहीं कहा जा सकता। उसकी कथा आम घरेलू स्त्री की कथा थी, जिसमें उपेक्षा, अभाव, पारिवारिक तनाव, धैर्य, विश्वास और अंततः न्याय की आकांक्षा को दिखाया गया था। दर्शक केवल देवी को देखने नहीं आते थे, वे अपनी जिंदगी की पीड़ा और अपनी उम्मीद को पर्दे पर देख रहे थे। यही बिंदु 'हनुमान अंश' की सफलता को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है।



'हनुमान अंश' की असली ताकतः नीम करौली बाबा निश्चित रूप से फिल्म 'हनुमान अंश' के केंद्र में हैं। उनके प्रति भारत और विदेशों में गहरी आध्यात्मिक आस्था रही है। लेकिन केवल किसी संत का नाम फिल्म को सैकड़ों करोड़ रुपए की सफलता नहीं दिला सकता। अगर ऐसा होता तो हर धार्मिक फिल्म सफल होती। 'हनुमान अंश' की असली ताकत संभवतः उसके भावनात्मक जुड़ाव में है। फिल्म ऐसे समय में आई है, जब समाज का बड़ा हिस्सा मानसिक थकान से गुजर रहा है। बेरोजगारी की चिंता है, रिश्तों में तनाव है, सामाजिक प्रतिस्पर्धा है, डिजिटल जीवन की बेचैनी है और भविष्य को लेकर अनिश्चितता है। ऐसे समय में दर्शक केवल मनोरंजन नहीं खोजता। वह सांत्वना भी खोजता है। वह यह सुनना चाहता है कि करुणा, कमजोरी नहीं है। सेवा बेकार नहीं है। प्रेम सबसे मूल्यवान है। किसी अनजान व्यक्ति की मदद करना भी जीवन को अर्थ दे सकता है। 'हनुमान अंश' की सफलता में आस्था की भूमिका से इनकार करना भी गलत होगा। दर्शक यहां संभवतः भक्ति के साथ भावनात्मक सत्य की अनुभूति भी करते हैं। वे चमत्कार के साथ मानवीय भावनाओं का स्पर्श चाहते हैं। वे फिल्म में महात्मा को इसलिए नहीं देखने जाते हैं कि वे कोई जादू या चमत्कार करेंगे बल्कि इसलिए कि उनके जीवन से उन्हें सेवा, सरलता, विश्वास और करुणा जैसे भावों की महत्ता समझ में आती है। शायद यही इस फिल्म की सबसे बड़ी सफलता है। 'हनुमान अंश' का मुंह जुबानी प्रचार से सफलता पाना भी महत्वपूर्ण है। यही किसी भी फिल्म के लिए सबसे प्रभावी विज्ञापन होता है।



पहले भी हुई हैं ऐसी फिल्में सफलः भारतीय दर्शकों ने पहले भी शोर-शराबे, हिंसा और मारधाड़ वाली फिल्मों के स्थान पर सरल-सहज, हल्की-फुल्की फिल्मों को पसंद कर उसे सफल बनाया है। अमोल पालेकर और विद्या सिन्हा की फिल्म 'छोटी-सी बात' ने महानगरीय प्रेम, झिझक और साधारण युवक की हीनभावना को कहानी का विषय बनाया था। 'चश्मे बद्दूर' ने दोस्ती और प्रेम में हास्य खोजा। 'गोलमाल' ने एक मामूली झूठ को हास्य की असाधारण दुनिया में बदल दिया। 'मासूम' ने पारिवारिक संबंधों की ऐसी पीड़ा दिखाई, जिसमें दर्शक को अपना घर दिखाई देता था। इसी क्रम में 'सारांश', 'खूबसूरत', 'रजनीगंधा', 'अर्थ', 'द लंच बॉक्स', 'कहानी', 'विकी डोनर', 'बधाई हो' और 'लापता लेडीज' जैसी फिल्मों ने भी अलग-अलग स्तर पर यही साबित किया- दर्शक को हमेशा असंभव दुनिया नहीं चाहिए। कई बार वह अपने जैसा आदमी देखना चाहता है। वह ऐसा नायक चाहता है जो रो सकता हो, हार सकता हो, डर सकता हो और फिर भी जीवन में अर्थ खोज सकता हो। *

खबर संक्षेप

अजय देवगन से जुड़े बंगले के अनधिकृत हिस्सों को बीएमसी ने ढहाया

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने मुंबई के पश्चिमी उपनगर जुहू में एक बंगले के कुछ हिस्सों को ध्वस्त कर दिया, जिसे अभिनेता अजय देवगन और उनकी मां का बताया जा रहा है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनधिकृत निर्माण रोकने का नोटिस जारी किए जाने के कुछ दिन बाद यह कार्रवाई की गई। नगर निकाय के कर्मचारियों ने 12 अक्टूबर को जेवीपीडी स्कीम स्थित सिपोरेक्स ब्लॉक की अनधिकृत दीवारों को ढहा दिया। यह कार्रवाई मुंबई महानगरपालिका अधिनियम की धारा 354ए के तहत जारी नोटिस पर संपत्ति के मालिकों के जवाब को पश्चिम वार्ड कार्यालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद की गई। बीएमसी ने अवैध निर्माण ध्वस्त करने की तस्वीरें और संपत्ति के मालिकों को जारी किए गए नोटिस भी साझा किए हैं। हालांकि, बीएमसी के नोटिस और कारणों का उल्लेख करने वाले आदेश में अभिनेता अजय देवगन या उनकी मां वीणा देवगन का नाम नहीं है। संपत्ति पर उनके स्वामित्व की पुष्टि अलग से की गई।

अवैध मतदान के आरोप में भारतीय गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका के मिनेसोटा में 2024 के आम चुनाव में



गैरकानूनी रूप से मतदान करने और खुद को अमेरिकी नागरिक बताने के आरोप में भारतीय नागरिक मुकेश कुमार सोमाभाई चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। चौधरी पर गलत जानकारी देकर मतदान करने का गंभीर आरोप है। दोषी साबित होने पर उन्हें प्रत्येक आरोप में अधिकतम पांच साल की जेल हो सकती है।

काकरोच जनता पार्टी के नेता जंतर-मंतर में तिरंगा फहराने पर भेजे गए हैं जेल

दूसरे वार्डों के किसी भी कैदी को अंदर आने की अनुमति नहीं

तिहाड़ में बंद आशुतोष 1784 तो सौरव है कैदी नंबर 3752

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली की तिहाड़ जेल के अलग-अलग हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखा गया है। इन दोनों को इस हफ्ते की शुरुआत में बिना अनुमति के जंतर-मंतर विरोध स्थल में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सूत्रों ने बताया कि प्रशासन ने उनकी कोठरियों के बाहर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं और निर्देश दिया है कि दिन के समय उन्हें अन्य कैदियों के साथ बाहर न निकाला जाए। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों को 14 अक्टूबर को सार्वजनिक शांति भंग करने और कानून का उल्लंघन करने के बार-बार प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि उन्हें बार-बार कानून का उल्लंघन करने और जमानत पर रिहा होने पर दोबारा कानून का उल्लंघन करने और दूसरों को उकसाने की गंभीर आशंका के चलते पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया है।



दोनों की जेल है अलग

जेल रिकॉर्ड के अनुसार, रांका का कैदी नंबर 1784 है और दास का कैदी नंबर 3752 है। दोनों को पहले जेल नंबर 2 में रखा गया था, लेकिन बाद में रांका को जेल नंबर 4 में स्थानांतरित कर दिया गया। दास को जेल नंबर 2 के वार्ड नंबर 3 में रखा गया है, जबकि रांका को जेल नंबर 4 के वार्ड नंबर 15 में रखा गया है।

अभिजीत दीपके को सशर्त मिली जमानत, 50 हजार रुपये का भरना पड़ा बॉन्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को सशर्त जमानत मिल गई। उन्हें 50 हजार रुपये का बेड बॉन्ड भी भरना पड़ा। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था। 8 दिन में दीपके के खिलाफ यह दूसरी बार कार्रवाई है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन वे रिहा हो गए थे। उधर एसआईआर के विरोध में कांग्रेस की रामलीला मैदान में 1 नवंबर को रैली होगी। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस से पहले ही इसकी इजाजत ले ली है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2026 में जंतर-मंतर और दिल्ली के बाहर हुई हिंसा से जुड़ी घटनाओं के सभी पहलुओं की जांच के लिए हाई पावर्ड इंक्वायरी कमेटी (एचपीईसी) का गठन किया था। प्रभावित लोगों की सुविधा के लिए एचपीईसी ने एक पोर्टल शुरू किया है। पोर्टल को इस तरह तैयार किया गया है कि संवेदनशील मामलों में प्रभावित लोगों की पहचान गोपनीय रखी जा सके और उनकी इच्छा के अनुसार पहचान सार्वजनिक न हो।

केंद्र सरकार ने 70 लाख कर्मचारियों को दी राहत

रिटायरमेंट से चार साल पहले जांचे जाएंगे सर्विस और पेंशन के रिकॉर्ड

गलती होने पर संबंधित अधिकारी होंगे जवाबदेह



फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेंशनभोगियों के हितों को ध्यान में रखकर एक बड़ा फैसला किया है, जिससे 33.9 लाख पेंशन धारकों और 36.5 लाख कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी विभागों को रिटायरमेंट से चार साल पहले कर्मचारियों के सर्विस रिकॉर्ड, वेतन निर्धारण (पे-फिक्सेशन) और पेंशन विवरण की जांच जरूर करानी होगी। केंद्र के इस फैसले का लाभ करीब 70 लाख कर्मचारियों को मिलेगा। सराकर के इस कदम का उद्देश्य रिटायरमेंट के वक्त कर्मचारियों से अचानक होने वाली रिकवरी और कानूनी विवादों पर लगाम लगाना है। अगर इस मामले में कोई गलती होती है तो संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

सर्टिफिकेट के बाद वसूली नहीं

नए नियमों के तहत पदोन्नति, इंक्रीमेंट या एसीपी/एमएसीपी के बाद जारी पे-फिक्सेशन आदेशों का सत्यापन अब 3 महीने या उसी वित्त वर्ष के अंत तक पूरा करना अनिवार्य होगा। पे एंड अकाउंट्स ऑफिस से वेरिफिकेशन सर्टिफिकेट जारी होने के बाद कर्मचारी से कोई वसूली नहीं की जा सकेगी। सर्टिफिकेट के बाद भी पे-फिक्सेशन में गड़बड़ी मिलने पर नुकसान की भरपाई मंजूरी देने वाले अधिकारियों से होगी। पेंशन के लिए सर्विस पीरियड का समय-समय पर ऑडिट होता रहेगा।

बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच दुर्गा पूजा

33,851 पंडालों में विराजी मां इस बार 1500 की हुई बढ़ोतरी

एजेंसी ▶▶| ढाका



बांग्लादेश में हिंदू समुदाय का सबसे बड़ा वार्षिक त्योहार दुर्गा पूजा व्यापक सुरक्षा इंतजामों के बीच मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान और राष्ट्रपति मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने हिंदू समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए धार्मिक सद्भाव, सुरक्षा की अधिकारियों और सभी नागरिकों की सुरक्षा पर जोर दिया। सरकार ने पूजा स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ त्योहार की छुट्टियां भी बढ़ाई हैं। बांग्लादेश पूजा उद्जापन परिषद के अनुसार, इस साल देशभर में कुल 33,851 दुर्गा पूजा पंडाल बनाए गए हैं। इनमें राजधानी ढाका के 258 पंडाल शामिल हैं।

नवाज शरीफ की तरह पाकिस्तान छोड़ सकते हैं इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान भी पूर्व



प्रधानमंत्रियों की तरह देश छोड़ सकते हैं। विपक्षी नेता महमूद खान अचकजई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया। अचकचई ने कहा- सरकार इमरान पर समझौते के लिए दबाव बना रही है। वे नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो की तरह देश छोड़कर जा सकते हैं। 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें 5 अगस्त 2023 को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत करीब 200 मामले दर्ज हैं। अचकजई ने अपने दावे के समर्थन में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्रियों नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो के पुराने मामलों का हवाला दिया। 1999 में तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने सैन्य तख्तापलट कर नवाज सरकार को हटा दिया था। नवाज को जेल में डाल दिया गया। इसके बाद 2000 में सऊदी अरब और लेबनान के नेताओं की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत वे पाकिस्तान छोड़कर चले गए। शर्तों के मुताबिक, नवाज को 10 साल तक पाकिस्तान से बाहर और राजनीति से दूर रहना था। 1997 में तत्कालीन राष्ट्रपति फारूक लेघारी ने बेनजीर को भ्रष्टाचार के आरोप में प्रधानमंत्री पद से हटा दिया था। इसके बाद 1997 के आम चुनाव में उन्हें हार मिली। इसके बाद बेनजीर भुट्टो ने देश छोड़ दिया। वह 9 साल तक ब्रिटेन और दुबई में रहीं।

■ विपक्षी नेता बोले- सरकार से समझौता करने का दबाव

ईडी ने 30 हजार करोड़ की धोखाधड़ी में छठे पकड़े

पणजी (भाषा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 30,000 करोड़ रुपये के लेनदेन से जुड़े कथित साइबर धोखाधड़ी और 'डिजिटल अरेस्ट' के मामले में धन शोधन की जांच के सिलसिले में छठे आरोपी को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, मुकेश कुमार पुखराज जैन उर्फ मुकेश भाई को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद मुकेश को पणजी की एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 19 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

दुआ भी तकदीर बदल देती है तांत्रिक मास्टर किंग का एलान भटको चाहे जिधर काम होगा इधर
2 घंटे में समाधान
प्रेम विवाह, सौतन-दुश्मन से छुटकारा, पति-पत्नी में अनबन, प्यार में धोखा, रूठे को मनाना, नौकरी, कारोबार में बाधा आदि।
स्पेशलिस्ट वशीकरण, मूठकरनी
मियां मलिक जी
9711428545
सारे इल्मों के माहिर

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क आत्मवशिास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवशिास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा ।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवशिास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

स्वास्थ्य विभाग ने गांव में लगाया शिविर

त्रयोदशी: रसगुल्ले खाने से 1000 लोग पड़े बीमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दतिया



■ उल्टी, पेट दर्द और सिरदर्द की शिकायत

जिले की भांडेर तहसील के उड़ीना गांव में त्रयोदशी कार्यक्रम में भोजन करने के बाद करीब एक हजार लोगों की तबीयत बिगड़ गई। ग्रामीणों को उल्टी, पेट दर्द और सिरदर्द की शिकायत हुई। इनमें से कुछ मरीजों को जिला अस्पताल सहित इंदरगढ़ और भांडेर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार दोपहर गांव में शिविर लगाकर बीमार लोगों का उपचार किया। गांव निवासी तिलक सिंह यादव के बुजुर्ग पिता एदल सिंह पटेल का बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके निधन के बाद 15 अक्टूबर को त्रयोदशी का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। रसगुल्लों में इस्तेमाल किया गया खोया खराब था। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कुछ मरीजों की हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल, इंदरगढ़ और भांडेर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में शिविर लगाकर अन्य बीमार लोगों का उपचार किया। भांडेर के बीएमओ डॉ. जयंत यादव ने बताया कि किसी मरीज में गंभीर लक्षण नहीं मिले हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

उज्जैन: सब्जी मंडी में हादसा

गोवंश से भरी पिकअप ने 4 लोगों को कुचला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उज्जैन



■ एक की मौत तीन गंभीर चालक फरार

खाचरौद की लालबाई-फूलबाई सब्जी मंडी में शनिवार सुबह गोवंश से भरी तेज रफ्तार पिकअप ने चार लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में रेखा नाम की महिला की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसके पति नंदराम, सागरबाई और भेरूलाल घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मंडी में खड़ी पिकअप अचानक आगे-पीछे होने लगी। दूसरी गाड़ी से टकराने के बाद चालक ने वाहन तेज रफ्तार में दौड़ा दिया और लोगों को टक्कर मारते हुए निकल गया। पिकअप रेखा के ऊपर से भी गुजर गई। इसके बाद चालक कस्बे की गलियों में भागा और रास्ते में खड़े वाहनों व घरों के ओटलों को टक्कर मारते हुए रावला क्षेत्र में बिजली के खंभे से जा भिड़ा। इसके बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें भीड़भाड़ वाली सब्जी मंडी में पिकअप लोगों को टक्कर मारते हुए दिखाई दे रही है।पुलिस ने पिकअप क्रमांक एमपी-13-जेडएक्स-0596 जब्त कर गोवंश को अपने कब्जे में लिया है।

भावुक हुए अमेरिकी सांसद राजा

बंदूक जाम हो गई, मेरा परिवार बच निकला...



एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

अमेरिका में भारतीय समुदाय को निशाना बनाकर सामूहिक गोलीबारी करने की साजिश को याद करते हुए अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि इलिनॉय के औरोरा स्थित हिंदू मंदिर में जब हमले की कोशिश हुई, तब उनका परिवार भी वहां मौजूद था। कृष्णमूर्ति ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि हमलावर की बंदूक कैसे जाम हुई और उनका परिवार समेत दूसरे लोग कैसे बच निकले। उन्होंने इस घटना को नफरत के खिलाफ आवाज उठाने के अपने जीवन के उद्देश्य से भी जोड़ा। इस मामले में 19 वर्षीय अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस को गिरफ्तार किया गया है। उस पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध रूप से हथियार रखने के आरोप लगाए गए हैं। अमेरिकी इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना और रिच मैककॉर्मिक ने भी सामूहिक गोलीबारी की कथित साजिश की निंदा की। दोनों सांसदों ने अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजी) और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) से मामले में कार्रवाई करने की मांग की।

■ अमेरिकी सांसदों ने की कार्रवाई की मांग

रा.क.उ.विद्यालय
गांव मुण्डलाना, तह. गोहाना, जिला सोनीपत

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय कन्या उच्च विद्यालय मुण्डलाना, खण्ड मुण्डलाना, तह. गोहाना, जिला सोनीपत (हरियाणा) में 06 कंडम कमरों की खुली नीलामी दिनांक 31.10.2026 को दोपहर 12 बजे विद्यालय प्रांगण में होगी। नीलामी के नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएंगी।
हस्ता/-मुख्याध्यापक (डीडीओ) एवं एसएमसी
रा.क.उ.विद्यालय
मुण्डलाना (3600)

जी.पी.एस. बुटाना कुण्डू
खण्ड मुण्डलाना (सोनीपत)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्रा.पाठशाला बुटाना कुण्डू (17971) खण्ड मुण्डलाना, जिला सोनीपत में 01 कंडम कमरे की खुली बोली दिनांक 28.10.2026 को प्रातः 11 बजे पाठशाला प्रांगण में होगी। बोली के नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएंगी।
हस्ता/-मुख्य शिक्षक
रा.प्रा. पाठशाला, बुटाना कुण्डू
(सोनीपत), मो. 9671586588

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

।। चतुर्थ ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना ।।

क्रं. / 1471 / लो.क.वि. / न.पा. / 2026 कुम्हारी, दिनांक 16/10/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
202111	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	28.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

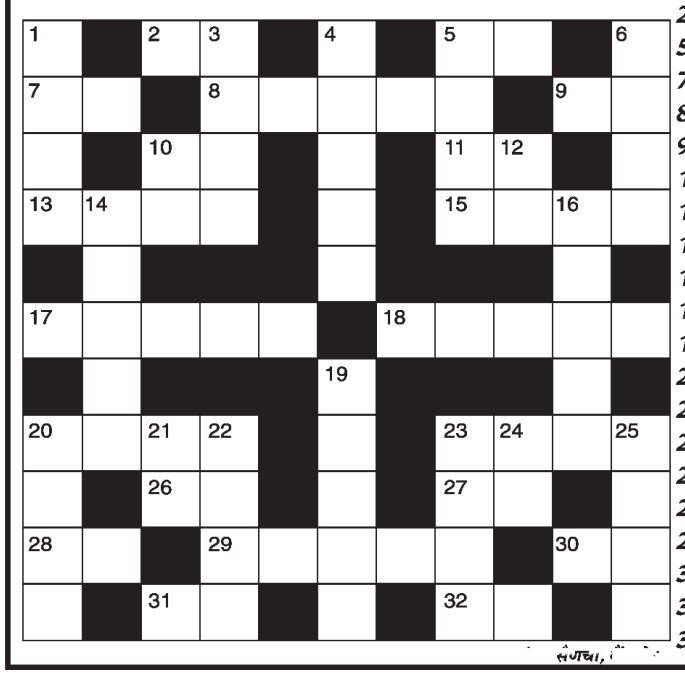
धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अश्वनी कुमार निवासी 1005/2, वार्ड नं. 11, कबीर कॉलोनी, रोहतक, हरियाणा-124001 ने सीसी एनआई एक्ट 3208/2021 धारा 138 एनआई एक्ट, थाना मुंडका, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **अश्वनी कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **अश्वनी कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीसी एनआई एक्ट 3208/2021 धारा 138 एनआई एक्ट, थाना मुंडका, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अश्वनी कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.11.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शिवांगी मंगला
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)-05
कमरा नं. 503, विस्तार खंड
पश्चिम जिला, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली
DP/14757/OD/2026

शब्द पहेली - 6381



बाएँ से दाए-

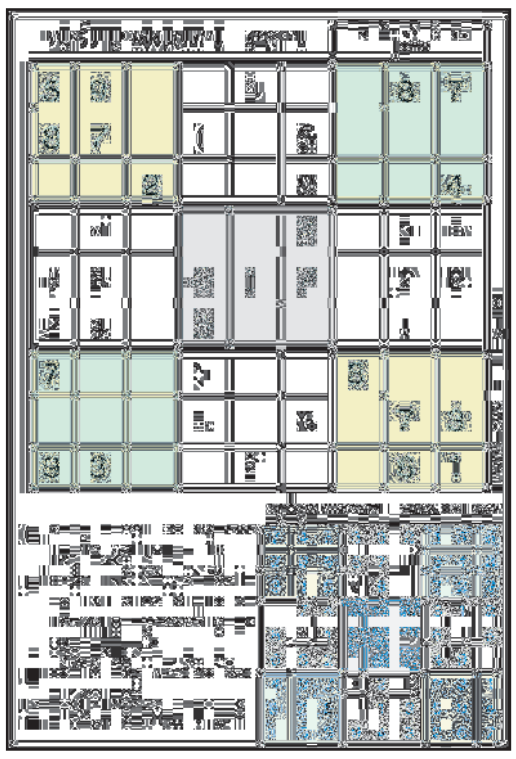
2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरुम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1. बंदूक की गोली-4 | 25. नाकारा, बेकार-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2

शब्द पहेली -6380 का हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	म्मी		र	फू	च	क्र	र		में	
आ		मा	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	थ				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				ख				वी	
मे	घा	ल	य		ल		क	म	त	र
घ		त	म		ना		ल	त		क्षा
	यं		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	म्बो	द	र



खबर संक्षेप

बंगाल में नए सिरे से एसआईआर की मांग

कोलकाता। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद नए सिरे से कराने की मांग करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि पिछली प्रक्रिया के दौरान हिंसा हुई और उसमें बाधाएं डाली गईं। इस प्रक्रिया में अनियमितताओं के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सदस्य भट्टाचार्य ने दावा किया कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए एसआईआर के दौरान लोगों से दस्तावेज छीनकर जला दिए गए, चुनाव अधिकारियों पर हमले किए गए और कार्यालयों में आग लगा दी गई।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पांच हजार भेजे

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र सरकार द्वारा सूखा प्रभावित किसानों के लिए घोषित अंतरिम वित्तीय सहायता को 'मामूली' बताते हुए धाराशिव जिले के एक सोयाबीन किसान ने विरोध जताने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 5,000 रुपये का 'मनीऑर्डर' भेजा है। फडणवीस ने बुधवार को घोषणा की थी कि दीपावली से पहले किसानों के बैंक खातों में 5,000 रुपये की शुरुआती राहत राशि सीधे जमा की जाएगी। यह घोषणा महाराष्ट्र में 85 प्रतिशत से अधिक तालुकाओं को सूखा प्रभावित घोषित किए जाने के बाद की गई।

जम्मू से श्री बाला देवी मंदिर की तीर्थयात्रा शुरू

जम्मू। जम्मू-कश्मीर क्षत्रिय समाज की ओर से श्रीनगर के बाहरी इलाके में स्थित बलहामा गांव के 'श्री बाला देवी जी मंदिर' के लिए आयोजित दो दिवसीय तीर्थयात्रा शनिवार को जम्मू से शुरू हुई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जोरावर सिंह जम्वाल ने इस पहल को ऐतिहासिक शुरुआत बताते हुए कहा कि इससे सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा मिलेगा। आयोजकों ने बताया कि इस मंदिर में क्षत्रिय समाज की 'कुलदेवी' की पूजा की जाती है।

कर्नाटक महिला कांग्रेस अध्यक्ष का इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सौम्या रेड्डी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा को पत्र लिखकर इस्तीफा



स्वीकार करने का अनुरोध किया। 20 अगस्त को पत्र में सौम्या ने कहा कि उन्होंने यह जिम्मेदारी 2 साल के लिए स्वीकार की थी। कार्यकाल को सम्मान बताया और खुशी का अनुभव बताया।

ओडिशा छात्रसंघ चुनाव में भी एबीवीपी का डंका

भुवनेश्वर। ओडिशा में 8साल बाद हुए छात्र संघ चुनावों में एबीवीपी ने कई प्रमुख पदों पर बड़ी संख्या में



जीत दर्ज की है। राज्य के 346 कॉलेजों में अध्यक्ष पद पर 208, उपाध्यक्ष पद पर 214, महासचिव पद पर 221 और सहायक महासचिव पद पर 199 एबीवीपी उम्मीदवार जीते हैं। इस जीत के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एबीवीपी को बधाई दी है।

दिग्गज संगीतकार देवा का 75 की उम्र में निधन

चेन्नई। थेनिसाई थेन्द्रल' के नाम से मशहूर दिग्गज तमिल संगीतकार देवा अब इस दुनिया में नहीं रहे।



शनिवारको चेन्नई में देवा का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे सूर्या अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां निधन हो गया। मुख्यमंत्री विजय सहित कई कलाकारों ने देवा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

मानसा में नहीं मनाया जाएगा दशहरा

नशा एक्टिविस्ट झोटा हत्याकांड पर पंजाब में आंदोलन की तैयारी

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़



आप विधायकों और मंत्रियों के घरों का घेराव कर प्रदर्शन करने का ऐलान

परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड को लेकर पंजाब भर में माहौल गर्माया हुआ है। परिवार द्वारा लगातार इंसाफ की मांग की जा रही है। वहीं इसी बीच खबर सामने आई है कि इंसाफ की मांग कर रही जस्टिस कमेटी द्वारा 19 अक्टूबर को पूरे पंजाब में आप विधायकों और मंत्रियों के घरों का घेराव कर प्रदर्शन करने का ऐलान किया गया है। इसके साथ ही परविंदर सिंह झोटा की मौत के बाद मानसा में दशहरा न मनाने का फैसला भी लिया गया है। दशहरा कमेटी के अनुसार पुतले तैयार किए जा चुके हैं, लेकिन शहर में शोक के माहौल को देखते हुए इस बार उत्सव आयोजित नहीं किया जाएगा। कमेटी का कहना है कि झोटा की मौत से शहर के लोगों में दुख है। इसी को ध्यान में रखते हुए दशहरा नहीं मनाने का निर्णय लिया गया है। जस्टिस कमेटी का कहना है कि इस मामले को कई दिन बीत गए हैं पर अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि अगर सरकार द्वारा जल्द कोई कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इसके साथ ही पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और मेडिकल स्टोरों की जांच और नशे बेचने वाले मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस रद्द करने की मांग की जा रही है।

सीएम मान पर लोगों को विश्वास नहीं : पायलट

मोगा (पंजाब)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने शनिवार को पंजाब की आप सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि राज्य की कानून-व्यवस्था "पूरी तरह चरमरा गई है" और भगवंत मान सरकार पर से लोगों का "विश्वास खत्म हो गया है।" पायलट पंजाब के पांच दिवसीय दौरे पर हैं, जहां वह हिंसा पीड़ितों के परिवारों से मिलकर उन्हें न्याय दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। अपने दौरे के दूसरे दिन, पायलट ने जौहरी परमिंदर सिंह के परिवार से मुलाकात की। सिंह की जून 2023 में मोगा में हत्या कर दी गई थी।



लुधियाना-डेढ़ कनाल जमीन के लिए पूर्व सरपंच की हत्या

ब्रेड कंपनी के ड्राइवर ने मारा, कॉल डिटेल्स से खुला राज

पिता-पुत्र समेत 4 आरोपी नामजद, दो गिरफ्तार

जमीन पर चल रहे काम को देखने गए थे नवतेज सिंह

एजेंसी ▶▶ लुधियाना

लुधियाना में पूर्व सरपंच नवतेज सिंह की हत्या केस में पुलिस ने शनिवार को बड़ा खुलासा किया। पुलिस के अनुसार, हत्या डेढ़ कनाल जमीन के विवाद में हुई थी। ब्रेड कंपनी में ड्राइवर के तौर पर काम करने वाले आरोपी ने गोली चलाई। पुलिस ने मामले में पिता-



■ आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही पंजाब पुलिस

पुत्र समेत 4 आरोपियों को नामजद किया है। इनमें से 2 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि 2 आरोपी फरार हैं। शुरुआती जांच में पारिवारिक रंजिश के चलते मृतक के ताया पर शक था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर जमीन विवाद हत्या की मुख्य वजह निकली। कत्ल को अंजाम एक ब्रेड कंपनी के ड्राइवर ने दिया, जिसने महज अपने दोस्त के कहने पर पूर्व सरपंच की जान ले ली। मामले का खुलासा सीसीटीवी और कॉल डिटेल्स से हुआ।

यह है मामला

नवतेज सिंह 3 अक्टूबर की शाम गांव मनेवाल में अपनी 30 से 35 एकड़ जमीन पर चल रहे काम को देखने गए थे। वहां से वे अपने घर कृष्णा नगर, घूमार मंडी लौट रहे थे। शाम को उनकी कार लाडोवाल टोल प्लाजा से साउथ सिटी रोड के पुल की तरफ मुड़ी। पंजाब फूड ऑफिस के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने गोलियां चला दीं।

संघ महिला संगठन प्रमुख ने विजयादशमी उत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नागपुर

प्रदर्शन अराजकता फैला रहे और युवाओं-महिलाओं को भड़का रहे

जेन-जी का ब्रेनवॉश कर रहा दिमागी नक्सलवाद



शांताकुमारी ने कहा कि हमने जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन देखे हैं। हम इन्हें असंवैधानिक प्रदर्शन कह सकते हैं। देश अराजकता का सामना कर रहा है। प्रदर्शनकारियों का मुख्य उद्देश्य भारत में अस्थिरता पैदा करना और देश की संस्कृति को नष्ट करना है। वे इसी इरादे से यह सब कर रहे हैं। वे समाज में कोई रचनात्मक बदलाव लाना नहीं चाहते हैं। देश अराजकता का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों का मुख्य उद्देश्य भारत में अस्थिरता पैदा करना और देश की संस्कृति को नष्ट करना है। वे इसी इरादे से यह सब कर रहे हैं। वे समाज में कोई रचनात्मक बदलाव लाना नहीं चाहते हैं।

■ शांताकुमारी बोलीं- देश की संस्कृति नष्ट करना चाहते हैं प्रदर्शनकारी

भारत और संघ के महिला संगठन, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख वी. शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शन भारत में अस्थिरता पैदा कर रहे हैं और देश की मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि दिमागी नक्सलवाद जहरीले विचारों का सबसे खतरनाक और अदृश्य इकोसिस्टम है। यह जेन-जी का ब्रेनवॉश कर रहा है। युवाओं और महिलाओं के मन में भी अशांति पैदा कर रहा है। उन्हें भड़का रहा है। शांताकुमारी ने नागपुर में राष्ट्र सेविका समिति के वार्षिक विजयादशमी उत्सव और शस्त्रपूजन कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शनों को असंवैधानिक बताया। राष्ट्र सेविका समिति संघ का महिला संगठन है। इसकी प्रमुख संचालिका वी. शांताकुमारी को शांताक्का के नाम से भी जाना जाता है। शांताकुमारी ने कहा कि हमने जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन देखे हैं। हम इन्हें असंवैधानिक प्रदर्शन कह सकते हैं।

पीएम ने सबसे पहले किया था 'दिमागी नक्सली' शब्द का इस्तेमाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल स्वतंत्रता दिवस के भाषण में सबसे पहले 'दिमागी नक्सली' शब्द का इस्तेमाल किया था।उन्होंने कहा था- हम जंगलों से सशस्त्र नक्सलियों को खत्म करने और देश को उस संकट से मुक्त कराने में सफल हुए हैं। हालांकि, सशस्त्र नक्सली चले गए हैं, लेकिन दिमागी नक्सली आसपास मौजूद हैं।

दीपावली से पहले भरेगी हुंकार, 1 नवंबर को करेगी विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस को मिली रामलीला मैदान में प्रदर्शन की परमिशन



जंतर-मंतर को अधिकृत प्रोटेस्ट साइट से हटाए जाने के बाद रामलीला मैदान अब नया आंदोलन स्थल बनने जा रहा है। केंद्र सरकार ने रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी मैदान को प्रोटेस्ट साइट के लिए अधिकृत किया है। अब दिवाली से पहले कांग्रेस रामलीला मैदान में बड़ा प्रदर्शन करने जा रही है। दरअसल कांग्रेस को रामलीला मैदान में प्रदर्शन की परमिशन मिल गई है। दिल्ली सेंट्रल पुलिस के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अब रामलीला मैदान, सीबीडी ग्राउंड और बुराड़ी ग्राउंड को प्रदर्शन स्थलों के रूप में तय किया गया है। इसी सिलसिले में कांग्रेस ने जगह की उपलब्धता जानने के लिए एमसीडी से संपर्क किया है। एमसीडी ने बताया कि यह जगह 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी।

कांग्रेस को एनओसी मिला

डीसीपी ने बताया कि उनसे बातचीत करने और सुरक्षा इंतजामों को समझने के बाद हमने कांग्रेस को 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' देने का फैसला किया। हमने आज यह सर्टिफिकेट जारी कर दिया है। अब वे इसे लेकर एमसीडी के पास जाएंगे, जो इस जमीन की मालिक एजेंसी है और फिर तैयारियां शुरू करेंगे।

विपक्षी नेता ओवैसी से सीखें वे समझदार: किरेन रिजिजू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एलन मस्क विवाद पर असदुद्दीन ने कहा था मोदी से 100 मतभेद पर गोरा हुक्म नहीं दे सकता

किरेन रिजिजू ने शनिवार को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के मस्क को लेकर दिए बयान की तारीफ की। रिजिजू ने एक्स पर लिखा कि कभी-कभी ओवैसी भारत के राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर समझदारी वाली बातें करते हैं। अगर विपक्ष के कुछ नेता हमारी बात नहीं सुनना चाहते, तो उन्हें ओवैसी से सीखना चाहिए। दरअसल 14 अक्टूबर को एक कार्यक्रम में ओवैसी ने कहा था कि नरेंद्र मोदी से मेरे 100 मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मैं अपने देश और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। हमें दुनिया में सबसे सस्ता डेटा मिल रहा है। कोई गोरा हमें हुक्म नहीं दे सकता। हाल ही में मस्क ने अपने एक पोस्ट में मुकेश अंबानी पर तंज कसते हुए उन्हें 'प्राइम मिनिस्टर अंबानी' लिखा था। इस पोस्ट में उन्होंने अंबानी को भारत का रियल बॉस बताया था।



स्टारलिंक की देरी को अंबानी जिम्मेदार

मस्क भारत में स्टारलिंक की लॉन्चिंग में हो रही देरी को लेकर पिछले कुछ दिनों से नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इस देरी के लिए वो रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को जिम्मेदार बता रहे हैं और उनके खिलाफ लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं।



एसआईआर पर स्टालिन का कांग्रेस पर हमला

बिहार विवाद व सोरेन के अलग होने की दिलाई याद

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन ने एसआईआर के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों का खुलकर समर्थन किया है। हालांकि, उन्होंने न केवल चुनाव आयोग को आड़े हाथों लिया, बल्कि कांग्रेस पर भी जोरदार राजनीतिक हमला बोला है। डीएमके ने एसआईआर मुद्दे पर कांग्रेस के रवैए को दोहरा करार दिया है और विपक्षी गठबंधन के अंदर मौजूद खींचतान को एक बार फिर बाहर ला दिया है। चेन्नई में आयोजित डीएमके संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन ने पार्टी के रुख को स्पष्ट किया। इस बैठक में 4 प्रमुख प्रस्ताव पारित किए।



पटना की अदालत ने सुनाया फैसला

तीन तलाक मामले में दो साल का कठोर कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पटना

■ कोर्ट ने 6,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया

बिहार की राजधानी पटना की एक अदालत ने पत्नी को तीन तलाक देने के मामले में एक व्यक्ति को दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन सहाय ने बृहस्पतिवार को नौशाद अहमद को मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 के साथ ही भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना) और धारा 341 (गलत तरीके से रोकना) के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने अहमद पर 6,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना नहीं भरने पर उसे एक महीने और 22 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। हालांकि, अदालत ने उसे पत्नी पर तेजाब फेंकने की कोशिश के आरोप से बरी कर दिया। फुलवारी शरीफ थाने में सितंबर 2022 में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, सिमरी गांव के निवासी अहमद ने उस साल पांच सितंबर को अपनी पत्नी को तीन तलाक दिया था। उस समय दोनों की शादी को करीब 21 साल हो चुके थे और उनके तीन बच्चे हैं।

गुजरातः जहरीली गैस रिसाव से अफरा-तफरी

भरूच की दवा-फैक्ट्री में ब्लास्ट, पांच की गई जान

इस हादसे में करीब 6 गंभीर रुप से घायल

एजेंसी ▶▶ भरूच



गुजरात के भरूच की सिंजील फार्माकेम नाम की एक दवा फैक्ट्री के रिएक्टर धमाके में 5 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 6 लोग घायल हैं। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

धमाका इतना तेज था कि इसके तुरंत बाद फैक्ट्री में मिथाइल डाइक्लोराइड नाम की एक जहरीली गैस का रिसाव भी शुरू हो गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। प्रशासन और पुलिस की टीम फिलहाल यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि यह धमाका किस वजह से हुआ। हादसा उस वक्त हुआ जब 15 हजार लीटर क्षमता वाले रिएक्टर में काम चल रहा था। धमाका इतना जोरदार था कि रिएक्टर के परखच्चे उड़कर फैक्ट्री की चारदीवारी के बाहर जा गिरे।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कार पलटने से पिता-पुत्र की मौत

नींद की झपकी आने से हादसा



आजमगढ़ (उप्र) आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार को एक कार के डिवाइडर से टकराकर पलट जाने से कार सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई तथा एक महिला और दो बच्चे घायल हो गए। यह हादसा तहबरपुर थाना क्षेत्र में ओहनी गांव के पास हुआ। चालक को नींद आने के कारण कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी देशराज सिंह ने बताया कि हादसे में मऊ जिले के घोसी थाना क्षेत्र के सुलतानपुर गांव निवासी शादाब (52) और उसके पिता खुर्शीद अहमद (83) की मौत हो गई। कार शादाब चला रहा था। वह दिल्ली में सिविल इंजीनियर के रूप में कार्यरत था और परिवार के साथ जामिया नगर के हाजी कॉलोनी में रहता था। शादाब रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए दिल्ली से गांव जा रहा था और कार में उसके पिता खुर्शीद अहमद, पत्नी आसमां बानो (45), बेटी मायरा (15) और बेटा अदनान अहमद (नौ) सवार थे। तेज रफ्तार कार पहले दाहिनी ओर डिवाइडर से टकराई और फिर उसी लेन में बाईं ओर जाकर पलट गई। उन्होंने बताया कि यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

मुंबई में रेलवे पुल के नामकरण पर विवाद गहराया

नाना पाटेकर या स्मित माच्छर के नाम को लेकर भाजपा-शिवसेना नेता भिड़े

■ उद्घाटन से पहले लगाया गया नाना पाटेकर सेतु का बोर्ड

एजेंसी ▶▶ मुम्बई



मुंबई के नए बने ईस्ट-वेस्ट विद्याविहार ब्रिज के खुलने से पहले ही इसके नामकरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) ने मांग की है कि स ब्रिज का नाम अभिनेता नाना पाटेकर के नाम पर रखा जाए। वहीं, भाजपा विधायक पराग शाह ने इसका नाम कैप्टन स्मित माच्छर के नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया है। कैप्टन मच्छर एक भारतीय कमर्शियल पायलट हैं, जिन्हें हवा में विमान के अपहरण की कोशिश को नाकाम करने के लिए काफी सराहा गया था। इस घटनाक्रम ने पुल के नामकरण को लेकर एक तीखे राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। विवाद तब और बढ़ गया जब शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने उद्घाटन से पहले ही 'पद्मश्री नाना पाटेकर सेतु' नाम का बोर्ड लगा दिया।

दो-लेन वाला पुल

यह दो-लेन वाला फ्लाईओवर रामचंद्र चेंबूरकर मार्ग को लाल बहादुर शास्त्री मार्ग से जोड़ता है। इसकी कुल लंबाई 650 मीटर है, जिसमें से 100 मीटर का हिस्सा रेलवे पटरियों के ऊपर से गुजरता है। परियोजना में कनेक्टिंग रास्ता शामिल है। जो फ्लाईओवर को विद्याविहार रेलवे स्टेशन के फुटपाथों से जोड़ता है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कार्यक्रम की समीक्षा की

22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेगा अभियान

खेत बचाओ अभियान औपचारिकता न बने, किसानों तक पहुंचे लाभ : शिवराज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का किया आह्वान

■ हर स्तर पर नियुक्त किए जाएं नोडल अधिकारी



केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज आगामी 'खेत बचाओ अभियान' की तैयारियों को लेकर विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की।

यह अभियान 22 अक्टूबर से 30 नवंबरतक आयोजित किया जाएगा। बैठक में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, उत्तराखंड, राजस्थान, असम, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, बिहार और महाराष्ट्र के कृषि मंत्रियों ने भाग लिया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव शअतिश चंद्रा तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट भी थे।

बैठक में अभियान के उद्देश्यों, प्रमुख गतिविधियों, कार्यान्वयन की रणनीति और जनभागीदारी से जुड़े लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। अभियान का उद्देश्य किसानों के बीच उन्नत कृषि पद्धतियों, संसाधनों के कुशल उपयोग, टिकाऊ खेती तथा केंद्र सरकार की विभिन्न किसान-केंद्रित योजनाओं के संबंध में व्यापक जागरूकता पैदा करना है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जमीनी स्तर पर व्यापक जनसंपर्क सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अभियान को पूरी गंभीरता के साथ लागू किया जाना चाहिए।

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया से जोड़ें

उन्होंने कहा कि जो लोग प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते, उन्हें प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान से जोड़ने के प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सुनिश्चित हो। अभियान में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक करने की गतिविधियां की जाएंगी।

एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ये भी कहा जाने लगा है कि एसआईआर व ज्ञानेश कुमार तो केवल बहाना है, असली मकसद सत्ता हथियाना है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। दूसरी ओर, इस विरोध के बहाने भौंडा प्रदर्शन कर खुद को चर्चा में लाने की युवाओं की कोशिश भी खतरनाक रूप धारण कर रही है। प्रदर्शन के बीच में ही कुछ स्वयंभू पत्रकार भी अपनी रोटियां सेंकते दिखाई पड़ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सिर्फ एक मोबाइल और माइक लेकर आप पत्रकार बन सकते हैं? प्रशासन के लिए ऐसे लोगों को पहचानना कठिन होता है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर कई लोगों ने खुद को मीडिया कर्मी बताकर बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। कुल मिलाकर सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर की आड़ में सत्ता की सियासत



विश्लेषण

विवेक शुक्ला

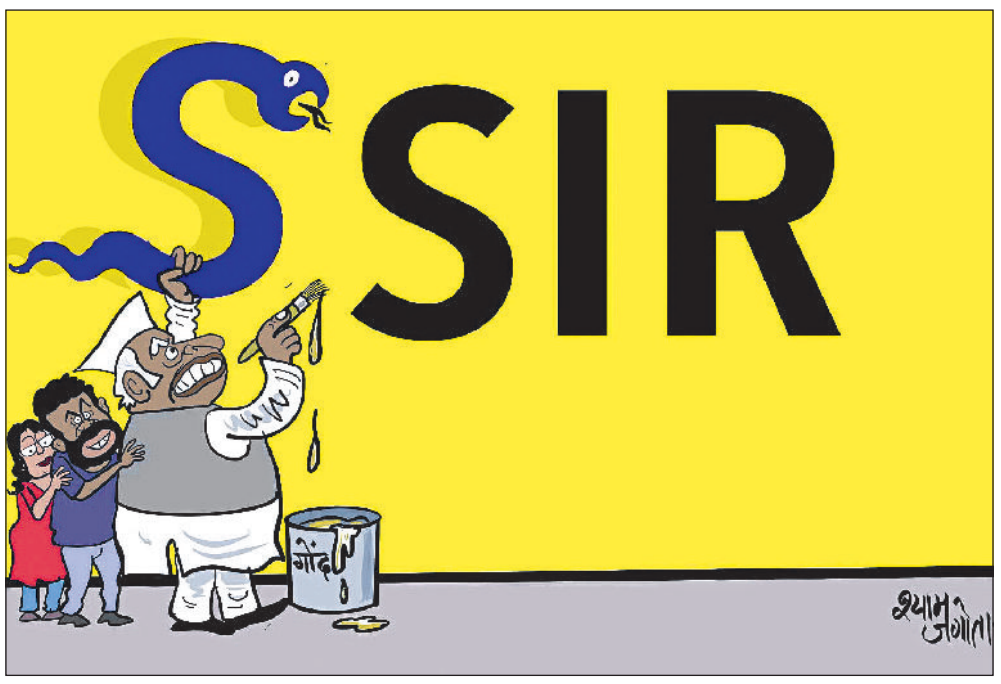
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति में कई बार किसी आंदोलन की शुरुआत एक मुद्दे से होती है, लेकिन धीरे-धीरे उसका दायरा बढ़ने लगता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद भी अब इसी मोड़ पर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उन्होंने इसे लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार भी बताया। उनके इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया।

एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है। लेकिन इस प्रक्रिया का दूसरा पहलू भी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से सूची से हट जाता है, तो वह अपने सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित हो सकता है।

इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। किसी का नाम हटाने से पहले उचित जांच होनी चाहिए और प्रभावित व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। हालांकि, आरोप लगना और आरोप साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। विपक्ष चाहता है कि चुनाव आयोग अपने फैसलों और कामकाज को लेकर जवाब दे। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है।

वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उनके इस बयान के बाद बीजेपी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है।



राजनीतिक लड़ाई की परत

इस विवाद को सीधे सरकार बदलने की लड़ाई बताया जाने लगता है, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि आंदोलन का राजनीतिक लक्ष्य कितना व्यापक हो चुका है। प्रशांत भूषण के बयान का राजनीतिक महत्व इसी बात में है कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन की मांग को छिपाने के बजाय सार्वजनिक रूप से उसका बचाव किया। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में सरकार बदलने की मांग करना कोई अपराध नहीं है। इस तर्क में अपने आप में कुछ गलत नहीं है।

यहां एक बुनियादी अंतर समझना होगा। चुनाव के जरिए सरकार बदलने की मांग करना और किसी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन चलाना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है। असली सवाल आंदोलन के तरीकों, उसके तथ्यों और उसकी मांगों की वैधता का है। प्रशांत भूषण के बयान से इतना जरूर स्पष्ट होता है कि आंदोलन के कुछ प्रमुख चेहरे अब इसे केवल चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला नहीं मान रहे। वे इसे केंद्र की सरकार के खिलाफ व्यापक राजनीतिक संघर्ष के रूप में देख रहे हैं। विपक्ष की रणनीति को समझने में मदद जरूर मिलती है।

आरोपों की जांच होनी चाहिए

मतदाता सूची का विवाद अब राजनीतिक सत्ता और सरकार की वैधता पर चल रही बड़ी बहस का हिस्सा बन गया है। चुनाव आयोग के हर फैसले को राजनीतिक साजिश बताना भी उचित नहीं है। किसी निर्णय से असहमति होने पर उसके खिलाफ कानूनी और संवैधानिक रास्ते खुले हैं। आरोपों की जांच होनी चाहिए और जहां गलती साबित हो, वहां सुधार भी होना चाहिए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का अभियान इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। क्या शिकायतें दस्तावेजों और तथ्यों से साबित होती हैं? क्या संबंधित अधिकारियों ने नियमों का पालन किया? क्या प्रभावित मतदाताओं को न्याय पाने का पर्याप्त अवसर मिला? इन सवालों के जवाब किसी राजनीतिक नारे से नहीं, बल्कि स्वतंत्र जांच और न्यायिक समीक्षा से मिलने चाहिए। गौरतलब है कि 15 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों को चुनौती देने वाली विपक्षी नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग और संबंधित पदाधिकारियों से जवाब मांगा। यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत में याचिका स्वीकार किए जाने या नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि आरोप साबित हो गए हैं।

सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी नारों में शामिल

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के लिए भी ठोस आधार होना चाहिए। खैर, अब यह कहना कठिन है कि आंदोलन केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक सीमित है। सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी इसके प्रमुख राजनीतिक नारों में शामिल हो चुका है। एक बात साफ है कि किसी लोकतंत्र में सत्ता बदलने का सबसे मजबूत और स्वीकार्य रास्ता चुनाव ही है। विपक्ष को लगता है कि मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है, तो उसे जनता के बीच जाना चाहिए, अपने तर्क रखने चाहिए और समर्थन जुटाना चाहिए। सरकार को भी अपने कामकाज और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देना चाहिए।

अब इस विवाद को केवल प्रशांत भूषण के बयान या ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह चुनाव आयोग पर भरोसे, मतदाता के अधिकार और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति-तीनों की परीक्षा है। एसआईआर और ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे विवाद के पीछे सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य मौजूद है, यह बात साफ है। लेकिन सत्ता परिवर्तन की इच्छा को अपने आप में गलत ठहराना भी लोकतांत्रिक सोच नहीं होगी। पर सत्ता परिवर्तन तो चुनाव के माध्यम से ही होगा। ये बात विपक्ष को समझनी होगी। लोकतंत्र में सत्ता की लड़ाई आखिरकार जनता की अदालत में ही तय होनी चाहिए।

रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती

इससे यह जरूर स्पष्ट होता है कि विवाद के कानूनी पहलुओं की जांच का रास्ता खुला है। विपक्ष के सामने अब अपनी रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती है। यदि उसका मुख्य आरोप मतदाता सूची में गड़बड़ियों का है, तो उसे ठोस उदाहरण, दस्तावेज और प्रभावित मतदाताओं के प्रमाण सामने रखने चाहिए। यदि वह सरकार बदलना चाहता है, तो यह उसका राजनीतिक अधिकार है। लेकिन इन दोनों बातों को एक ही मान लेना उचित नहीं होगा। किसी सरकार का विरोध करना और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी की जांच मांगना अलग-अलग उद्देश्य हो सकते हैं। भाजपा को भी केवल 'सत्ता हथियाने' का आरोप लगाकर मूल सवालों से बचना नहीं चाहिए। यदि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह सही है, तो सरकार और चुनाव आयोग को तथ्यों के आधार पर अपना पक्ष रखना चाहिए। जवाब देने से ही संस्थाओं पर भरोसा मजबूत होगा। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जनता को केवल राजनीतिक आरोपों के आधार पर अपना फैसला करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप गंभीर है।

लोकतंत्र का मंच या लाइक्स पाने का प्रपंच



प्रदर्शन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

आज का दौर सोशल मीडिया का है, जहां 'अटेंशन इकॉनमी' यानी आपका ध्यान खींचने की अर्थव्यवस्था का बोलबाला है। इस डिजिटल युग में यह कहावत आम है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। हाल के दिनों में, एसआईआर यानी स्पेशल इंटेसिव रिवीजन के विरोध की आड़ में देश के विभिन्न हिस्सों में जिस प्रकार के भौंडे, उग्र और सनसनीखेज प्रदर्शन देखने को मिले हैं, उन्होंने चिंतकों, समाजशास्त्रियों और नीति-निर्माताओं को गहरी चिंता में डाल दिया है। जब युवा पीढ़ी अपने किसी असंतोष को व्यक्त करने के लिए शालीन लोकतांत्रिक तरीकों को छोड़कर तमाशेबाजी, उपद्रव और रातों-रात सोशल मीडिया पर 'वायरल' होने की सनक का सहारा लेती है, तो यह न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बल्कि खुद उन युवाओं और देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा बन जाता है। आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है। पारंपरिक रूप से विरोध प्रदर्शन वैचारिक स्पष्टता, लंबे संघर्ष, और लोकतांत्रिक बहसों पर आधारित होते थे। इसके विपरीत, आज के भौंडे प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य वैचारिक विरोध जताना नहीं बल्कि किसी भी तरह कैमरे की नजर में आना और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम में ट्रेंड करना होता है। युवा तत्काल संतुष्टि यानी इंस्टेंट ग्रेटिफिकेशन के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब प्रदर्शनों में शालीनता के स्थान पर अमर्यादित नारेबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और सोशल मीडिया पर सनसनीखेज रील्स बनाने को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि विरोध का वास्तविक मुद्दा पीछे छूट चुका है और व्यक्तिगत ख्याति या अराजकता का आनंद आगे आ गया है। एल्गोरिदम का मनोविज्ञान यह है कि यहां 'सनसनी' और 'उग्रता' ही बिकती है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब (शॉर्ट्स), एक्स (ट्विटर) और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम का मुख्य उद्देश्य यूजर को अधिक से अधिक समय तक ऐप पर रोके रखना है ताकि विज्ञापन से राजस्व कमाया जा सके। डेटा विज्ञान यह साबित करता है कि मानव मस्तिष्क तटस्थ या न्यूट्रल कंटेंट की तुलना में अत्यधिक उत्तेजक, क्रोधित करने वाली या सनसनीखेज सामग्री पर तेजी से प्रतिक्रिया देता है। जब कोई युवा किसी सामान्य, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की तस्वीर डालता है तो उसे सीमित 'व्यूज' मिलते हैं। यदि वह कोई उग्र नारेबाजी, पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक, या कोई भौंडा स्टंट करता हुआ वीडियो पोस्ट करता है, तो एल्गोरिदम उसे तेजी से 'बूस्ट' कर देता है। रातों-रात मिलने वाले हजारों लाइक्स और कमेंट्स युवा मस्तिष्क में डोपामाइन (खुशी और उत्साह देने वाला हॉर्मोन) का तेज संचार करते हैं, जिसके कारण उसे इस प्रकार की हरकतों को दोहराने यानी 'वायरलिटी' की लत लग जाती है। डिजिटल युग में युवाओं के बीच 'इंस्टेंट फेम' और 'क्लाउट चेसिंग' यानी हर कीमत पर ऑनलाइन चर्चा में बने रहने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। आधुनिक जीवनशैली में कई युवा खुद को उपेक्षित या गुमनाम महसूस करते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें एक ऐसा मंच देता है जहां वे खुद को 'हीरो' या किसी बड़े आंदोलन का नायक साबित कर सकते हैं। युवा भूल जाते हैं कि वे जिस मुद्दे के लिए सड़क पर उतरे हैं, उसकी गंभीरता क्या है; उनका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि उनका कैमरा किस एंगल से सबसे नाटकीय दिख रहा है। वहीं सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं को ऐसी सामग्री से लगातार घेरते रहते हैं जो उनकी पहले से बनी सोच या गुस्से को सही ठहराती है। जब एक युवा लगातार अपनी फीड में उग्र और भड़काऊ वीडियो देखता है तो उसका मस्तिष्क यह मानने लगता है कि चरम कदम उठाना ही एकमात्र और सही रास्ता है। भारत का संविधान अपने नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मौलिक अधिकार देता है। परंतु जब इस अधिकार का दुरुपयोग कर इसे उपद्रव और तमाशे में बदला जाता है तो इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्वागत है परंतु असहमति जब अनुशासनहीनता और अराजकता का रूप ले ले तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार बन जाती है। उग्र प्रदर्शनों में युवा अकसर व्यक्तिगत विवेक खो बैठते हैं और भीड़ का हिस्सा बनकर ऐसा कुछ कर बैठते हैं जो वे सामान्य स्थिति में कभी नहीं करते। यह प्रवृत्ति समाज में कानून के शासन को कमजोर करती है। आज की युवा पीढ़ी में 'शॉर्टकट' की मानसिकता घर कर गई है। विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले युवा अकसर इस बात से अनजान होते हैं कि वे अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे केवल युवा अकेले जिम्मेदार नहीं है बल्कि समकालीन समाज और मीडिया का परिवेश भी समान रूप से उत्तरदायी है। कई बार मीडिया उपद्रवी तत्वों को जरूरत से ज्यादा सनसनीखेज कवरेज देते हैं। दूसरी ओर परिवारों और शिक्षण संस्थानों में वैचारिक परिपक्वता, सहनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाद में कमी आई है। युवाओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि ऊर्जा का सकारात्मक दोहन किस प्रकार किया जाए।

आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं, जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है।

अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आएं



एसआईआर विवाद

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

एसआईआर विवाद हाल के दिनों में भारतीय राजनीतिक, सामाजिक और कानूनी विमर्श का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण तथा संवेदनशील विषय बनकर उभरा है। किसी भी जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र में सरकार की नीतियों से असंतोष जताना, सवाल उठाना, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराना और अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करना नागरिकों का एक मौलिक और संवैधानिक अधिकार है।

जब कोई आंदोलन किसी व्यापक और जटिल विवाद का रूप ले लेता है, तो उस आंदोलन के पीछे के उद्देश्यों, उसमें शामिल घटकों और उस पर शासन व न्यायप्रणाली की प्रतिक्रियाओं का निष्पक्ष, सूक्ष्म और गंभीर विश्लेषण करना अनिवार्य हो जाता है। हालिया प्रदर्शनों के संदर्भ में लगातार इस तरह के आरोप लग रहे हैं कि सत्ताधारी दल या कुछ खास स्वार्थी समूहों से जुड़े लोग जानबूझकर इन प्रदर्शनों में घुसपैठ करते हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ प्रदर्शनकारी या आंदोलन के आयोजक एक विशेष प्रकार की रणनीति या टूलकिट तैयार करते हैं। इसके तहत समर्थकों को खास तरह की वेशभूषा या धार्मिक व सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे लाल गमछा पहनना, सिर पर टीका लगाना या विशेष वस्त्र धारण करने का प्रयोग करके प्रदर्शन में शामिल होने का निर्देश दिया जाता है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य यह बताया जाता है कि यदि कोई अप्रिय घटना घटे या पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाए, तो इन प्रतीकों के आधार पर सहानुभूति बटोरी जा सके। लेकिन इन तमाम राजनीतिक दावों, रणनीतियों और आरोपों से परे इस बुनियादी पहलू पर ध्यान देना बेहद ज़रूरी है कि विरोध प्रदर्शनों में आने वाले लोग शायद स्वतः स्फूर्त तरीके से सड़कों पर उतर रहे हों। हमारे देश का एक बड़ा वर्ग ऐसा हो सकता है जो किसी राजनीतिक दल के बहकावे, उकसावे या टूलकिट का हिस्सा बने बिना, केवल अपने नागरिक कर्तव्यों और लोकतांत्रिक निष्ठा के कारण बाहर आ रहा हो। जब आम नागरिकों को यह आभास होता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही है, उनकी चिंताओं की उपेक्षा की जा रही है या देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के साथ कोई समझौता किया जा रहा है, तो वे स्वतः ही एकजुट होकर अपनी आवाज़ उठाने लगते हैं। यह स्वतःस्फूर्त भागीदारी नागरिकों की राजनीतिक जागरूकता और लोकतंत्र में उनके गहरे विश्वास का प्रमाण है। इसलिए, प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, आंदोलन चाहे कितना भी बड़ा या स्वतःस्फूर्त क्यों न हो, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए। कई बार देखा गया है कि जनता के वास्तविक आक्रोश और असंतोष का इस्तेमाल कुछ महत्वाकांक्षी लोग अपने निजी फायदे के लिए करते हैं। यदि कोई आंदोलन किसी संकीर्ण स्वार्थ के तहत संचालित हो रहा है, तो वह अंततः समाज में विभाजन और अस्थिरता ही पैदा करता है। वर्तमान डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में किसी भी आंदोलन के दौरान उग्रता या हिंसा के छोटे-छोटे वीडियो क्लिप्स तेजी से वायरल हो जाते हैं। इन वीडियो के आधार पर अक्सर तुरंत यह धारणा बना ली जाती है कि पूरा का पूरा आंदोलन ही हिंसक और उग्र है। परंतु हमारी न्याय प्रणाली और विधि व्यवस्था इस बात पर विशेष जोर देती है कि जब तक ठोस और प्रामाणिक साक्ष्य न मिल जाएं, तब तक केवल सोशल मीडिया पर तैर रहे किसी वीडियो या अधूरी क्लिप को अंतिम सत्य मानकर किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। इसके साथ ही, लोकतंत्र में यदि किसी मुद्दे, नीति या कानून के विरोध में लोग सड़कों पर आएंगे, तो उस नीति या कानून के समर्थन में भी कुछ लोग जरूर खड़े होंगे। लोकतंत्र विचारों की विविधता का नाम है, जहां समर्थन और विरोध दोनों के लिए समान स्थान होता है। लेकिन विरोध या समर्थन का अधिकार किसी को भी हिंसा करने या कानून हाथ में लेने की छूट नहीं देता। सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे।



प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए।

पत्रकारिता की प्रतिष्ठा पर गहराता संकट



चौथा स्तंभ

चरण जीत

स्वतंत्र स्तंभकार

किसी भी देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए मुख्यतः चार स्तम्भों की चर्चा की जाती है। लोकतंत्र के चार स्तम्भों के रूप में प्रायः विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का उल्लेख किया जाता है। वैसे तो सभी स्तम्भ महत्पूर्ण हैं, लेकिन मीडिया को इसलिए सबसे मत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता के अभाव में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सत्ता के अनुचित दबाव का खतरा बढ़ जाता है। जिस देश का मीडिया स्वतंत्र नहीं होता, वहां सरकारें अपनी मनमानी करती हैं। इसी बिंदु पर एक दूसरा प्रश्न उठता है। क्या मीडिया की स्वतंत्रता के साथ कुछ क़ानूनी और नैतिक जिम्मेदारियां भी नहीं जुड़ी होनी चाहिए? यदि पत्रकारिता के नाम पर कुछ लोग पेशेवर मर्यादाओं का उल्लंघन करने लगें तो पुरे मीडिया संस्थान और पत्रकारिता के पेशे की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं।

हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में, खासकर दिल्ली के जंतर मंतर पर होने वाले आन्दोलनों से कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पत्रकारिता का दावा करने वाले लोगों का व्यवहार सवालों के घेरे में है। जुलाई में होने वाले नीट आंदोलन से लेकर एसआईआर विवाद में कुछ ऐसे लोग सामने आए हैं, जो स्वयं को पत्रकार बताते हैं लेकिन वो पत्रकारों की अपेक्षा किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं जैसे अधिक प्रतीत होते हैं। हाथ में मोबाइल और कॉलर पर एक माइक लगा कर घूमते युवक-युवतियां जिस तरह से प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के सामने अकड़कर खड़े होते हैं, वह व्यवहार कई बार विवाद का कारण बनता है। अनावश्यक और असंगत प्रश्न करते हैं। जवाब न मिलने या फटकार दिए जाने पर स्वयं को पीड़ित बताने लगते हैं। ऐसी घटनाओं से पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं और पूरे समुदाय की छवि धूमिल होती है। डिजिटल क्रांति के इस दौर में आम नागरिकों तक पहुंचने वाले संचार माध्यम अनियंत्रित हो जाएं, सही और सटीक तथ्य पहुंचाने की बजाय भ्रामक सूचनाएं फैलाने लगें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और मीडिया की जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठेंगे। क्योंकि अधूरी या भ्रामक जानकारी समाज तनाव, भ्रम और टकराव पैदा कर सकती है। नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा इस विचार के साथ विकसित हुई कि देश के दूर-दराज इलाकों में मौजूद समस्याएं सरकार और प्रशासन तक पहुंच सकें। जिन स्थानों पर मुख्यधारा के पत्रकार नहीं पहुंच पाते, वहां की ज़मीनी सच्चाई भी देश के सामने आनी चाहिए। लेकिन पत्रकारिता के इस पेशे की अपनी मर्यादाएं, नैतिक मानक, और जिम्मेदारियां भी हैं। इसीलिए एक पत्रकार के लिए औपचारिक प्रशिक्षण, सम्पादकीय निगरानी तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके विपरीत आज डिजिटल माध्यमों के कारण कोई भी व्यक्ति फ़ोन और माइक की मदद से समाचार संबंधी सामग्री तैयार कर सकता है। अधिक से अधिक व्यूज़ पाने की कोशिश में इनमें से कुछ लोग न केबल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि एक सनसनीखेज थंबनेल के साथ वीडियो अपलोड करते हैं। हाथ में मोबाइल और माइक पकड़े हुए कोई व्यक्ति वास्तव में पेशेवर पत्रकार है या किसी जिम्मेदार मीडिया संस्थान का प्रतिनिधि है या स्वतंत्र कॉन्टेंट क्रिएटर है, यह स्पष्ट होना चाहिए। उसकी भूमिका और संबद्धता के बारे में पारदर्शिता होनी चाहिए। एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की साख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लागू नियमों और सम्बन्धित आचार संहिताओं का पालन सुनिश्चित करते हुए या स्पष्ट होना चाहिए कि व्यक्ति किसी मीडिया संस्थान से जुड़ा है या स्वतंत्र रूप से सामग्री तैयार करता है। अन्यथा निश्चित मर्यादाओं के अभाव में यह अनुमान लगाना कठिन होगा कि अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना सूचना प्रसार से कब गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए आत्म-सुधार और जवाबदेही की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।



एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की साख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी।



फोकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व के नंबर 2 ज्वेरेव को हराकर फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| शंघाई

शंघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। यह स्पेनिश खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है।

डेविडोविच फोकिना ने अपने करियर में दूसरी बार जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव को हराया। शंघाई के स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए इस कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने ज्वेरेव को 5-7, 6-4, 6-3 से मात दी। यह मैच दो घंटे छह मिनट तक चला। विश्व के नंबर 26 रैंकिंग वाले खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना पहला सेट हार गए थे, जो काफी कड़ा मुकाबला रहा। इसके बाद उन्होंने अपना खेल बेहतर किया, बेसलाइन पर शानदार प्रदर्शन दिखाया और दूसरे सेट के 10वें गेम में टॉप सीड ज्वेरेव की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने 46 मिनट में दूसरा सेट अपने नाम कर लिया।

फोकिना ने ज्वेरेव को 2 घंटे 6 मिनट में दी मात



ज्वेरेव ने किया डबल फॉल्ट

तीसरे सेट की शुरुआत में ज्वेरेव ने डबल फॉल्ट किया, जिससे डेविडोविच फोकिना को बड़ा फायदा मिला। इस मौके का फायदा उठाते हुए उन्होंने अपनी लय बनाए रखी और पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने संयम बनाए रखते हुए अपनी सर्विस पर तीसरा सेट जीता और अपने करियर के दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 के फाइनल में जगह बनाई।

फोकिना ने बचाए रखी अपनी सर्विस

तीसरे सेट में जब स्कोर 5-2 था और ज्वेरेव सर्विस कर रहे थे, तब डेविडोविच फोकिना के पास दो मैच प्वाइंट थे, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं पाए। जर्मन खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और एक और गेम के लिए संघर्ष किया। हालांकि, यह संघर्ष ज्यादा देर तक नहीं चला, क्योंकि डेविडोविच फोकिना ने अपनी सर्विस बचाए रखी और सेट के साथ-साथ मैच भी जीत लिया।

मैंने बस खेल का आनंद लिया : डेविडोविच

डेविडोविच फोकिना ने कहा, नतीजा क्या होगा, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बस हर एक गेंद पर ध्यान दे रहा था। मुझे पता था कि अगर मैं पूरे मैच में डटा रहा, तो मुझे कम से कम एक मौका जरूर मिलेगा, और मुझे वह मौका दूसरे सेट में मिला। फिर तीसरे सेट में मुझे लगता है कि मैं शारीरिक रूप से बेहतर था। तीसरे सेट की शुरुआत में मिली ब्रेक (सर्विस तोड़ना) से मुझे काफी ताकत मिली। मैंने सिर्फ खेलने पर ध्यान दिया, नतीजे की परवाह नहीं की, बस खेल का आनंद लिया। फोकिना ने कहा, अंत में जब आप बाहर होते हैं तो चीजें आसान नहीं होतीं। आपके पास सोचने के लिए बहुत समय होता है। यहां होना और इस खेल को खेलना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। इस समय ने मुझे यह सोचने का काफी मौका दिया कि मैं अपने भविष्य में क्या करना चाहता हूं। फाइनल में डेविडोविच फोकिना का मुकाबला राफेल जोदार या डेनिल मेदवेदेव में से किसी एक से होगा।

खबर संक्षेप



हांगकांग सिक्सेस के कप्तान बने कृणाल

हांगकांग। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापस बुलाए जाने के भारतीय हरफनमौला कृणाल पंड्या को हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए सात सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया टूर्नामेंट के लिए टीम में भुवनेश्वर की जगह लेंगे। हांगकांग सिक्सेस का आयोजन 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक होगा। कृणाल पहले से ही टीम का हिस्सा थे। भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन शामिल हैं।

बांग्लादेश को झटका, लिटन दास त्रिकोणीय सीरीज से बाहर



अबू धाबी। बांग्लादेश के वनडे कप्तान लिटन दास, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। हिप जॉइंट में चोट के कारण लिटन दास को सीरीज शुरू होने से ठीक पहले ही टीम से बाहर होना पड़ा है। उनकी गैर-मौजूदगी में तौहीद हृदोय टीम की कमान संभाल रहे हैं। लिटन दास को इस साल की शुरुआत में मेहदी हसन मिराज की जगह बांग्लादेश की वनडे टीम का पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया था। यह फैसला टीम प्रबंधन ने अगले वर्ष होने वाले आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप की तैयारियों को मद्देनजर रखते हुए लिया था, ताकि टीम एक स्थिर नेतृत्व के साथ अपने अभियान को मजबूत कर सके। त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश का सामना जिम्बाब्वे से हो रहा है, जिसमें जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया है। बांग्लादेश की टीम में मेहदी हसन मिराज भी नहीं खेल रहे हैं, क्योंकि उन्हें बुखार है।

एआईटीए रोस्टर में बोपन्ना को नहीं मिली जगह



नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को एआईटीए उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी (एसओएम) की सूची में जगह नहीं मिली है क्योंकि राष्ट्रीय खेल प्रशासन नियमों 2026 के तहत खेल से संन्यास को कम से कम एक वर्ष पूरा होने की शर्त वह पूरी नहीं करते। 46 वर्ष के बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से एक नवंबर 2025 को संन्यास लिया था। एआईटीए ने जब 16 अक्टूबर 2026 को एसओएम रोस्टर जारी किया, जो उसमें बोपन्ना संन्यास को एक साल पूरा होने की अवधि से कुछ दिन से चूक गए।

महिला टी-20 : भारत और जिम्बाब्वे के बीच मैच शाम 7 बजे से

जिम्बाब्वे के खिलाफ लय तलाशने उतरेगा भारतीय शीर्ष क्रम, दूसरा मुकाबला आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पहले मैच में असफल रहे भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करने की कोशिश करेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण भारतीय टीम पहले मैच में एक समय संकट में दिख रही थी। भारतीय बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को सहजता से लिया, जिससे वह संकट में पड़ गए। जिम्बाब्वे की तरफ से ऑफ स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। भारत के चोटी के बल्लेबाज अब दूसरे मैच में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे।



हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं : दीप्ति

दीप्ति में एक बार फिर से दिखाया कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस ऑलराउंडर ने कहा कि कुछ ऐसे मौके भी आएंगे जब विपक्षी टीम हावी रहेगी। दीप्ति ने कहा, 'निश्चित रूप से हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं और यही बात हमारे दिमाग में थी।' उन्होंने कहा, 'मैच में कभी-कभी ऐसा होता है। आप जो चाहते हैं भगवान हमेशा आपको वही नहीं देता है। लेकिन हम हमेशा सीखते हैं। मुझे यकीन है कि आज जो हुआ वह अगले मैच में नहीं होगा।' दीप्ति ने कहा, 'निक्की ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह अपना पहला मैच खेल रही है। एक युवा खिलाड़ी का यह आत्मविश्वास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि इस मैच से उसे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'

नेतृत्व करने उत्सुक होंगी मंधाना

मंधाना का यह पूर्णकालिक कप्तान के रूप में पहला मैच था, जिसमें बल्लेबाज के रूप में वह नाकाम रही और अब वह आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए उत्सुक होंगी। भारत के लिए बल्लेबाजी में सकारात्मक पहलू निक्की प्रसाद का शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने दबाव में भी संयम और स्ट्रोकप्ले का शानदार नमूना पेश किया।'

स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी उजागर

भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट पर 114 रन ही बनाने दिया। उसकी टीम सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु और शार्ने मेयर्स से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी, जिन्होंने पहले मैच में बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। जिम्बाब्वे को यह भी उम्मीद होगी कि ग्वांजुरा अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को बरकरार रखने में कामयाब होगी। उन्होंने पावरप्ले के दौरान स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी को उजागर किया था।

टीमें इस प्रकार

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा, निक्की प्रसाद, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष, कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्रीचरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता, मिन्नू मणि।

जिम्बाब्वे : जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बिलव्ड बिज़ा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, न्याशा ग्वांजुरा, नोम्पिलो सिबांडा, लोरिन फिरी, चिएजा दुरुरु, मोडेस्टर मुपाचिक्वा, तेंदाएई मायकुशा।

मैच का समय : शाम 7 बजे

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 शृंखला 2-2 से बराबर

बारिश ने छीना निर्णायक मुकाबला



होप प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए

4 साल बाद घर पर सीरीज नहीं जीत सकी टीम इंडिया

भाषा ▶▶| बेंगलुरु

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां और निर्णायक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला शनिवार को यहां बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे पांच मैचों की शृंखला 2-2 से बराबर रही। बारिश के कारण मुकाबला दो घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ और इसे नौ-नौ ओवर का कर दिया गया। भारतीय पारी के दौरान आठवें ओवर में एक बार फिर बारिश ने खेल रोक दिया। इसके बाद कुछ देर की इंतजार के बाद अंपायरों ने मुकाबला रद करने का फैसला किया। मैच रद होने से पहले ईशान किशन और नमन धीर ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए भारत को 7.4 ओवर में पांच विकेट पर 118 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया था। किशन ने महज 10 गेंदों में 30 रन ठोके, जबकि धीर ने सिर्फ छह गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। लगातार बारिश के कारण मुकाबला रात 9.15 बजे शुरू हो सका। शाम करीब चार बजे शुरू हुई बारिश के चलते मैच में काफी देरी हुई और इसे रात 10.03 बजे बारिश ने फिर खेल रोक दिया। इसके बाद वेस्टइंडीज को पांच ओवर में लक्ष्य का पीछा करने का मौका देने के लिए रात 10.21 बजे तक का कटऑफ समय तय किया गया था, लेकिन बारिश नहीं थमी और रात 10.18 बजे ही मुकाबला रद्द घोषित कर दिया गया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। अभिषेक शर्मा ने कीमो पॉल की गेंद पर छक्का लगाकर पारी का आगाज किया, लेकिन पॉल ने जल्द ही उन्हें पवेलियन भेज दिया। अभिषेक का फ्लिक शॉट सर्कल के किनारे खड़े शमर जोसेफ के हाथों में समा गया। इसके बाद किशन ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रोमारियो शेफर्ड के पारी के दूसरे ओवर में 24 रन बटोरकर कैरेबियाई गेंदबाजी की लय बिगाड़ दी। किशन ने इस ओवर में दो छक्के और दो चौके लगाए।

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

अमृता ने जीती चांदी भारत को मिले दो पदक



एजेंसी ▶▶| लास वेगास

भारतीय पहलवान अमृता पुजारी को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला 72 किग्रा वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की इरीना जाब्लोत्स्का के खिलाफ चित होने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय महिला पहलवानों का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। अमृता मुकाबले में 0-6 से पीछे चल रही थीं, तभी जाब्लोत्स्का ने उन्हें चित कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। भारत की स्वीटी के पास एक और पदक जीतने का मौका था, लेकिन वह 53 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में यूक्रेन की अनास्तासिया पोल्स्का से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार गईं।

वैष्णवी पाटिल रेपचेज में नहीं उठा सकीं फायदा

स्वीटी ने रेपचेज दौर में चीन की शियाओतोंग जेंग को 11-10 से हराकर कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। वैष्णवी पाटिल भी रेपचेज में मिले मौके का फायदा नहीं उठा सकीं। उन्हें जापान की हारुका कोबारू के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले कोमल ने महिला 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

पुरुष पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक

भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। शुक्रवार को मुकाबले में उतरे पांचों भारतीय पहलवान पदक की दौड़ तक नहीं पहुंच सके। वैभव पाटिल को 61 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में रोमानिया के गैब्रियल व्हिसेनहंट के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार का सामना करना पड़ा तो वहीं 74 किग्रा वर्ग में आदर्श पाटिल को अंतिम-16 के मुकाबले में जापान के तोकी ओगावाल ने 6-4 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। अमित का अभियान 86 किग्रा वर्ग में अंतिम-16 में समाप्त हो गया।

जयवर्धने ने छोड़ा मुंबई इंडियंस का साथ

मुंबई। श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी महेला जयवर्धने ने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। जयवर्धने जब पहली बार मुंबई के मुख्य कोच बने थे तब उनकी टीम ने तीन खिताब जीते थे। उन्होंने इसके बाद 2025 के सत्र से पहले फिर से मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले उन्होंने 2017 से 2022 तक मुंबई को कोचिंग दी थी।' मुंबई इंडियंस की मालिक नीता अंबानी ने कहा, 'महेला ने वर्षों से मुंबई इंडियंस में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका शांतचित्त रहकर नेतृत्व करना, ईमानदारी और खेल के प्रति गहरा लगाव हमारे लिए बहुत मायने रखता है। मैं मुंबई इंडियंस के परिवार की तरफ से महेला का उनके वर्षों के अमूल्य योगदान और अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करती हूं।'



हरियाणा की बेटियों का दबदबा, प्रिया को रिकॉर्ड तोड़ गोल्ड, खुशबू ने जीता ब्रॉन्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजस्थान के जयपुर स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य का नाम रोशन किया है। पूरे देश के 122 सदस्यीय सबसे बड़े दल में से हरियाणा की दो होनहार थ्रोअर्स ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर प्रदेश की झोली में दो पदक डाले। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने बताया कि महिला वर्ग के डिस्कस थ्रो इवेंट में भिवानी की प्रिया ने इतिहास रच दिया। प्रिया ने 53.07 मीटर दूर थ्रो फेंककर नया मीट रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने राजस्थान की निकिता (51.92 मीटर) और दिल्ली की अनीशा (51.11 मीटर) को पीछे छोड़ते हुए यह स्वर्णिम सफलता हासिल की। वहीं, महिला शॉट-पुट प्रतियोगिता में हरियाणा की खुशबू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में बीएसएफ की मुनीश (14.27 मीटर) पहले और यूपी की झलक चाहल (14.14 मीटर) दूसरे स्थान पर रहीं।



इस उपलब्धि पर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य राजकुमार मितान और एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने सभी पदक विजेताओं को मेडल प्रदान कर बधाई दी। फरीदाबाद खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

6 भारतीय खिलाड़ियों ने बनाई कट में जगह

40 लाख डॉलर की गोल्फ प्रतियोगिता में भारत का दबदबा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्पेन के यूजीनियो चाकारा ने डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैंपियनशिप में खराब मौसम के कारण समाप्त हुए दूसरे दौर के बाद एक शॉट की बढ़त बना ली है, जबकि 6 भारतीय खिलाड़ियों ने कट में जगह बनाई। भारत के ओम प्रकाश चौहान, युवराज संधू, अनिर्बान लाहिड़ी, शिव कपूर, करणदीप कोचर और सप्तक तलवार इस 40 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी प्रतियोगिता में कट में जगह बनाने में सफल रहे। चाकारा ने दूसरे दौर में तीन अंडर 67 का स्कोर बनाकर कुल 10 अंडर 134 का स्कोर हासिल किया। स्कॉटलैंड के स्कॉट जैमीसन ने भी 67 का स्कोर बनाया और उनका कुल स्कोर नौ अंडर 135 हो गया है। पांच खिलाड़ी आठ अंडर 136 के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर है।



मैकलॉय संयुक्त 12वें स्थान पर

उत्तरी आयरलैंड के रॉरी मैकलॉय छह अंडर 138 के स्कोर के साथ संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। उनके अलावा आयरलैंड के शेन लोरी (75-65), आरोन राय (69-74), जस्टिन रोज़ (72-72) और पैट्रिक रीड (75-69) ने भी कट में जगह बनाई। डैनी विलेट अस्वस्थ होने के कारण टूर्नामेंट से हट गए, जबकि ryan फॉक्स (76-70) कट में जगह नहीं बना पाए।

सबसे आगे चौहान

भारतीय खिलाड़ियों में चौहान (68-72) सबसे आगे हैं। वह चार अंडर 140 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 29वें स्थान पर चल रहे हैं। उनके बाद संधू (75-68) और लाहिड़ी (70-73) का नंबर आता है, जो एक अंडर 143 के स्कोर के साथ संयुक्त 53वें स्थान पर हैं। कट हासिल करने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी कपूर (72-72), कोचर (72-72) और तलवार (71-73) हैं। यह तीनों 144 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 63वें स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सात मेजर चैंपियन रहे खिलाड़ियों में से पांच ने कट में जगह बनाई।



कट से चूके अहलावत और शुभंकर

भारत के जो खिलाड़ी कट में जगह नहीं बना पाए उनमें सचिन बैसोया (74-71), राशिद खान (77-69), वीर अहलावत (74-72), शुभंकर शर्मा (76-72), अजितेश संधू (74-78), कार्तिक सिंह (76-76) और शौर्य भट्टाचार्य (78-74) शामिल हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28



कच्चा तेल खरीद में राहत का रूस ने किया स्वागत

रूसी राष्ट्रपति को खुश करने में यूक्रेन भूल गए ट्रंप, अब जी-20 में बिछाएंगे रेड कार्पेट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या पुतिन जी 20 बैठक में शामिल होने वाले हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, नहीं, उन्होंने सिर्फ शामिल होने इच्छा जताई है। मुझे नहीं पता कि पुतिन खुद आएंगे या नहीं लेकिन अगर वे आते हैं तो मैं जरूर उनका स्वागत करूंगा। ईंधन की कीमतों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने खुद जी 20 का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जी 20 बैठकों में रूस के प्रतिनिधि पहले भी शामिल होते रहे हैं। अमेरिका 2026 जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 30 और 31 अक्टूबर को जॉर्जिया के अटलांटा में जी 20 विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। इसके बाद 14 और 15 दिसंबर को ट्रंप फ्लोरिडा के मियामी स्थित ट्रंप नेशनल डोरल में जी 20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह चीन और रूस दोनों के साथ परमाणु समझौता करना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने माना कि उन्हें नहीं लगता कि ऐसा इस साल हो पाएगा। वहीं, यूक्रेन युद्ध को लेकर जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह भूल गए हैं कि युद्ध की शुरुआत पुतिन ने की थी, तो उन्होंने कहा, देखिए, मुझे सभी बातें पता हैं।

> अमेरिका वर्ष 2026 में जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है। नेताओं का मुख्य शिखर सम्मेलन 14 और 15 दिसंबर 2026 को फ्लोरिडा के मियामी स्थित 'ट्रंप नेशनल डोरल' में आयोजित किया जाएगा

रूस ने अमेरिका के इस फैसले को बताया ऐतिहासिक कदम



मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यही कि युद्ध खत्म होना चाहिए...

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह युद्ध खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा, औसतन हर महीने करीब 25,000 सैनिक मारे जा रहे हैं। पिछले महीने यह संख्या 32,000 थी। मैं दोनों पक्षों से बात करता हूं। मुझे लगता है कि दोनों इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और मेरा पूरा ध्यान इसी पर है कि यह युद्ध समाप्त हो। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या अमेरिका ने यूक्रेन की ओर से 'स्टारशील्ड' के इस्तेमाल पर कोई प्रतिबंध लगाया है, तो उन्होंने साफ कहा, नहीं, हमने ऐसा बिल्कुल नहीं किया है।

बढ़ रही रूस और अमेरिका की नजदीकी

यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की की आलोचना करने और रूस के साथ नजदीकी बढ़ने के दौरान ट्रंप का ये आदेश सामने आया है। इधर, कुछ दिनों से अमेरिका और रूस की नजदीकी देखी जा रही है। अमेरिकी राष्टपति ट्रंप रूस और यूक्रेन दोनों के ही राष्ट्राध्यक्षों से युद्ध रोकने की अपील कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने दोनों ही देशों पर कई तरह से दबाव डाला, लेकिन अब तक वे युद्ध रोकने में नाकाम ही रहे हैं।

ट्रंप ने हटाया टैरिफ तो गदगद हुए पुतिन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों के पैकेज को लागू न करने का फैसला लिया है। जिसकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने सराहना की है। उन्होंने ट्रंप के इस फैसले को ऐतिहासिक क्षण करार दिया है। दिमित्रिएव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इस संबंध में एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में कहा, ट्रंप प्रशासन की तरफ से ग्राहम एक्ट को सस्पेंड करना एक महत्वपूर्ण और देखा जाए तो यह असल में ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा, प्रतिबंधों और टकराव के बजाय हमें बातचीत, पारस्परिक रूप से फायदेमंद सहयोग और वैश्विक स्थिरता के लिए साझा जिम्मेदारी की जरूरत है।





Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick-start variant in Haryana. Price is subject to change without prior notice. ^ Finance at the sole discretion of the financier. T&C apply.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com अधिकृत डीलर: रोहतक : एस.के. जैन टीवीएस, फो: 9215551228. मानसरोवर पार्क (रोहतक): फो: 9215536902. भिवानी चुंगी (रोहतक): तुलसी लोक टीवीएस, भिवानी रोड़, फो: 9215650603, 9215650614. जीन्द: पँवार टीवीएस, फो: 8929592506. नरवाना: लाज टीवीएस, पटियाला रोड़, फो: 9034404321, 9306668701. गोहाना: गोहाना टीवीएस, फो: 8929163001. बहादुरगढ़ : आर जी जे पी टीवीएस, फो: 8929592575. करनाल: ग्रीन टीवीएस, ओल्ड जी.टी. रोड, फो: 9812029009, 9416127919. करनाल: कृष्णा टीवीएस, नई अनाज मंडी गेट, जी.टी. रोड़, फो: 8607777735. सो-हम टीवीएस, सुभाष कॉलोनी, तहसील कैम्प मोड़, जी.टी. रोड़, फो: 8607586075, 7027001155. सिंगला टीवीएस गोहाना रोड पानीपत फो: 7082996680. रेवाड़ी: जी वाई एस टीवीएस, फो: 7988388081, 9991131900. नारनौल: रोहित टीवीएस, निजामपुर रोड़, फो: 9416248898. सोनीपत: सनराइज़ टीवीएस, फो: 8569970007. हिसार: गर्ग टीवीएस, फो: 7027418101, 02, 03, 04, 05. श्री बालाजी टीवीएस, फो: 8168821611, 8168633056. सिरसा: एन.एम.पी. टीवीएस, एलीना सिटी मॉल, फो: 8685000988, 8685000711. फतेहाबाद: शक्ति टीवीएस, फो: 9215610688. टोहाना: गुरुकृपा ऑटो, फो: 8929592539. भिवानी: आर्य टीवीएस, फो: 9416058748. अन्य केन्द्र: सॉंवरिया टीवीएस, विद्युत नगर, इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली रोड़, फो: 8295784123. महम: विद्या मोटर्स, फो: 9992111677, 8059380156. झज्जर: क्रिस्टल ऑटो, फो: 8396930251, 8396930253. झज्जर: तुलसी लोक टीवीएस, फो: 9215650635, 92156506 46. कलानौर: कान्हा टीवीएस, फो: 7206645000. छुछकवास: श्री बालाजी टीवीएस, फो: 9306792793, 8059212212. बेरी: ओशो टीवीएस, फो: 7404785257. बादली: साईन टीवीएस, फो: 9992452420, 9812471246. जुलाना: शिव ऑटो: फो: 9416603435, 7876148802. पिल्लूखेड़ा: जगदम्बा ऑटोमोबाइल, फो: 9896101624. सफीदों: श्री सत्यम मोटर्स, फो: 9466963443. उचाना: उचाना टीवीएस, फो: 9996804471. घरौंडा : राणा मोटर, फो: 9215725944, 9896425944. इन्द्री : कालरा ऑटो स्टोर, फो: 9896010726. निसिंग: ब्रदर्स टीवीएस फो: 9896725383. समालखा: राठी मोटर्स, फो: 9215870004. इसराना: त्रिपुंड टीवीएस, फो: 9991989985. मडलौड़ा: अनिल टीवीएस, फो: 9671258922. बावल: दवेन्द्र टीवीएस, फो: 9416092926, 9467090045. धारूहेड़ा: कृष्णा ऑटोमोबाइल्स, फो: 9728393334, 9992453435. कोसली: रेट्रो टीवीएस, फो: 9312593949. पालावास: रेट्रो टीवीएस, फो: 9312593949. खरखौदा: योगेश ऑटो, फो: 8053673420. मुरथल: मंगल टीवीएस, फो: 9467285556, कुण्डली: श्री बालाजी टीवीएस, फो: 9996580850. बरोटा: चरण टीवीएस, फो: 7495003400. बहालगढ़: धारवी टीवीएस, फो: 9996613672. कनीना: नवोदित टीवीएस, फो: 9416133777. अटेली मंडी: वर्मा टीवीएस, फो: 9466925285. महेन्द्रगढ़: वी.एस. टीवीएस, फो: 9355088850. सिवानी: शिवा टीवीएस, फो: 9991076172. हांसी: सुभाष टीवीएस, फो: 9729177117. बरवाला: श्री गुरु नानक टीवीएस, फो: 7496024124. आदमपुर: जय ऑटोमोबाइल्स, 8059920006. आज़ाद नगर (हिसार): सलासार टीवीएस, फो: 7015782507, 9729037819. नारनौद: वाईटर टीवीएस, फो: 9034099799. चरखी दादरी: बालाजी ऑटो, फो: 9466235445. बवानी खेड़ा: जैन टीवीएस, फो:9017230856. बाढड़ा (सतनाली रोड): जतिन मोटर, फो: 9728521040, 9813453667. ढिगावा जाटन: देव टीवीएस, फो: 8397007809. झोझू कलां: राधे टीवीएस, फो:7027722277. सांपला रूद्रा टीवीएस, फो:8607614400. डींग मोड़: एनएमपी टीवीएस, फो:8685000913. मंडी डबवाली: एनएमपी टीवीएस, फो:8685000911. एलेनाबाद: बंसल टीवीएस, फो:9992635024, 022. तोशाम: जगदम्बा टीवीएस, फो:7404388008. डीघल: प्रधान ग्रुप टीवीएस, फो:8607466333. रतिया: शिव शक्ति टीवीएस, फो:9996540048. अग्रोहा: विनायक टीवीएस, फो: 9996012795. भट्टू: श्री श्याम टीवीएस, फो: 9854040540. कलांवाली: लोक्श टीवीएस, फो: 9215004949. बहू झोलरी: पूर्वाश टीवीएस, फो: 9888687351. कुंडः रेवाड़ी वर्मा टीवीएस, फो: 8930689602.

Benefits up to ₹5500** ** T&C apply as per Flipkart.

dentsu/hb roh/08/26